खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-270

देश की अदालतों में लंबित पड़े हैं पांच करोड़ से अधिक मामले

जस्टिस डिलेड इज़ जस्टिस डिनाएड..!

छोटे-मोटे बेमानी मुद्दों पर भी न्यायिक सक्रियता दिखाने वाले सुप्रीम कोर्ट में करीब एक लाख मुकदमे लंबित हैं। लंबित मुकदमों की संख्या हर महीने तकरीबन एक हजार केस की गति से बढ़ती जा रही है। जब सुप्रीम कोर्ट की यह हालत है तो पूरे देश की अदालतों में लंबित मामलों की संख्या के बारे में कल्पना की जा सकती है। कल्पना छोड़िए, बिल्कुल तथ्यों में बात करते हैं। देश की अदालतों में पांच करोड़ मामले लंबित हैं। देश के उच्च न्यायालयों में ही करीब एक करोड़ मामले लंबित पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट भी कई बार इस पर चिंता जता चुका है।

नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) ने निचली अदालतों में लंबित पांच करोड़ मामलों में से 1.78 करोड़ मुकदमों के कारण भी बताए हैं। इनमें से ज्यादातर आपराधिक मामले हैं। इनमें 81 प्रतिशत आपराधिक मामले हैं। बाकी 19 प्रतिशत सिविल मामले हैं। इससे पता चलता है कि आपराधिक मामलों में देरी ज्यादा हो रही है। लगभग 3 करोड़ मामलों के लंबित होने का तो कोई कारण भी नहीं है। बस यूं

सुप्रीम कोर्ट में एक लाख, इलाहाबाद हाईकोर्ट में 10 लाख मुकदमे लंबित

ही लंबित पड़ा है। इन पर न्यायिक प्रक्रिया का कोई ध्यान नहीं है। एनजेडीजी कहता है कि सबसे बड़ा कारण वकीलों का उपलब्ध न होना है। 62 लाख से ज्यादा मामलों में वकील मौजूद नहीं होते। इससे सुनवाई आगे नहीं बढ़ पाती। दूसरा बड़ा कारण आरोपी का फरार होना है। 35 लाख से ज्यादा मामलों में आरोपी फरार हैं। जब आरोपी ही नहीं होता, तो केस कैसे चले। लगभग 27 लाख मामलों में गवाह गायब हैं। गवाहों के बिना सबूत पेश करना मुश्किल बताया जाता है। 23 लाख से ज्यादा मामलों पर अलग-अलग अदालतों ने रोक लगा रखी है। यह रोक भी मामलों को आगे बढ़ने से रोकती है। 14 लाख से ज्यादा मामलों में दस्तावेजों का इंतजार है। लगभग 8 लाख मामलों में पार्टियों का दिलचस्पी न लेना बताया गया है। भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित उच्च न्यायालयों में से एक, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, जिसने कभी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भविष्य के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों जैसी हस्तियों को सम्मानित किया था, उसकी तो और भी बुरी

शुभ-लाभ सरोकार

बच्चे भी न्याय से वंचित एक साल में एक लाख मामले, हजारों लंबित

दशा है। 10 लाख से ज्यादा लंबित मामलों के साथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट देश की सबसे ज्यादा बोझ से दबी अदालतों में से एक है। आपराधिक मुकदमों से लेकर सम्पत्ति और पारिवारिक विवादों तक के मामले दशकों से यहां लंबित हैं, जिससे भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य, उत्तर प्रदेश के हजारों लोग कानूनी पचड़ों में फंसे हुए हैं। सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी 73 वर्षीय बाबू राम राजपूत तीन दशकों से भी ज्यादा समय से सम्पत्ति विवाद से जूझ रहे हैं। उन्होंने 1992 में एक नीलामी में जमीन खरीदी थी, लेकिन पिछले मालिक ने बिक्री को चुनौती दे दी थी। और यह मामला आज तक अनसुलझा है। राजपूत कहते हैं, मुझे बस यही उम्मीद है कि मेरे मामले का फैसला मेरे जीते जी हो जाए।

उच्च न्यायालय का संघर्ष भारतीय न्यायपालिका के एक व्यापक संकट को दर्शाता है। न्यायाधीशों की कमी और मुकदमों के लगातार बढ़ते बोझ के कारण मुकदमों में भारी विलंब हो रही है। 160 स्वीकृत पद हैं जो कभी भी पूरी तरह भरे नहीं जाते। न्यायालय में कर्मचारियों की भारी कमी है। पुलिस जांच में देरी, बार-बार स्थगन और खराब बुनियादी ढांचे के कारण लंबित मामलों की संख्या बढ़ती ही चली जा रही है।

▶10पर

चुनाव आयोग ने जारी की बिहार की मतदाता सूची

संशोधन के बाद निकले 7.3 करोड़ वोटर

नई दिल्ली/पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने बिहार के मतदाताओं की पुनरीक्षित सूची आज जारी कर दी। करीब सात करोड़ 30 लाख से अधिक मतदाताओं की फाइनल सूची जारी की गई है। खास बात यह है कि इस बार वोटर लिस्ट में करीब 14 लाख से अधिक नए मतदाता भी शामिल हुए। इनमें अधिकतर ऐसे हैं जिनकी उम्र 18 साल से अधिक है। संशोधित लिस्ट से 47 लाख वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को सार्वजनिक करने के साथ-साथ हर जिले के निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में भौतिक प्रति भी उपलब्ध करवा दी है। सभी राजनीतिक दलों को भी मतदाता सूची प्रारूप की अंतिम सूची उपलब्ध करवा दी गई है।

फाइनल वोटर लिस्ट जारी होने के बाद अब चुनाव आयोग बिहार में तैयारियों का जायजा लेने के लिए 4 और 5 अक्टूबर को पटना का दौरा करेगा। इसके बाद चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जाएगा। अगले सप्ताह बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने की संभावना है। संभावना है कि पहले चरण का मतदान दिवाली और छठ महापर्व के बाद अक्टूबर महीने के अंत में या फिर नवंबर के पहले सप्ताह में होगा। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को खत्म हो रहा है। इससे पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। पिछली बार की तरह इस बार भी 3 चरणों में मतदान होने की संभावना जताई जा रही है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य की शुरुआत जून माह में की थी। इस कार्य से पहले 7 करोड़ 89 लाख मतदाता थे। इसके पुनरीक्षण कार्य के बाद कुल 65 लाख मतदाताओं के नाम कटे थे। इनमें 22 लाख से अधिक मृत मतदाता, करीब 35 लाख विस्थापित मतदाता थे। वहीं करीब सात लाख लोग ऐसे मतदाता थे, जिनका नाम दो जगह दर्ज था। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन्हें दावा आपत्ति के लिए 30 दिन का वक्त दिया था। प्रकाशित मतदाता सूची में बिहार के 7.30 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। इतने मतदाताओं की ओर से अपना गणना फॉर्म भरकर जमा किया गया था। वहीं, दावा-आपत्ति के दौरान 16 लाख 58 हजार 886 पात्र नागरिकों ने फॉर्म-6 भरकर जमा कराया। चुनाव आयोग के अनुसार 36,475 मतदाताओं ने नाम जोड़ने के लिए दावा पेश किया जबकि 2,17,049 मतदाताओं ने नाम हटाने के लिए आवेदन किए। हालांकि, फाइनल वोटर लिस्ट में मतदाताओं की कुल संख्या की जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। राज्य के करीब तीन लाख मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए जाने को लेकर नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया। अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची में एसआईआर के दौरान मृतक, स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं।

मतदाता पुनरीक्षण कार्य के बाद जो वोटर लिस्ट प्रकाशित किए गए हैं, उनमें सभी जिलों के हजारों लोगों के नाम कट गए हैं। इनमें पश्चिम चम्पारण से 191376, पूर्वी चम्पारण से 316793, शिवहर से 28166, सीतामढ़ी से 244962, मधुबनी से 352545, सुपौल से 128207, अररिया से 158072, किशनगंज से 145668, पूर्णिया से 273920, कटिहार से 184254, मधेपुरा से 98076, सहरसा से 131596, दरभंगा से 203315, ▶10पर

लद्दाख मसले पर वार्ता के लिए केंद्र सरकार तैयार

वांगचुक की रिहाई हो तभी होगी वार्ता : एलएबी

नई दिल्ली/लद्दाख, 30 सितंबर (एजेंसियां/ब्यूरो)।

लद्दाख मामले में केंद्र सरकार ने वार्ता के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं। गृह मंत्रालय ने कहा है कि लद्दाख एपेक्स बाडी यानि एलएबी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस यानि केडीए के साथ कभी भी बातचीत हो सकती है। वार्ता के लिए 6 अक्टूबर की तारीख पहले से तय है, लेकिन एलएबी और अन्य संगठनों ने भी वांगचुक समेत अन्य गिरफ्तार लोगों की रिहाई के पहले बातचीत से दूर रहने की घोषणा की है। संगठनों का कहना है कि गिरफ्तार नेताओं की रिहाई हो, उसके बाद ही वार्ता होगी। प्रशासन ने लेह में कर्फ्यू में चार घंटे की ढील देने की घोषणा की है। आवश्यक सेवाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जारी रहेंगी। प्रशासन ने किराना दुकानों, सब्जी विक्रेताओं, हार्डवेयर की दुकानों और अन्य आवश्यक सेवा प्रदाताओं को चार घंटे के लिए अपनी दुकानें खोलने की अनुमति दी है।

गृह मंत्रालय का कहना है कि लद्दाख पर बनी समिति (एचपीसी) या ऐसे किसी भी मंच के माध्यम से एबीएल और केडीए के साथ चर्चा का स्वागत करते रहेंगे। लद्दाख पर एचपीसी के माध्यम से सर्वोच्च निकाय लेह (एबीएल) और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ बातचीत पहले भी हुई है, जिसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। वार्ता के बाद ही लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में वृद्धि, एलएएचडीसी में महिलाओं के लिए आरक्षण और स्थानीय भाषाओं को संरक्षण दिया गया

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 1800 सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) का कहना है कि लद्दाख में जब तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं होती है, वह वार्ता से दूर रहेगा। अगर स्थिति सामान्य करने के लिए सही कदम उठाए जाते हैं, तभी वह 6 अक्टूबर को हो-नेवाली अगले दौर की बातचीत में शामिल हो सकता है।

इस तरह, लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने जैसी मांगों के साथ केंद्र के साथ बातचीत कर रही लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने गृह मंत्रालय की उच्चाधिकार प्राप्त समिति के साथ बातचीत से इन्कार कर दिया है। एलएबी के अध्यक्ष थुपस्तान छेवांग और सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे ने कहा कि बातचीत फिर से शुरू करने से पहले लद्दाख में अनुकूल माहौल की बहाली आवश्यक है। एलएबी ने 4 प्रदर्शनकारियों की मौत के बाद अपना रुख कड़ा कर लिया है। एलएबी नेताओं ने कहा, हम सर्वसम्मति से इस बात पर सहमत हुए हैं कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर जब तक लद्दाख में शांति बहाल नहीं हो जाती, हम किसी भी वार्ता में भाग नहीं लेंगे। छेवांग ने गृह मंत्रालय और प्रशासन से शांति बहाली के कदम उठाने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि बीते 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा में 4 लोगों की मौत हुई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। इसके बाद पुलिस ने एक्टविस्ट सोनम वांगचुक समेत कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एलएबी ने मांग की है कि हिंसा की जांच हो, प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी मामले वापस लिए जाएं और हिरासत में लिए गए सभी लोगों को बिना शर्त रिहा किया जाए। एलएबी ने लद्दाखी प्रदर्शनकारियों को देश विरोधी कहने के लिए केंद्र से माफी मांगने के लिए भी कहा है।

▶10पर

देश के प्रमुख जुआ घरों (कैसीनो) पर ईडी का छापा

भारी तादाद में देसी-विदेशी मुद्रा बरामद

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत गोवा, दिल्ली, एनसीआर, मुंबई और राजकोट में बड़े जुआ घरों (कैसीनो) पर छापा मार कर बड़ी तादाद में भारतीय और विदेशी मुद्राएं बरामद कीं और जुआ के बहाने मनी-लॉन्ड्रिंग के कारोबार का पर्दाफाश किया। मेसर्स गोल्डन ग्लोब होटल्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स वर्ल्डवाइड रिसॉर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और बिग डैडी कैसीनो से जुड़े 15 विभिन्न परिसरों में ईडी ने तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान, ईडी ने भारतीय मुद्रा में लगभग 2.25 करोड़ रुपए, 14000 अमेरिकी डॉलर और लगभग 8.50 लाख रुपए के बराबर अन्य विदेशी मुद्रा बरामद की।

ईडी की जांच से पता चला है कि ग्राहकों को विदेशी मुद्रा के बदले पोकर चिप्स दिए जा रहे थे। जीतने वाले ग्राहकों को उनकी जरूरतों के आधार पर जीत की राशि, विदेशी मुद्रा में वितरित की जा रही थी। इसके अलावा, यह भी पाया गया कि कई ऑनलाइन कैसीनो प्लेटफार्म, जैसे रोलेक्स777.सीए, आईकैसीने247.कॉम, प्ले247एस.कॉम, विन डैडी, पोकर डैडी आदि को मेसर्स गोल्डन ग्लोब होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के कैसीनो द्वारा सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा था। यह भी सामने आया कि पोकर खिलाड़ियों के क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट का इस्तेमाल मनी-लॉन्ड्रिंग के ▶10पर

सेना के तीनों अंगों को फेंटने की कोशिश, बढ़ रहा विरोध

थिएटर कमांड पर तीनों सेनाओं में आम सहमति नहीं

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

सेना के तीनों अंगों को फेंटने की भारत सरकार की कवायद का सेना में विरोध हो रहा है। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि सेना के तीनों अंगों का बेहतर समन्वय के साथ स्वतंत्र अस्तित्व बेहद जरूरी है। एक राष्ट्र एक सेना का सरकारी हठ व्यवहारिक नहीं है। थिएटर कमांड की स्थापन पर तीनों सेनाओं में आम सहमति नहीं है।

एक राष्ट्र एक सेना का सरकारी हठ व्यवहारिक नहीं

भारत सरकार ने तीनों सेनाओं का एक संयुक्त सैन्य स्टेशन (थिएटर कमांड) बनाने का फैसला सेना की अंदरूनी असहमतियों के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहा है। केंद्र सरकार कहती है कि यह देशभर में अपनी तरह का पहला ऐसा स्टेशन होगा। थिएटर कमांड के निर्माण से पहले सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच एकजुटता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत उपकरणों का स्टैंडेराइजेशन, लॉजिस्टिक के लिए कॉमन सप्लाई चेन, सभी स्तरों पर संयुक्त प्रशिक्षण, अधिक क्रॉस-पोस्टिंग, अन्य सेवाओं का अनुभव और कर्मियों के बीच बेहतर सामाजिक संपर्क होगा। हालांकि, थिएटर कमांड पर तीनों सेनाओं में फिलहाल आम सहमति नहीं है।

इस महीने की शुरुआत में कोलकाता में हुए संयुक्त कमांडर सम्मेलन में इनमें से कुछ उपायों पर चर्चा हुई थी, जिसमें प्रधानमंत्री ने भी भाग लिया था। सशस्त्र बल एक-दूसरे की क्षमताओं और चुनौतियों के बारे में अपनी समझ को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं ताकि तीनों सेनाओं की जरूरतों को शुरू से ही समझा जा सके। थिएटर कमांड किसी भी बड़े सुधार के लागू होने से पहले तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण बढ़ाने के व्यापक उपायों का एक हिस्सा है। तीनों सेनाओं के बीच थिएटर कमांड के निर्माण पर अभी आम सहमति नहीं बन पाई है। यह कदम पिछले हफ्ते कोलकाता में हुए संयुक्त कमांडर सम्मेलन में घोषित निर्णयों के बाद उठाया गया है, जिसमें पहले चरण में एक त्रि-सेवा शिक्षा कोर का गठन और तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम और गांधीनगर में तीन संयुक्त सैन्य स्टेशनों की स्थापना शामिल है।

अब सभी स्तरों पर इंटर-सर्विस ट्रेनिंग पर ज्यादा जोर दिया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी कर्मचारी एक-दूसरे के उपकरणों और क्षमताओं से परिचित हों और उनका बेहतर इस्तेमाल कर सकें। यह ज्ञान ऑपरेशनल प्लानिंग में अहम भूमिका निभाएगा जिसमें शुरुआत से ही ▶10पर

पाकिस्तान से स्वतंत्र होने के करीब बलूचिस्तान

95% क्षेत्र नियंत्रण में पाक सेना पीछे हटी

क्वेटा, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान के लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों और घुसपैठियों से अपनी धरती को आजाद कराने के लिए जोरदार प्रयास कर रहे हैं। करीब 95 प्रतिशत इलाका बलूच लड़ाकों के कब्जे में आ गया है। बलूचिस्तान के कई इलाकों से पाकिस्तानी सेना भी पीछे हट गई है। बलूचिस्तान को हाथ से निकलता देख पाकिस्तानी सेना ने खुजदार जिले के जेहरी, गजान, तरासानी, शाहमुज और सोहांडा में हवाई हमले भी किए हैं। लेकिन बलूच लड़ाके इसका मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। उधर, बलूचिस्तान के क्वेटा में आज हुए जबरदस्त धमाके में 10 लोगों के मरने की खबर है।

बलूचिस्तान ने हाल ही में अपने को स्वतंत्र घोषित किया था। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अमेरिका दौरे पर गए थे और उन्होंने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को आतंकवादी संगठन घोषित करवाया था। बलूचों ने तेल एवं खनिज समृद्ध और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को पहले ही अपने नियंत्रण में ले लिया है और वे पाकिस्तानी सेना का कड़ा मुकाबला कर रहे हैं। इस कारण कई क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना पीछे हटने के लिए मजबूर हो रही है। लगभग 95 प्रतिशत क्षेत्र अब बलूच स्वतंत्रता सेनानियों के नियंत्रण में है। बलूच लड़ाके अपनी मातृभूमि से हर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को बाहर निकालने के लिए कटिबद्ध हैं और इसके लिए एक व्यापक तलाशी ▶10पर

समुद्री डकैती के लिए कुख्यात सोमालिया को डकैती से बचने के गुर सिखाएगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

समुद्री डकैती के लिए सोमालिया पूरी दुनिया में विख्यात है। करीब 18 साल पहले इन समुद्री डकैतों ने पूरे विश्व के लिए संकट खड़ा कर दिया था। जब हदें पार हुई तो 2017 में कई देशों ने मिलकर सोमालिया के समुद्री लुटेरों पर लगाम लगाने के प्रयास शुरू किए। लेकिन अब पाकिस्तान इसी सोमालिया को समुद्री डकैतों से बचने के लिए ट्रेनिंग दे रहा है।

दुनिया में समुद्री डकैती के लिए कुख्यात सोमालिया को अब समुद्री डकैती से रोकने के गुर सिखाएगा पाकिस्तान। इसके अलावा, एंटी-टेररिज़्म ऑपरेशन्स में भी सोमालिया को दक्ष बनाएगा। अब एक देश का नाम अगर समुद्री डकैती से जुड़ा है, तो दूसरा देश आतंकवाद की फैक्ट्री के नाम से प्रसिद्ध है। ऐसे में यह नया एमओयू कई सवाल भी खड़े कर रहा है। एक और रोचक बात यह है कि पाकिस्तानी नेवी, सोमाली नौसेना को तकनीकी सहायता और ट्रेनिंग भी देगी। इसके अलावा, सोमाली नेवी के जहाज़ों के रखरखाव में भी पाकिस्तान मदद करेगा। नई नौसैनिक यूनिट की स्थापना और समुद्री गश्ती ऑपरेशन्स में भी पाकिस्तानी नेवी शामिल होगी। अब पाकिस्तान की नौसेना को तो चीन ही नई शक्ल दे रहा है। वॉरशिप से लेकर सबमरीन तक सभी मेड इन चाइना हैं। ऐसे में ग्लोबल ट्रेड रूट के पास पाकिस्तान की शक्ल में चीन की एक और मौजूदगी भी सामने आ सकती है।

अब पाकिस्तान की एंट्री के बाद रेड सी से अदन की खाड़ी में प्रवेश करते ही व्यापारिक जहाज़ों पर डकैती का ख़तरा बढ़ जाता है। यह इलाका दुनिया का सबसे बड़ा पायरेसी ज़ोन माना जाता है। जिबूती और सोमालिया से लुटेरे यहीं सबसे ज़्यादा सक्रिय होते हैं। इसका कारण है कि यह व्यापार का सबसे छोटा और व्यस्त रूट है। दुनिया का सारा आम ट्रेड और एनर्जी ट्रेड इसी इलाके से होकर गुजरता है। यूरोप की ओर जाने वाला एनर्जी ट्रेड ओमान की खाड़ी से होता हुआ अदन की खाड़ी और फिर रेड सी के रास्ते स्वेज नहर के जरिए भूमध्य सागर तक पहुंचता है। वहीं, पूर्व की ओर जाने वाले मर्चेंट वेसल्स, रेड सी से होते हुए अदन की खाड़ी, अरब सागर और फिर आगे की ओर निकलते हैं।

सोमालिया की कैबिनेट ने इसी साल अगस्त में पाकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग पर एक और समझौता ज्ञापन पर दस्तखत करने की मंजूरी दे दी है। इसके तहत पाकिस्तान, सोमाली आर्म्ड फोर्स को ट्रेनिंग देगा। इसमें बुनियादी सैनिक प्रशिक्षण से लेकर आतंकवाद विरोधी कार्रवाई, स्टाफ ड्यूटी और अंतरराष्ट्रीय शांति अभियानों की ट्रेनिंग शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

बलोचिस्तान के गांवों से पाकिस्तान की सेना उठा ले गई 50 से ज्यादा लोग

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान की सेना ने आजादी की मांग कर रहे बलोचिस्तान में बड़ा तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 50 से ज्यादा लोगों को अपने साथ ले गए। इस अभियान को मस्तुंग जिले के दश्त-ए-असूर के कोलपुर इलाके में अंजाम दिया गया। आरोप है कि सुरक्षाबलों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मारपीट भी की। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को पाकिस्तान की सेना ने कोलपुर में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। इस बीच, सीटीडी, खुफिया एजेंसी के अधिकारियों और पुलिस ने इलाके को घेर लिया और घरों की तलाशी ली। क्षेत्रीय सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा बलों ने जुमा खान गांव, बंगालजई गांव और सरपारा गांव के घरों में घुसकर निवासियों पर अत्याचार किया। सूत्रों का कहना है कि इस दौरान 50 से अधिक पुरुष और युवकों को हिरासत में लेकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। दश्त से हिरासत में लिए गए लोगों के रिश्तेदारों के अनुसार, उन्हें सोमवार को सूचना मिली कि उनके प्रियजनों को क्वेटा जेल में बंद कर दिया गया है, हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि क्या सभी गिरफ्तार लोगों को जेल ले जाया गया है। रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा बलों ने घरों में तोड़फोड़ की। महिलाओं और बच्चों को प्रताड़ित किया। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से खुजदार, कलात और मस्तुंग जिलों में जमीनी और हवाई अभियानों की रिपोर्ट मिल रही हैं। सोमवार को भी खुजदार की तहसील जहरी में जमीनी और हवाई अभियानों की रिपोर्ट मिली। इन अभियानों पर अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना तहसील बिलिदा के गर्दानक क्षेत्र में एक स्थानीय दुकानदार को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई है। इस दुकानदार की पहचान शेर अली पुत्र वाशी के रूप में हुई है। परिवार ने लापता शेर अली की सुरक्षित बरामदगी की मांग की है। गौरतलब है कि इस महीने पाकिस्तानी सेना द्वारा जबरन गायब किए गए चार लोगों के शव बुलायदा में मिले हैं।

सर्बिया में गिरफ्तार 11 लोग, फ्रांस में मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर रखने और यहूदी स्थलों पर हमलों का आरोप

बेलग्रेड। सर्बियाई पुलिस ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने इस महीने पेरिस और आसपास मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर रखे और यहूदी स्थलों को निशाना बनाया। सर्बिया के गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। गिरफ्तारियों पर यह भी संदेह है कि उन्होंने पेरिस में होलोकॉस्ट म्यूजियम, कई सिनागॉग और एक यहूदी रेस्तरां पर हरी पेंट फेंकी और बर्लिन के ब्रैंडेनबर्ग गेट के सामने कंक्रीट का कंकाल रखा। सभी आरोपित सर्बियाई नागरिक हैं और उन्हें सर्बिया में प्रशिक्षित किया गया। मंत्रालय के अनुसार, एक फरार संदिग्ध, जिसे केवल स्त्र. के नाम से पहचाना गया है, ने इन लोगों को विदेशी खुफिया एजेंसी के आदेश पर प्रशिक्षण दिया। बयान में कहा गया, इनका उद्देश्य अलग-अलग समूहों के लोगों के आधार पर नफरत, भेदभाव और हिंसा को बढ़ावा देना था। फ्रांस में पुलिस जांच में पता चला कि मस्जिदों के बाहर सुअर के सिर विदेशी नागरिकों ने रखे थे, जो तुरंत देश छोड़कर चले गए। फ्रांस ने अतीत में रूस पर विभाजन फैलाने का आरोप लगाया है। मई में भी तीन सर्बियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था, जब सिनागॉग और होलोकॉस्ट स्मारक पर हरी पेंट फेंकी गई थी।

सऊदी अरब के तबुक शहर में मिली दस हजार साल से ज्यादा पुरानी मानव बस्ती

रियाद। सऊदी अरब के तबुक शहर में दस हजार से ज्यादा पुरानी मानव बस्ती की खोजी गई हैं। तबुक के उत्तर-पश्चिम में वादी दाम के मासियोन में हुई इस खोज को सबसे पुरानी मानव बस्ती माना जा रहा है।

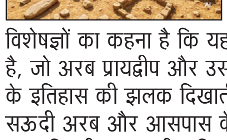

विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक असाधारण खोज है, जो अरब प्रायद्वीप और उसकी प्राचीन सभ्यताओं के इतिहास की झलक दिखाती है। इस खोज से सऊदी अरब और आसपास के देशों की प्राचीन संस्कृति की जानकारी हासिल होगी। इससे पता चलेगा कि इस्लाम के आने से पहले इस क्षेत्र में किस तरह की धार्मिक और सामाजिक आस्थाएं थीं। यह खोज अरब प्रायद्वीप और उसकी प्राचीन सभ्यताओं के इतिहास की झलक सऊदी हेरिटेज कमीशन ने इस ऐतिहासिक पुरातात्विक खोज की जानकारी दी है। कमीशन ने इसे हाल के इतिहास की सबसे अहम खोजों में से एक बताया। पुरातत्वविदों ने पुष्टि की है कि यह स्थल नवपाषाण काल यानी 10,300-11,000 साल पहले का है।

हमास ने गाजा पर ट्रंप का नया प्रस्ताव नहीं माना तो इजराइल को खुली छूट देगा अमेरिका

वाशिंगटन, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद गाजा में शांति समझौते की अपनी योजना सामने रखी। उन्होंने कहा कि अगर यह योजना विफल हो जाती है तो हमास को नष्ट करने के लिए इजराइल को अमेरिका का पूरा समर्थन प्राप्त होगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं। लेकिन अगर हमास इस योजना पर सहमत नहीं होता है, तो इजराइल अपना अभियान जारी रख सकता है। उसे जो करना होगा, उसके लिए हमारा पूरा समर्थन होगा।

व्हाइट हाउस के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा, युद्ध समाप्त करने की 20 सूत्रीय अमेरिकी योजना तत्काल युद्धविराम के साथ शुरू होगी। इसमें प्रस्ताव है कि हमास 72 घंटों के भीतर सभी बंधकों को रिहा करेगा। बदले में इजराइली सैनिकों की चरणबद्ध वापसी होगी। इससे स्थायी युद्धविराम का मार्ग प्रशस्त होगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि जो हमास सदस्य शांति के लिए प्रतिबद्ध होंगे और हथियार डाल देंगे, उन्हें आम माफी दी जाएगी। जो लोग गाजा छोड़ना चाहते होंगे, उन्हें सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र और उसके संगठनों रेड क्रिसेंट और अन्य समूह पूर्ण मानवीय सहायता फिर से शुरू करेंगे। गाजा का पुनर्विकास गाजा के लोगों के लाभ के लिए किया जाएगा। ट्रंप ने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम शांति के लिए एक समझौता करेंगे। अगर हमास इस समझौते को अस्वीकार कर देता है तो फिर एकमात्र विकल्प ही बचेगा। ट्रंप ने संवाददाताओं को बताया कि व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, उनके दामाद जेरेड कुशनर, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स इस प्रक्रिया में करीब से शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और अन्य प्रमुख सदस्यों के साथ मिलकर गाजा के लिए शांति बोर्ड बनाएंगे। फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह इस योजना का स्वागत करता है और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ साझेदारी के महत्व पर जोर देता है। उधर, इजराइल को वैश्विक स्तर पर बढ़ते अलगाव और आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि कई पश्चिमी शक्तियां संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके करीबी सहयोगी की अवहेलना करते हुए फिलिस्तीनी राज्य का दर्जा स्वीकार कर रही हैं। और इजराइली सेना अकालग्रस्त गाजा शहर पर घातक हमला कर रही है। ट्रंप ने सोमवार को अपने भाषण में पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हुई घटनाओं पर अपनी शिकायतें दोहराईं। व्हाइट हाउस की एक विज्ञप्ति के अनुसार, सोमवार को ट्रंप और कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी के साथ बातचीत में नेतन्याहू ने इस बात पर गहरा खेद व्यक्त किया कि कतर में वार्ता के दौरान हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए गए इजराइली हमले में एक कतरी सैनिक की मौत हो गई। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इजराइल कतर पर अपना हमला दोबारा नहीं दोहराएगा। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान एक बैठक में अरब देशों के समक्ष अपनी शांति योजना प्रस्तुत की थी। अमेरिकी प्रस्ताव में इजराइली रक्षा बलों की गाजा से पूरी तरह वापसी की समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। सूत्रों ने कहा कि यह आसपास के अरब देशों के सैनिकों का एक स्थिरीकरण बल स्थापित करने से जुड़ा होगा जो इस पट्टी की सुरक्षा प्रदान करेगा। इस बीच, गाजा का शासन दो स्तरों पर होगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय निकाय एक फ़िलिस्तीनी समिति की देखरेख करेगा। प्रस्ताव के अनुसार, हमास की गाजा के शासन में कोई भूमिका नहीं होगी। गाजा से फिलिस्तीनियों को जबरन विस्थापित नहीं किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता का प्रबंधन करेगा।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने सोमवार सुबह कहा कि इस समझौते के तहत दोनों पक्षों को कुछ हद तक त्याग करना पड़ सकता है। ब्रिटेन के थिंक टैंक चैथम हाउस में मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका कार्यक्रम के वरिष्ठ परामर्शदाता योसी मेकेलबर्ग ने एक फोन साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि इस बात की पूरी संभावना है कि अमेरिकी प्रशासन सचमुच युद्ध का अंत देखना चाहता है और संभवत: नेतन्याहू पर अपने प्रभाव का कुछ इस्तेमाल करेगा। यह एक बड़ा समझौता है और इसके लिए दोनों पक्षों की उपस्थिति जरूरी है। हमास अब मजबूत स्थिति में नहीं है। ट्रंप का शांति समझौता प्रस्ताव सामने आने पर हमास ने कहा है कि वह गाजा में बंधक बनाए गए शेष लोगों को केवल एक स्थायी युद्धविराम और इजराइल के फिलिस्तीनी क्षेत्र से हटने के बदले में रिहा करेगा।

ऐप्पल इंक ने तैयार किया नया आईफोन ऐप

सैन फ्रांसिस्को, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

महंगे स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी ऐप्पल इंक ने चैटजीपीटी जैसी क्षमता वाला एक नया आईफोन ऐप तैयार कर लिया है। इसको वेरिटास नाम दिया गया है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस ऐप का मुख्य उद्देश्य ऐप्पल के वॉयस असिस्टेंट सिरी को और अधिक स्मार्ट और प्रतिक्रियाशील बनाना है। फिलहाल यह ऐप सिर्फ इंटरनल टेस्टिंग के लिए इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन इसे अगले साल आम यूजर्स के लिए लॉन्च करने की योजना है। वेरिटास ऐप ऐप्पल कर्मचारियों को सिरी के नए एआई पावर्ड फीचर्स का परीक्षण करने की सुविधा देता है। इसमें ईमेल, म्यूजिक, फोटो एडिटिंग और अन्य पर्सनल डेटा को खोजने जैसे इन-ऐप कामों को संभालने की क्षमता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ऐप लोकप्रिय चैटबॉट फॉर्मेट की नकल करता है और ऐप्पल के नए इन-बिल्ट सिस्टम, लिनवुड पर आधारित है, जो कंपनी के लार्ज लैंग्वेज मॉडल को थर्ड पार्टी एआई प्रोवाइडर्स की तकनीक से जोड़ता है। मार्च 2025 में अपडेटेड सिरी की लॉन्चिंग की उम्मीद है। इस अपडेट के सफल रोलआउट से ऐप्पल की स्थिति एआई प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो सकती है, जबकि गूगल और सैमसंग जैसी कंपनियों को बढ़त मिल सकती है। आने वाले सालों में स्मार्टफोन और डिवाइस खरीद के फैसलों पर एआई क्षमताओं का बड़ा असर दिखने की संभावना है। ऐप्पल ने एआई डेवलपर्स के साथ साझेदारी की संभावनाओं पर भी काम किया है। ओपनएआई और एंथ्रोपिक के साथ प्रारंभिक बातचीत के बाद, गूगल के जेमिनी एआई प्लेटफॉर्म के कस्टमाइज्ड वर्जन को लागू करने पर भी विचार किया जा रहा है। वहीं, एआई चीफ जॉन गियानंद्रिया और कुछ सहायक कर्मचारी कंपनी छोड़ चुके हैं, और सिरी के संचालन देख रही रॉबी वॉकर भी जल्द कंपनी छोड़ेंगी। वॉकर की टीम अब अपग्रेडेड एआई सर्च फंक्शन पर काम कर रही है, जो नए एआई सक्षम असिस्टेंट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सिरी के अलावा, ऐप्पल अपने होमपॉड स्पीकर, ऐप्पल टीवी और वेब सर्च फंक्शन के लिए भी एआई पावर्ड सुधारों पर काम कर रहा है। सीईओ टिम कुक ने एआई को दशकों में सबसे बड़ा परिवर्तन बताया है और ऐप्पल की अग्रणी भूमिका की आवश्यकता पर जोर दिया है। हालांकि वेरिटास ऐप फिलहाल पब्लिक के लिए उपलब्ध नहीं है, यह ऐप्पल को यह मूल्यांकन करने का अवसर देता है।

ट्रिपल-न्यूक्लियर स्ट्राइक: अमेरिका का दिमाग हिला देगा चीन का ये हथियार

बीजिंग। चीन नित नए प्रयोग कर रहा है। इसी कड़ी में चीन ने एक ऐसा प्रयोग किया है जिसकी कल्पना अमेरिका ने भी नहीं की होगी। पीएलए के वैज्ञानिक ने पहली बार 'ट्रिपल-न्यूक्लियर स्ट्राइक' करके दिखाया है। यानी अब केवल एक ही वारहेड नहीं, बल्कि मूविंग-क्लस्टर की तरह एक के बाद एक या एक साथ दागे गए छोटे-कम क्षमता वाले वारहेड्स से धमाके होंगे। अभी तक दुनिया में सिर्फ एक-एक वारहेड के साथ रिसर्च की गई है और जो हथियार बनाए गए हैं, वो भी सिर्फ एक वारहेड्स से बने हैं। लेकिन चीन इसे कई गुना आगे ले गया है, जो हथियार को काफी घातक बना देगा। सबसे खास बात मिली सेकेंड में ही इससे तबाही मचाई जा सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एक से दूसरे वारहेड के विस्फोट में सिर्फ 0.8 मिलीसेकंड का फर्क रहा। यानी ऐसे समझ सकते हैं कि एक मिलिसेकेंड से भी कम वक्त में तीन धमाके हो गए। इस तरह तीनों लगभग एक साथ विस्फोट होते हैं और इनका असर काफी खतरनाक होता है। प्रयोग के नतीजे चौंकाने वाले रहे। इतना ही नहीं, सतह पर कई गुना तबाही हुई।

तालिबान शासन ने बंद किया इंटरनेट अफगानिस्तान में टेलिकॉम सेवाएं हुईं ठप

काबुल, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान शासन ने इंटरनेट और टेलिकॉम सेवाओं पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। निगरानी संस्था नेटब्लॉक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में इस समय संचार व्यवस्था पूरी तरह ठप है और इसे कनेक्टिविटी ब्लैकआउट की स्थिति बताया जा रहा है।

कुछ सप्ताह पहले तालिबान ने अनैतिकता रोकने के नाम पर फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट कनेक्शन काटना शुरू किया था। अब स्थिति यह है कि न सिर्फ़ मोबाइल इंटरनेट, बल्कि मोबाइल फ़ोन नेटवर्क और सैटेलाइट टीवी सेवाएं भी बाधित हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मीडिया हाउस काबुल स्थित अपने दफ़्तर से संपर्क भी खो दिया है। फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क दुनिया के इंटरनेट ढांचे की रीढ़ माना जाता है, जो तेज़ डेटा ट्रांसफर की सुविधा देता है। इसकी कटौती से अफ़ग़ानिस्तान बाहरी दुनिया से लगभग पूरी तरह कट चुका है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर पोस्ट करते हुए बताया जा रहा है, कि पूरा देश अकेलेपन में घिर गया है। अफ़ग़ानिस्तान अब आधिकारिक तौर पर (इंटरनेट कटऑफ़ में) उत्तर कोरिया से भी आगे निकल गया है। इस पर डिजिटल अधिकार समूहों का कहना है कि इंटरनेट बंद करना न सिर्फ़ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर भी गंभीर असर डालेगा। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इससे अफ़ग़ान जनता और अधिक अलग-थलग पड़ जाएगी।

मोसाद की रणनीतियां और ऑपरेशन हमेशा चौंकाने वाले और रहस्यमय

तेलअवीव, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इज़राइल पर हमला किया, तब गाजा क्षेत्र में तबाही का ऐसा मंजर देखने को मिला कि वहां की पहचान करना मुश्किल हो गया। इस बीच, इजराइल ने ईरान, सीरिया, लेबनान और कतर तक निशाने साधे। इन हमलों में हिज्बुल्लाह विद्रोहियों को पेजर ब्लास्ट के जरिए निशाने पर लिया गया, जिसमें इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के शामिल होने की बात सामने आई। इस घटना के बाद मोसाद के काम करने के तरीके ने विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया। इस एजेंसी की हत्याओं और ऑपरेशनों पर पत्रकार ने अपनी किताब में विस्तार से प्रकाश डाला है। उन्होंने किताब के लिए नेताओं, पूर्व एजेंट और विशेषज्ञों से हजारों इंटरव्यू किए। पत्रकार रोनेन के अनुसार, दूसरे विश्व युद्ध के बाद से पश्चिमी दुनिया में सबसे अधिक हत्याएं इजराइल ने की हैं।

किताब में नैतिक सवाल भी उठाए गए हैं। रोनेन ने लिखा कि जब कोई देश अपनी सुरक्षा और अस्तित्व के लिए हत्या का रास्ता अपनाता है, तब इससे कई नैतिक दुविधाएं पैदा होती हैं। एक ऐसा देश, जो शरणार्थियों की सुरक्षा के लिए बना, क्या विरोधियों की हत्या करना उसके लिए न्यायसंगत है

इजराइल के लिए हत्याओं का सिलसिला दशकों पुराना है। किताब में एक पूर्व हत्यारे का जिक्र किया गया है, जिसमें बताया कि 1944 में उसने येरूशलम में एक ब्रिटिश ऑफिसर की हत्या की थी। उस समय, ब्रिटिश कब्ज़े में फ़लस्तीन था और उनका मानना था कि जितने ज्यादा अंग्रेजों के शव लंदन पहुंचते हैं, उनकी आजादी का दिन उतना करीब आएगा।

इंडोनेशिया के स्कूल में नमाज पढ़ रहे छात्रों पर गिरी छत, 1 की मौत 65 मलबे में दबे

सिदोअर्जो। इंडोनेशिया में सिदोअर्जो के ईस्ट जावा कस्बे में अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल अचानक दर्दभरा हादसा हो गया। इस स्कूल में सभी छात्र दोपहर की नमाज पढ़ रहे थे तभी अचानक छत का एक हिस्सा ढह गया, इसमें एक छात्र की मौत हो गई जबकि 65 छात्र मलबे में दब गए। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। घटना के 8 घंटे से अधिक समय बाद पुलिस, सैन्यकर्मी और बचावकर्मी आठ घायलों को बाहर निकालने में सफल रहे। बचावकर्मियों को इस दौरान और शव भी दिखे, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता जूल्स अब्राहम अबास्ट ने बताया कि छात्र उस इमारत में दोपहर की नमाज अदा कर रहे थे। इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था, तभी अचानक वह गिर गई। इस निर्माण कार्य को लेकर जांच की जाएगी और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। अधिकारियों ने बताया कि सिदोअर्जो के ईस्ट जावा कस्बे में अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल स्थित है। इसकी इमारत ढहने की सूचना मिलने के बाद बचावकर्मी, पुलिस और सैन्यकर्मी पूरी रात राहत व बचावकार्य में जुटे रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल की इमारत जर्जर हालत में थी। घटना के 12 घंटे से भी अधिक समय बाद मंगलवार सुबह छात्रों को बाहर निकालने के प्रयास जारी रहे।

पर्यटकों के लिए 40 पर्यटन स्थल खोलने की मांग

जम्मू, 30 सितंबर (ब्यूरो)।
पांच महीनों से पर्यटकों की राह ताक रहे जम्मू कश्मीर को ऑपरेशन सिंदूर और फिर बाढ़ ने जो जख्म दिए वे पहलगाम नरसंहार के जख्मों पर नमक की तरह थे। प्रदेश के वे लोग अभी तब इस त्रासदी से उबर नहीं पााए हैं जो पूरी तरह से पर्यटन पर निर्भर हैं।

कई महीनों से कश्मीर के कुछ सबसे पसंदीदा स्थल, जैसे अरु घाटी, पादशाही पार्क, दारा शिकोह गार्डन और कमान पोस्ट, खाली पड़े हैं। होटलों और हाउसबोटों में पर्यटकों की रिकार्ड कमी का सामना करना पड़ रहा है। शिकारा मालिक डल झील के घाटों पर बेकार बैठे हैं। इसका असर दूर-दूर तक महसूस किया जा रहा है। यह असर कारीगरों से लेकर टट्टू वालों तक पर है। पहलगाम नरसंहार के उपरांत लगभग 40 पर्यटन स्थलों के बंद होने से आर्थिक संकट और गहरा गया। चुनौतियां अभी भी गंभीर हैं। होटलों में बुकिंग 20 प्रतिशत से भी कम हो गई है, और पर्यटकों का आगमन बहुत कम हो गया है। ट्रैवल एजेंट मानते हैं कि जब ये पसंदीदा पर्यटन स्थल अभी भी बंद हैं, तो वे पर्यटकों को मना नहीं सकते। वे चेतावनी देते हैं कि बिना पहुंच के प्रचार काम नहीं करेगा। इसलिए सरकार को तेजी से कदम उठाने चाहिए, और अधिक सर्किट खोलने चाहिए, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, और ऐसे लक्षित अभियान शुरू करने चाहिए जो पर्यटकों को याद दिलाएं कि कश्मीर अभी भी भारतीय पर्यटन का मुकुट रत्न क्यों है।

ऐसे में विश्व पर्यटन दिवस पर, जम्मू कश्मीर प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश के 12 प्रमुख पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने की घोषणा करने के लिए एक उपयुक्त समय चुना था। यह एक ऐसा निर्णय था जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से स्तब्ध पड़े उस क्षेत्र के लिए आशा की किरण जगाता है, जिसने न केवल लोगों की जान ली, बल्कि घाटी के पर्यटन जगत की धड़कन भी बंद कर दी थी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा विस्तृत सुरक्षा समीक्षा के बाद पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने की घोषणा, पुनरुद्धार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से लेकर होटल और ट्रैवल एसोसिएशन तक, सभी हितधारकों ने इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन जोर देकर कहा है कि यह तो बस शुरुआत है।

उनका तर्क सही है कि जब तक सभी पर्यटन स्थलों को फिर से नहीं खोला जाता और उनका सक्रिय रूप से प्रचार नहीं किया जाता, पर्यटक आने से कतराएंगे। नतीजतन, घाटी को 2022, 2023 और 2024 की रौनक वापस पाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा, जब पर्यटकों की संख्या ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई थी।

अगर 22 अप्रैल के नरसंहार के बाद की परिस्थितियों को देखें तो जो दांव पर लगा है वह राजस्व से कहीं ज्यादा है। कश्मीर में पर्यटन, होटल व्यवसायियों से लेकर फेरीवालों तक, और गाइडों से लेकर कारीगरों तक, आबादी के एक बड़े हिस्से का भरण-पोषण करता है। यह धारणा का भी मामला है। हर पर्यटक जो बर्फीली चोटियों, बगीचों और गर्मजोशी भरे आतिथ्य की यादें लेकर घर लौटता है, वह शांति और सामान्य स्थिति का दूत बन जाता है, और खुद को और दूसरों को फिर से लौटने के लिए प्रेरित करता है। इसलिए, इन स्थलों को फिर से खोलना एक नौकरशाही निर्णय से कहीं बढ़कर है। यह एक दावा है कि भय को घाटी के भविष्य को तय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसे में अब कश्मीरियों को उम्मीद यही है कि पर्यटकों का आना-जाना फिर से शुरू होगा, जिससे आत्मविश्वास और आजीविका दोनों बहाल होंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति ने श्री मल्होत्रा के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। श्री मल्होत्रा का मंगलवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।

राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने श्री मल्होत्रा के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी दिवंगत नेता के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

श्री मल्होत्रा का मंगलवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।

प्रधानमंत्री ने श्री मल्होत्रा के योगदान को याद करते हुए कहा कि दिल्ली के विकास के लिए उनके प्रयासों को सदैव याद रखा जाएगा।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्वर्गीय श्री वी.के. मल्होत्रा जी के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके परिवार के प्रति भी संवेदना व्यक्त की। दिल्ली के विकास और हमारी पार्टी के सुशासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने राजनीति एवं संसद में श्री मल्होत्रा से जुड़ी यादों का स्मरण करते हुए एक अन्य पोस्ट में कहा था, उनका निधन हम सभी के लिए दुख का विषय है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

मोदी ने ट्रम्प की गाजा शांति योजना का किया स्वागत

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाज़ा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच का संघर्ष रुकवाने की अमेरिकी राष्ट्रपति की योजना का स्वागत किया है और विश्वास जताया है संबंधित पक्ष इसको स्वीकार करेंगे।

श्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान में कहा, हम राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प द्वारा गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक व्यापक योजना की घो-षणा का स्वागत करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है। श्री मोदी ने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने एवं शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

श्री ट्रम्प ने वाशिंगटन की यात्रा पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ सोमवार को व्हाइट हाउस में बातचीत के बाद गाजा में संघर्ष समाप्त करने की एक व्यापक योजना की घोषणा की। उसके तहत गाजा से संचालित आतंकवादी गतिविधियां बंद होंगी और गाजा पट्टी का व्यापक पुनर्निर्माण किया जाएगा।

योजना में हमास के कब्जे में पड़े बंधकों की वापसी और इजरायल द्वारा हिरासत में लिए गए कुछ फिलिस्तीनियों की रिहाई का भी प्रस्ताव है।

हिंसा और भय की राजनीति बंद होनी चाहिए : कांग्रेस

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।
कांग्रेस ने कहा है कि लद्दाख में हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत का मामला गंभीर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को संवाद का रास्ता अपनाकर शांति बहाल की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे लद्दाख में हिंसा के दौरान गोली लगने से चार लोगों की जान जाने का मुद्दा बहुत गंभीर है। इसमें यह और भी दुखद है कि घटना में एक पूर्व सैनिक की जान चली गई जिसने कारगिल युद्ध में हिस्सा लिया था और देश के विभिन्न भागों में भारतीय सेना के जाबांज सैनिक के रूप में अपनी सेवाएं दी। उनके पिता भी सैनिक ही थे और पुत्र के मारे जाने की खबर से यह पूर्व सैनिक पिता बहुत आहत है।

श्री खरगे ने हिंसा में पूर्व सैनिक के मारे जाने की खबर पर कहा लद्दाख का दुःख पूरे देश का दुःख है। शहीद त्सेवांग थरचिन ने कारगिल युद्ध में भारत माता के प्रति अपना कर्तव्य निभाया, बदले में मिला क्या, लद्दाख़ में मोदी सरकार की गोली । पिता भी फ़ौज में थे, बेटा भी फ़ौज में था। गलवान में जब हमारे 20 वीर जवानों ने एलएसी पर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, तब स्वयं श्री मोदी जी ने चीन को क्लीन चिट थमाई थी । तब उन्हें हमारे जाँबाजों की वीरता की याद न आयी, तो अब क्या ख़ाक आयेगी। जो चीन को क्लीन चिट दे सकते हैं, वो हमारे त्सेवांग थरचिन जैसे वीर जवानों की शहादत का मान क्या रखेंगे। यही है भाजपा का खोखला राष्ट्रवाद।

श्री गांधी ने लद्दाख में प्रदर्शन के दौरान हिंसा की घटनाओं की न्यायिक जांच कराने और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। उन्होंने श्री मोदी पर लद्दाख के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि जो लोग हक की मांग कर रहे हैं, उनको हिंसा से डराने की बजाय उनसे संवाद करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने लद्दाख के एक पूर्व फौजी की पीड़ा का वीडियो भी जारी किया, जिसने देश के विभिन्न हिस्सों में सेवाएं दी और उसका बेटा लद्दाख में हुई गोलीबारी में मारा गया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा पिता फौजी, बेटा भी फौजी - जिनके खून में देशभक्ति बसी है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर बेटे की गोली मारकर जान ले ली, सिर्फ इसलिए क्योंकि वो लद्दाख और अपने अधिकार के लिए खड़ा था। पिता की दर्द भरी आंखें बस एक सवाल कर रही हैं - क्या आज देशसेवा का यही सिला है।

श्री गांधी ने कहा हमारी मांग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी ही चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए। मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों को धोखा दिया है। वो अपना हक़ मांग रहे हैं, संवाद कीजिए - हिंसा और डर की राजनीति बंद कीजिए।

खोए या चोरी हुए छह लाख से अधिक मोबाइल बरामद किये संचार-साथी ने

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।
दूरसंचार विभाग की नागरिक-केंद्रित प्रमुख डिजिटल सुरक्षा पहल 'संचार-साथी' के माध्यम से छह लाख से अधिक खोए और चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट बरामद किये गये हैं। यह सुविधा हर एक मिनट में एक फोन का पता लगाने में सहायता कर रही है।

संचार मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि ये मोबाइल 'संचार साथी' पर 'अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करें' सुविधा के जरिये बरामद किये गये हैं और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से डिजिटल शासन में नागरिकों का विश्वास मजबूत होता है।

मंत्रालय ने कहा है कि यह उपलब्धि नागरिकों की डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और साइबर अपराध से निपटने में सहयोगी प्रौद्योगिकी की क्षमता को प्रदर्शित करती है। संचार साथी पर 'अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक करें' सुविधा बिना समय गंवाए दूरसंचार विभाग, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और पुलिस को जानकारी देती है।

यह सुविधा नागरिकों को सभी भारतीय दूरसंचार नेटवर्क पर खोए/चोरी हुए मोबाइल की रिपोर्ट करने, ब्लॉक करने, ट्रेस करने या अनब्लॉक करने की सुविधा प्रदान करती है। किसी भी तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए, रिपोर्ट किए गए खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट को पूरे भारत में दूरसंचार नेटवर्क पर ब्लॉक कर दिया जाता है। जैसे ही ऐसे खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट के साथ किसी सिम का उपयोग किया जाता है, स्वचालित ट्रेसेबिलिटी सक्रिय हो जाती है और नागरिकों के साथ-साथ उस संबंधित पुलिस स्टेशन को भी अलर्ट भेज दिया जाता है जहां खोए/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट की शिकायत दर्ज की गई थी। नागरिकों को एसएमएस के माध्यम से संपर्क करने के लिए सक्रिय ट्रेसेबिलिटी में पुलिस स्टेशन का विवरण प्रदान किया जाता है।

दूरसंचार विभाग की क्षेत्रीय इकाइयां क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ निरंतर सहयोग करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पता लगाए गये उपकरणों को कुशलतापूर्वक कैसे हासिल किया जाए और उनके मालिकों को लौटाया जाए। इन प्रयासों से रिकवरी दर में लगातार माह-दर-माह सुधार हुआ है, मासिक रिकवरी इस वर्ष जनवरी में 28,115 से बढ़कर अगस्त में 45,243 हो गई है- जो आठ महीनों में 61 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे लोगों में इस सुविधा के बारे में जागरूकता का भी पता चलता है।

संचार साथी देश का सबसे व्यापक डिजिटल सुरक्षा प्लेटफ़ॉर्म बन गया है जिसकी वेबसाइट पर 19 करोड़ से ज़्यादा विज़िट और 90 लाख से ज़्यादा मोबाइल ऐप डाउनलोड हो चुके हैं। डिजिटल सुरक्षा के प्रति संचार साथी के व्यापक दृष्टिकोण में कई अन्य नागरिक-केंद्रित मॉड्यूल शामिल हैं। इनमें संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट के लिए 'चक्षु', सभी सक्रिय कनेक्शनों को सत्यापित करने के लिए 'अपने मोबाइल कनेक्शन को जानें',

पोर्टल, ऐप या 14422 पर एसएमएस के माध्यम से आईएमईआई की प्रामाणिकता जांचने के लिए 'डिवाइस प्रामाणिकता सत्यापन', भारतीय कॉलर आईडी वाले संदिग्ध अंतर्राष्ट्रीय कॉल की रिपोर्ट के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय कॉल रिपोर्टिंग', बैंकों और वित्तीय संस्थानों की सत्यापित संपर्क जानकारी तक पहुंच के लिए 'विश्वसनीय संपर्क विवरण' आदि शामिल हैं।

संचार साथी सुरक्षित डिजिटल इको-सिस्टम के निर्माण की दिशा में एक पहल है जहां नागरिक आसानी से और सुरक्षित रूप से सरकारी सेवाओं तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। भारत की भाषाई विविधता को ध्यान में रखते हुए, संचार साथी मोबाइल एप्लिकेशन हिंदी, अंग्रेजी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है, जो सभी जनसांख्यिकी और भौगोलिक स्थलों के नागरिकों के लिए पहुंच सुनिश्चित करता है।

संचार मंत्रालय ने कहा है कि सभी को इस सुविधा का लाभ उठाना चाहिए और खोए या चोरी हुए उपकरणों की तुरंत रिपोर्ट करनी चाहिए।

यूपी के बैंकों में लावारिस पड़े हैं 7211 करोड़ रुपए

एक लाख लॉकरों को वारिस मिलने की राह खुली

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के बैंकों में 7211 करोड़ रुपए लावारिस पड़े हैं। दावों के निपटान के लिए आरबीआई ने नई गाइडलाइन जारी की है। इससे एक लाख लॉकरों को वारिस मिलेगा। अगले साल 31 मार्च तक सभी बैंकों में इसे लागू करना अनिवार्य है।

आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में करीब 2.81 करोड़ बैंक खाते ऐसे हैं, जिनमें पिछले दस साल से कोई लेन-देन नहीं हुआ। इन्हें निष्क्रिय घोषित कर दिया गया है। इन खातों में जमा राशि 7211 करोड़ रुपए को बैंकों ने आरबीआई के पास जमा करा दिया है। इसके अलावा, राज्य के बैंकों में लगभग एक लाख से ज्यादा लावारिस लाकर और सेफ कस्टडी आर्टिकल्स पड़े हैं, जिनका कोई दावेदार नहीं है। अब तक इन खातों और लॉकरों पर दावा करने के लिए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, वसीयत या अदालत के आदेश की जरूरत होती थी। ऐसे में परिजनों को लंबे समय तक अदालतों व बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

आरबीआई की नई गाइडलाइन के तहत नामांकन या सर्वाइवर वाले खाते केवल मृत्यु प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के आधार पर दावे निपटाए जाएंगे। इसके लिए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र या वसीयत की जरूरत नहीं होगी।

कोऑपरेटिव बैंक में 5 लाख रुपए तक और अन्य बैंकों में 15 लाख रुपए तक के दावे सिर्फ आवश्यक दस्तावेजों जैसे क्लेम फॉर्म, मृत्यु प्रमाणपत्र, शपथपत्र या एनओसी के आधार पर निपटाए जाएंगे। लॉकर और सेफ कस्टडी का नामांकन होने पर सीधे दावेदार को चाबी मिल जाएगी। बिना नामांकन वाले मामलों में बैंक दो गवाहों और अधिकारी की मौजूदगी में लॉकर में रखे सामान की सूची तैयार करेगा।

सभी दस्तावेज पूरे होने के 15 दिन के भीतर दावे का निपटारा करना अनिवार्य होगा। लॉकर/सेफ कस्टडी के मामलों में 15 दिन में इन्वेंटरी की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। इसमें देरी होने पर बैंक जमा खातों पर 4% ब्याज देंगे। लॉकर/सेफ कस्टडी पर 5,000 रुपए रोजाना देय होंगे। नई गाइडलाइन लागू होने के बाद बैंकों ने ऐसे खातों और लॉकरों के मालिकों से जुड़े परिजनों की खोज शुरू कर दी है। इसके लिए विशेष टीम बनाई जा रही है।

यूपी में फिर छाई भेड़ियों की दहशत : बहराइच में दंपति को जिंदा चबाया

बहराइच, 30 सितंबर (एजेंसियां)।
बहराइच में मंझारा तौकली ग्राम पंचायत में सोमवार रात भेड़ियों ने फिर कहर बरपाया। गांव प्यारे पुरवा में अहाते में सो रहे बुजुर्ग दंपती पर भेड़ियों ने हमला कर उन्हें जिंदा चबा लिया। घटना में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, देवनाथ पुरवा और भृगु पुरवा में भेड़ियों के हमले से महिला समेत दो लोग घायल हुए हैं। लगातार हो रहे हमलों से गांवों में दहशत का माहौल है।

पुरवा निवासी खेदन (70) पुत्र जनार्दन और उनकी पत्नी मनकी (65) रोज की तरह सोमवार रात घर से करीब 200 मीटर दूर बने अहाते में सो रहे थे। आधी रात लगभग 1 से 2 बजे के बीच भेड़ियों का झुंड वहां आ पहुंचा। सोते समय ही दंपती पर हमला कर दिया। दोनों के हाथ-पांव और शरीर के कई हिस्सों को भेड़िये चबा गए। गले और चेहरे पर गहरे जख्म मिले।

सुबह देर तक दंपति घर नहीं पहुंचे तो उनका बेटा झब्बर खोजते हुए अहाते पहुंचा। वहां मां-बाप के क्षत-विक्षत शव देखकर उसकी चीख निकल गई। गांव के लोग इकट्ठा हुए तो सभी सन्न रह गए। ग्रामीणों का कहना है कि गन्ने के खेतों में भेड़ियों का झुंड घूमता देखा गया है।

इसी रात भेड़ियों ने देवनाथ पुरवा की सेबरी (30) और भृगु पुरवा के रामू पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दोनों का इलाज जारी है।

गांव में फैली दहशत को देखते हुए लोग रात में जागकर पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद अभी तक वन विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। डीएफओ राम सिंह यादव दो दिन से न मीडिया से बात कर रहे हैं और न ही फोन रिसीव कर रहे हैं। कुछ ग्रामीणों का दावा है कि उन्होंने तेंदुए को देखा है। वन विभाग अभी तक पक्के तौर पर कुछ कह नहीं पा रहा है। 10 मार्च 2024 से अब तक जिले में भेड़ियों के 80 से अधिक हमले हो चुके हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हर रोज करिए 15 मिनट योग, कभी नहीं होंगे डिप्रेशन के शिकार

बोस्टन, एजेंसी। हफ्ते में दो बार योग और प्राणायाम करने से अवसाद के लक्षणों से उबरने में मदद मिलती है। इसका असर अवसाद की दवा लेने या नहीं लेने वाले पर समान रूप से होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, अध्ययन से इस तथ्य को बल मिलता है कि योग, अवसाद का दवाओं से इलाज का विकल्प हो सकता है। इतना ही नहीं दवाओं से इलाज के साथ-साथ योग की पद्धतियां अपनाकर उपचार को और कारगर बनाया जा सकता है।

अमेरिका के बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर क्रिस स्ट्रीटर ने कहा कि अवसाद के विकार को दूर करने में योग या प्राणायाम काफी मददगार होता है। जर्नल ऑफ ऑल्टरनेटिव एंड कॉम्प्लिमेंटरी मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन में आयंगर योग (योग का एक रूप) का इस्तेमाल किया गया, जिसमें आसन एवं श्वसन नियंत्रण में बारीकियों पर ध्यान दिया जाता है।

भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों ने बनाई कैंसर की आयुर्वेदिक दवा

भाभा आण्विक अनुसंधान केंद्र (बार्क) के परमाणु ऊर्जा वैज्ञानिकों ने कैंसर रोगियों के लिए आयुर्वेदिक दवा का आविष्कार किया है। यह दवा फेफ ?ों और त्वचा के कैंसर के लिए बहुत असरकारी साबित हुई है। जैव कार्बनिक विभाग के वैज्ञानिक डॉ. वीएस पात्रो ने सोमवार को बताया कि बार्क में करीब तीन दशकों से आयुर्वेदिक औषधियों से कैंसर के उपचार पर शोध चल रहा है। इसमें कैंसर को लेकर दो महत्वपूर्ण दवाओं को खोजने में सफलता हासिल हुई है। एक दवा कीमोथैरेपी के दुष्प्रभावों और पी ?ा को कम करने के लिए है, जबकि दूसरी दवा रेडियोथेरेपी के दुष्प्रभावों को कम करती है। इसके अलावा बार्क के वैज्ञानिकों ने परमाणु दुर्घटना की स्थिति में अतिशय विकिरण के शिकार रोगियों के उपचार के लिए भी एक आयुर्वेदिक दवा तैयार की है।

मामूली कीमत पर मिलेगी दवा : डॉ. पात्रो ने बताया कि दुनिया में पहली बार खाने वाली गोली की शक्ल में कैंसर की औषधियां तैयार की गई हैं। इन सभी दवाओं की कीमत बहुत मामूली होगी।

पालन-पोषण

बच्चों को खाना खिलाने अपनाएं ये तरीके

छोटे बच्चों को बाजार की चीजें अधिक पसंद होती हैं। अक्सर बच्चे प्लेट में चावल, दाल, रोटी सब्जी देखकर खाने से मना कर देते है। ऐसे में उन्हें खाना परोसने और उनके लिए खाना बनाने में ये तरीके अपनाने चाहिए। बच्चे के खाने को आकर्षक तरीके से परोसें। ऐसा करने से आपकी बेहद साधारण डिश को भी बच्चा पूरे उत्साह के साथ खाएगा। बच्चों को रंग पसंद होते हैं।

कोशिश करें कि उनके खाने में तरह-तरह के रंग शामिल हों। साथ ही उन्हें तरह-तरह के शेप में बना डिश परोसें। अपने बच्चे के ऐसे दोस्तों को खाने पर घर बुलाएं जो खाने के मामले में नखरेबाज नहीं हैं। अपने दोस्तों को खाता देखकर आपका बच्चा भी अपने नखरे कम कर देगा। अगर आपका बच्चा हेल्दी और फिट है। उसकी लंबाई और वजन उम्र के हिसाब से ठीक है, तो खाने की उसकी आदतों की वजह से आप चिंता करना बंद कर दें। आप उसे किसी चीज को खाने के लिए जितना ज्यादा कहेंगी, वह उस खाने से उतना ही दूर भागता जाएगा।

खाना खाने के अनुभव को अपने बच्चे के लिए मजेदार बनाएं ताकि वह इस वक्त का बेसब्री से इंतजार करे। आप उसे खाने से जुड़ी कोई मजेदार कहानी सुना सकती हैं या फिर उसे बता सकती हैं कि आपको कोई चीज बचपन में पसंद नहीं थी, तो आपकी मां ने आपको वह डिश खिलानी कैसे शुरू की। पूरा परिवार एक साथ खाना खाए, इसे घर का नियम बनाएं। सबसे जरूरी यह है कि आप खुद हेल्दी खाना खाएं ताकि बच्चा आपको देखकर खुद में अच्छी आदतें विकसित कर सके।

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे को वही खाना दिया जाए, जो डाइनिंग टेबल पर दूसरे लोग खा रहे हैं। अगर बच्चे के सामने आप विकल्प रखेंगी, तो वो नखरे ज्यादा करेगा। बच्चे को कोई खास चीज खाने की आदत न डलवाएं। शुरुआत में तो आपको परेशानी नहीं होगी, पर कुछ दिनों बाद देखेंगी कि बच्चा कोई और चीज खाने के लिए तैयार ही नहीं हो रहा है। खाने के मामले में उसके नखरों को शुरुआत से ही ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए।

युवाओं में बढ़ा शॉपिंग का फैशन

मानते है इससे कम होता है तनाव

आजकल युवा ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर मॉल या बाजार में जाकर अपनी पसंद की चीजों की खरीददारी करते हैं। अक्सर उनका मानना होता है कि शॉपिंग, तनाव को दूर करने का कारगर टूल होता है। ऐसे में तनाव को दूर करने के लिए युवाओं में शॉपिग करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। हालांकि कई मामलों में शॉपिंग तनाव करने का काम करने करती है, लेकिन अगर ये लत बन जाए, तो तनाव को कम करने के बजए बढ़ा सकती है। शॉपिंग करने से तनाव कम कैसे होता है, इसके बारे में मनोविज्ञानियों की राय है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारे पास खुद के लिए समय ही नहीं होता। धीरे-धीरे हमारा सामाजिक दायरा खत्म होता जाता है। शॉपिंग अप्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति को समाज से जोड़ती है, ऐसे में लोगों को ऐसा लगने लगता है कि शॉपिंग स्ट्रेस बस्टर है।

माहौल में बदलाव

प्रायः लोगों के साथ ऐसा होता है कि रोजमर्रा की जीवनशैली बहुत उकताऊ सी हो जाती है। ऑफिस, रूटीन काम और फिर वापस घर। इसलिए शॉपिंग लोगों के माहौल में बदलाव लाती है। वह बाहरी दुनिया से जुड़ते हैं। साथ ही उनका ध्यान भी कुछ देर के लिए रोजना की उबाऊ जिंदगी से हट जाता है।

अधिकांश लोगों के साथ ये समस्या होती है कि वे बदलते जमाने से कदमताल नहीं कर पाते। उन्हें बाहर के बारे में जो भी जानकारी मिलती है, वह भी अखबार, मैगजीन या इंटरनेट के द्वारा। ऐसे में वह हीन-भावना से ग्रसित हो जाता है, क्योंकि चीजों के बारे में जानकारी न होने के कारण लोगों के बीच में बैठने से कतराने लगता है।

» शॉपिग आत्मविश्वास बढ़ाने में भी कारगर साबित होती है। शॉपिंग के दौरान प्राय मनपसंद चीज की खरीदारी तनावमुक्त करती है। वह किसी को बीती बातों व कड़वी स्मृतियों से मुक्त करती है। अपनों को करीब लाने लिए की गई खरीदारी आपको उनके और करीब लाती है। उपहार खरीदकर देना संबंधित व्यक्तियों से भावनात्मक रूप से जोड़ता है और आपके संबंधों का मजबूत बनाता है।

» महिलाएं प्राय समूह में खरीदारी करने जाती हैं। वे खूब मोलभाव करती हैं, वेरायटी देखती हैं और चीजों को चुनने में अधिक समय लगाती हैं। इस बीच वे आपसी सुख-दुख और घर-परिवार के हालात पर भी चर्चा करती रहती हैं। एक दूसरे से बातें करने से तनाव कम होता है। आज के दौर में न्यूक्लियर फैमिली का चलन बढ़ा है। जिसकी वजह से अकसर लोग अकेलापन महसूस करते हैं। शॉपिंग उनके लिए लोगों से मिलने और उनके सुख-दुख में शामिल होने का माध्यम भी बन जाती है।

» मनोवैज्ञानिकों का ये मानना है कि जिन लोगों की कोई हॉबी नहीं होती, अक्सर उनके लिए शॉपिंग तनाव दूर करने का प्रमुख माध्यम बन जाती है। मनोवैज्ञानिक यह भी सलाह देते हैं कि अपनी हॉबी जरूर बनाएं, भले ही वह बागवानी हों, किताबों या म्यूजिक का कलेक्शन करना या फिर कोई वाद्ययंत्र बजना ही क्यों न हो।

» अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करना भी एक बीमारी है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो किसी को भी हो सकती है। इस बीमारी को इंपल्स कंट्रोल डिसॉर्डर कहते हैं। यह क्लिप्टोमेनिया या पाइरोमेनिया जैसी बीमारियों की तरह ही होती है। इस रोग में लोग अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाते हैं।

» कई बार देखा गया है कि लोग दिखावे में ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि आमतौर पर कई लोग शॉपिग के इस फोबिया के शिकार हो जाते हैं। वह दूसरे की खरीदारी को देखकर अवसाद या डिप्रेशन की स्थिति में आ जाते हैं। वह अमुक व्यक्ति से खरीदारी के मामले में तुलना करने लगते हैं।

» वर्तमान में आम आदमी क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल पर्सनल मनी फ्रेंड के तौर पर करता है। ऐसे में आम आदमी बिना इस बात की चिंता किए कि जेब में पैसा हैं या नहीं, वह खरीदारी करता रहता है। इसकी वजह से लोग अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। बाद में ज्यादा बिल आने पर लोगों के लिए डिप्रेशन का कारण बन जाता है।

» अक्सर लोग कुछ देर की संतुष्टि के लिए शॉपिंग करते हैं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास होता है कि उन्होंने उम्मीद से ज्यादा खरीदारी कर ली है और वह इसे लेकर आत्मग्लानि का शिकार हो जाते हैं। वह कहते हैं कि जरूरी है कि आप ध्यान, व्यायाम करें और साथ ही अनावश्यक खरीदारी की आदत पर स्वयं नियंत्रण रखे।

पैरेंटिंग टिप्स

नहीं है फ्रिज तो भी खराब नहीं होगी ये चीजें

मौसम बदल गया है और गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा टैंशन तब हो जाती है जब फ्रिज अचानक खराब हो जाए। इसके लिए परेशान करने वाली बात यह है कि फ्रिज में रखा खाना या और जरूरी चीजों को खराब होने से कैसे बचाया जाए। गर्मियों में तो कोई भी खाने की चीज फ्रिज के बिना नही रखी जा सकती। ऐसे में कुछ स्मार्ट टिप्स अपना कर इन चीजों को सही तरह से रख सकते हैं।

1. **दूध :** फ्रिज के बिना दूध को ठीक रखना है तो इसे उबाल कर रखें। उबाल कर रखा हुआ दूध जल्दी खरीब नहीं होता। जिस जगह पर दूध रख रहे हैं वहां पर पंखा चला दें।
2. **दही :** फ्रिज के बिना दही खट्टा हो जाता है। इसके बैक्टीरिया और भी जल्दी पनपने लगते हैं,जिससे स्वाद खराब हो जाता है। इसके लिए दही में 2-3 चम्मच शहद डाल दें। इसके बाद बिना फ्रिज के भी खराब नहीं होगा।
3. **जैम और सॉस :** फ्रिज में जगह की कमी के कारण जैम और सॉस की बोतल रखने की जगह नहीं रहती। इसके लिए आसान उपाय है कि कि जैम की बोतल को ठंडे पानी में रखें। जिससे यह खराब नहीं होगे।
4. **आटा :** कई बार टाइम की कमी के कारण हम ज्यादा आटा गूंथ लेते हैं। इसे फ्रिज में रखें बिना खराब हो जाता है। आप आटे को पॉलीथीन में अच्छे से कवर कर लें और इसे ठंड़े पानी में रख दें। ध्यान रखें कि पानी आटा के बीच में न जाए।

खान-पान

परीक्षा देने जाने से पहले खाएं केला

अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा देने जाने से पहले दही खाना चाहिए। लेकिन परीक्षा देने से पहले अगर आप केले का सेवन करते है तो आपके लिए यह बहुत मददगार होगा। आयुर्वेद के जानकारों का ऐसा मानना है कि केले में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिसके आधार पर ऐसा दावा किया जा रहा है। ऐसा माना जाता है कि केले में याददाश्त को दुरुस्त करने वाले जबरदस्त ताकत पाई जाती है। आयुर्वेद के जानकार केला में एक दर्जन से अधिक पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो आपके शरीर को मजबूती के साथ-साथ दिमाग को भी तंदुरुस्त रखते है। इसके इस्तेमाल से ब्लडप्रेशर कंट्रोल में रहता है और गला भी कम ही सूखता है। इसलिए प्यास भी नहीं के बराबर लगती है। परीक्षा से पहले केला खाना अच्छा होता है। क्योंकि इसमें पाए जाने वाला पोटैशियम दिमाग को चुस्त और अलर्ट रखता है।

ऊर्जा के साथ-साथ, याददाश्त रहेगी मजबूत

» पोटैशियम की प्रचूरता की वजह से यह ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल रखता है।

» केला विटामिन बी6 का बढ़िया स्त्रोत है, जो नर्वस सिस्टम को मजबूत करता है। याददाश्त और दिमाग को तेज करता है। इसमें ट्राईप्टोफान एमिनो एसिड होता है, जो हार्मोन उत्पन्न करता है। इससे तनाव दूर रहता है और मूड अच्छा रहता है। केला खाने से खून में हीमोग्लोबीन बढ़ता है। इसलिए एनीमिया के रोगियों को केला अवश्य खाना चाहिए। केले में 100 कैलोरी और दूध में 80 कैलोरी पाई जाती है। इसलिए वजन कम करने के लिए इसका इस्तेमाल जरुरी है। इसमें थाईमिन, रिबोफ्लेविन, नियासिन, फोलिक एसिड, विटामिन ए, बी, बी6, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम पाए जाते हैं, जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाता है ओर शरीर में ताकत प्रदान करता है।

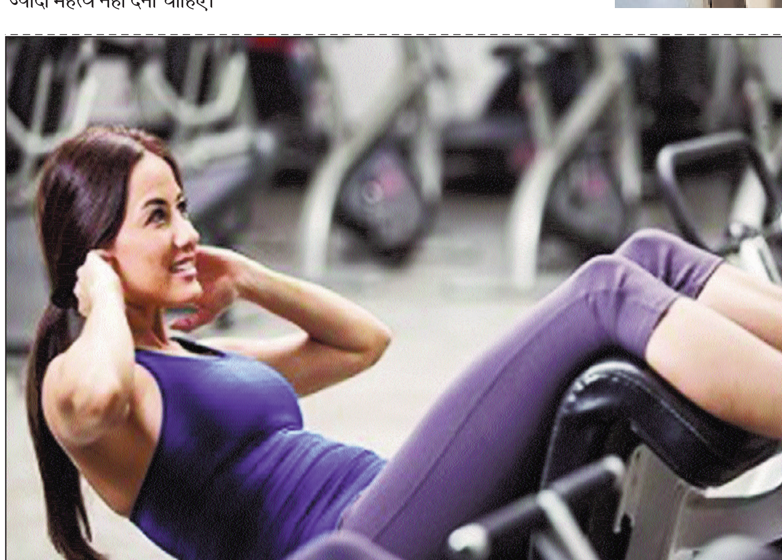

बिना सलाह न लें सप्लीमेंट्स

बरतें सावधानियां

अक्सर युवा जिम जाने पर र सप्लीमेंट्स लेना शुरू कर देते हैं, पर क्या वाकई उन्हें इन सप्लीमेंट्स की जरूरत होती है। ऐसे सप्लीमेंट्स आपके लिए कितने उचित हैं और क्या आप सप्लीमेंट्स संबंधी आवश्यक सावधानी बरतते हैं?

जिम जाने का उद्देश्य

सबसे पहले इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि जिम जाने का उद्देश्य क्या है। आप फिट रहने के लिए जिम जा रहे हैं, पतला होने के लिए जिम जा रहे हैं, वहां जाकर तनाव कम करना चाहते हैं या प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जाने का निर्णय लिया है? यदि आप प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जा रहे हैं, तभी आपको सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत है अन्यथा आप केवल अच्छा आहार लेकर प्राकृतिक खान-पान से भी सप्लीमेंट्स की जरूरत पूरी कर सकते हैं।

प्रशिक्षक की सलाह

किसी को देख कर या किसी की होड़ में सप्लीमेंट्स का सेवन न करें। अगर आप किसी को देख कर सप्लीमेंट्स लेने के लिए उत्साहित होते भी हैं तो सबसे पहले अपने प्रशिक्षक की सलाह अवश्य लें, ताकि वह आपका सही मार्गदर्शन कर सकें।

भरोसेमंद से लें सलाह

यह भी गौर करना बहुत जरूरी है कि आप सप्लीमेंट्स के बारे में किससे सलाह ले रहे हैं। क्या वह वाकई में आपकी सेहत को ध्यान में रख कर सलाह दे रहा है। कोशिश करें कि सप्लीमेंट्स लेने के बारे में उसी व्यक्ति की बात मानें, जो भरोसेमंद हो।

बिल अवश्य लें

वर्कआउट वंडर्स जिम के प्रमुख व कोच जोगिन्दर सिंह सलूजा बताते हैं कि आजकल नकली सप्लीमेंट्स भी बहुत मिलते हैं, इसलिए सस्ते के चक्कर में ऐसे सप्लीमेंट्स भूल से भी न लें। सप्लीमेंट्स अच्छी दुकान से खरीदें और उनका बिल भी जरूर लें।

इम्पोर्टेड सप्लीमेंट्स

हमारे देश में इम्पोर्टेड सप्लीमेंट्स काफी मिलते हैं। सलूजा के मुताबिक, अगर युवा ऐसे सप्लीमेंट्स लेते हैं तो ध्यान दें कि जितनी मात्रा का सेवन उसमें लिखा हो, उसका तीस प्रतिशत कम मात्रा में सेवन करें, क्योंकि विदेश का मौसम और भारत के मौसम में बहुत फर्क होता है। यहां के मौसम के अनुसार सप्लीमेंट्स की मात्रा लें। इसके लिए संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लें।

स्विमिंग के दौरान बालों की शाईन को यूं रखें बरकरार

स्विमिंग करना हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। वहीं यदि स्विमिंग के दौरान हम अपने बालों की केयर नहीं करते तो हमें बालों की कई समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। क्योंकि पानी में होने वाली गंदगी और बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए क्लोरीन की काफी मात्रा स्विमिंग पूल में मिलाई जाती है। यह एक तरफ पानी को शुद्ध करने का काम करता है, तो वहीं काफी लंबे समय तक इसके पानी में रहने से पानी खराब भी हो जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएगें जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्विमिंग करने से पहले-

1. स्विमिंग करने से पहले आपको अपने बालों की सुरक्षा के लिए शॉवर जरूर लेना चाहिए। इससे बाल पहले ही शॉवर के पानी से गीले हो जाएंगे और फिर स्विमिंग के दौरान क्लोरीन युक्त पानी से आपके बाल खराब होने से भी बच जाएगें।
2. स्विमिंग पूल में जाने से पहले आप अपने बालों में स्विमिंग कैप भी पहन सकते हैं।
3. आप अपने बालों में कंडीश्नर लगाएं। इससे आपके बाल कमजोर होकर टूटेंगे नहीं और साथ ही क्लोरीन युक्त पानी का असर भी बालों पर नहीं हो पाएगा।
4. यदि आपने अपने बालों पर कलर किया हुआ है तो ऐसे में आप अपने बालों पर किसी अच्छे से तेल की मसाज करके ही स्विमिंग करें क्योंकि स्विमिंग पूल में क्लोरीन आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

स्वीमिंग के बाद-

1. स्विमिंग पूल से निकलने के बाद आप फिर दोबारा से शॉवर लें। इससे क्लोरीन के अंश पूरी तरह से आपकी त्वचा और बालों से निकल जाएगें।
2. स्विमिंग के पानी का असर खत्म करने के लिए आप किसी अच्छे शैम्पू का उपयोग कर क्लोरीन के असर को खत्म कर सकते हैं। आप इसकी जगह बेकिंग सोडा या सेब साइडर सिरके से भी बालों को धो सकते हैं। ये बालों की जड़ों की गदंगी को पूरी तरह से साफ कर देता है।
3. बालों को साफ करने के बाद आप या तो बालों को कंडीश्नर करें या फिर तेल की मसाज करें। अगर हो सके तो आप अपने बालों में ऐलोवेरा जेल भी लगा सकते हैं।

रेसिपी

रिबन पकौड़ा

- » 1 कप चावल का आटा
- » 2 चम्मच बेसन
- » 2 चम्मच चना दाल पाऊडर
- » 1/2 चम्मच अचवाइन
- » 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर
- » नमक स्वादानुसार
- » तेल आवश्यकतानुसार

विधि

1. सबसे पहले एक कटोरे में चावल का आटा, नमक, बेसन, चना दाल पाऊडर, अजवाइन, लाल मिर्च पाऊडर और 2 चम्मच तेल डाल कर अच्छी तरह मिला लें।
2. अब थोड़ा थोड़ा पानी मिलाकर चकली के आटे की तरह गूथ लें।
3. इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करें। अब चकली मशीन में रिबन पको?ा बनाने वाला साचे को सेट करें। फिर उसमे आटे को भर कर गरम तेल में मशीन को हाथ से दबाते हुए लम्बा लम्बा गुमते हुए रिबन पकौ़ड़ा बनाएं।
4. पकौड़ों को दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक तल लें।
5. आपका रिबन पकौड़ा तैयार है।

होममेड मसाला ओट्स

» 2 कप ओट्स » 1/2 प्याज » 1 चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट » 1/2 चम्मच राई » 4 कढ़ी पत्ते » 2 हरी मिर्च » 1 टमाटर » 1 चुटकी हल्दी » 1 चम्मच गर्म मसाला » 2 गाजर » 100 ग्राम बींस »1/2 शिमला मिर्च » 1 चम्मच तेल » नमक स्वादानुसार

विधि

1. एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, कढ़ी पत्ते भूनें। 2. फिर प्याज हल्का ब्राउन होने तक भूनें।
3. इसके बाद अदरक लहसुन पेस्ट डाल कर 3 मिनट पकाएं।
4. एक अलग पैन में गाजर,बींस,शिमला मिर्च थोड़ा पानी और तेल डालकर गलने तक पकाएं। 5. अब प्याज भूने हुए पैन में कटे टमाटर, नमक, हल्दी और गर्म मसाला पाउडर डालें। 6. फिर इसमें पकी हुई सब्जियां पानी से छानकर डालें और अच्छे से हिलाएं। 7. इसमें ओट्स डाल कर ऊपर से सब्जियों का पानी डालें। 8. सारे मिक्सचर को अच्छे से हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। 9. मसाला ओट्स तैयार हैं आप इसे हरे धनिए सो गार्निश करके सर्व कर सकते है।

सांस्कृतिक एकता और अखण्डता को जोड़ने का पर्व है दशहरा

सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्यौहार दशहरा 2 अक्टूबर को मनाया जायेगा। विजयदशमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। आज के दिन अस्त्र-शस्त्र का पूजन और रावण दहन के बाद बड़ो के पैर छूकर आशीर्वाद लेने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 01 अक्टूबर को शाम 07:01 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 02 अक्टूबर को शाम 07:10 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन जगह जगह रावण दहन किया जाता है। कहा जाता है कि रावण के पुतले को जला हर इंसान अपने अंदर के अहंकार, क्रोध का नाश करता है। इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन भी किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि रावण का वध करने कुछ दिन पहले भगवान राम ने आदि शक्ति मां दुर्गा की पूजा की और फिर उनसे आशीर्वाद मिलने के बाद दशमी को रावण का अंत कर दिया।

दशमी को ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। देशभर में अलग-अलग जगह रावण दहन होता है और हर जगह की परंपराएं बिल्कुल अलग हैं। इस दिन शस्त्रों की पूजा भी की जाती है। इस दिन शमी के पेड़ की पूजा भी की जाती है। इस दिन वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोना, आभूषण नए वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है। दशहरे के दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है। इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है। दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है और वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है।

रावण ज्योतिष का प्रकांड विद्वान था। अपने पुत्र को अजेय बनाने के लिए इन्होंने नवग्रहों को आदेश दिया था कि वह उनके पुत्र मेघनाद की कुंडली में सही तरह से बैठें। शनि महाराज ने बात नहीं मानी तो उन्हें बंदी बना लिया। रावण के दरबार में सारे देवता और दिग्पाल हाथ जोड़कर खड़े रहते थे। हनुमान जी जब लंका पहुंचे तो इन्हें रावण के बंधन से मुक्त करवाया।रावण के अशोक वाटिका में एक लाख से अधिक अशोक के पेड़ के अलावा दिव्य पुष्प और फलों के वृक्ष थे। यहीं से हनुमान जी आम लेकर भारत आए थे। रावण एक कुशल राजनीतिज्ञ, सेनापति और वास्तुकला का मर्मज्ञ होने के साथ-साथ ब्रह्म ज्ञानी तथा बहु-विद्याओं का जानकार था। उसे मायावी इसलिए कहा जाता था कि वह इंद्रजाल, तंत्र, सम्मोहन और तरह-तरह के जादू जानता था। उसके पास एक ऐसा विमान था, जो अन्य किसी के पास नहीं था। इस सभी के कारण सभी उससे भयभीत रहते थे।

दशहरा तिथि

दशमी तिथि का आरंभ: 01 अक्टूबर को शाम 07:01 मिनट

तिथि का समापन: 02 अक्टूबर को शाम 07:10 मिनट पर

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा.अनीष व्यास ने बताया पंचांग के अनुसार ऐसे में दशहरा 2 अक्तूबर 2025 को मनाया जाएगा। दशहरा के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:38 बजे से सुबह 05:26 बजे तक रहेगा। इस दिन दोपहर के समय पूजन का मुहूर्त दोपहर 01:21 बजे से दोपहर 03:44 बजे तक रहेगा

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुभ संयोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विजयदशमी के दिन श्रवण नक्षत्र का होना बहुत शुभ होता है, और इस साल इसका संयोग बन रहा है। दशहरा के दिन सुकर्मा और धृति योग रहेगा। इस दिन रवि योग पूरे दिन रहेगा। हिंदू धर्म में यह ग्रह संयोग अत्यंत शुभ मंगलकारी माना गया है।

पान देता है आरोग्य

विजयादशमी पर पान खाने, खिलाने तथा हनुमानजी पर पान अर्पित करके उनका आशीर्वाद लेने का महत्त्व है। पान मान-सम्मान, प्रेम एवं विजय का सूचक माना जाता है। इसलिए विजयादशमी के दिन रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद दहन के पश्चात पान का बीणा खाना सत्य की जीत की ख़ुशी को व्यक्त करता है। वहीं शारदीय नवरात्रि के बाद मौसम में बदलाव के कारण संक्रामक रोग फैलने का खतरा बढ़ जाता है इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पान का सेवन पाचन क्रिया को मज़बूत कर संक्रामक रोगों से बचाता है।

शुभ दिन है मांगलिक कार्यों के लिए

विजयादशमी सर्वसिद्धिदायक है इसलिए इस दिन सभी प्रकार के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। मान्यता है कि इस दिन जो कार्य शुरू किया जाता है उसमें सफलता अवश्य मिलती है। यही वजह है कि प्राचीन काल में राजा इसी दिन विजय की कामना से रण यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं, रामलीला का आयोजन होता है और रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है।

इस दिन बच्चों का अक्षर लेखन, दुकान या घर का निर्माण, गृह प्रवेश, मुंडन, अन्न प्राशन, नामकरण, कारण छेदन, यज्ञोपवीत संस्कार आदि शुभ कार्य किए जा सकते हैं। परन्तु विजयादशमी के दिन विवाह संस्कार निषेध माना गया है। क्षत्रिय अस्त्र-शास्त्र का पूजन भी विजयादशमी के दिन ही करते हैं।

दशहरा पर किया जाता है शस्त्र पूजन

दशहरा के दिन शस्त्र पूजन करने की परंपरा सदियों पुरानी है। आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी को शस्त्र पूजन का किया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के पूजन के बाद दशहरे का त्योहार मनाया जाता है। विजयदशमी पर मां दुर्गा का पूजन किया जाता है। मां दुर्गा शक्ति का प्रतीक हैं।

भारत की रियासतों में शस्त्र पूजन धूम-धाम से मनाया जाता था। अब रियासतें तो नही रहीं लेकिन परंपराएं शाश्वत हैं। यही कारण है कि इस दिन आत्मरक्षार्थ रखे जाने वाले शस्त्रों की भी पूजा की जाती है। हथियारों की साफ-सफाई की जाती है और उनका पूजन होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले कामों का शुभ फल अवश्य प्राप्त होता है। यह भी कहा जाता है कि शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिए इस दिन शस्त्र पूजा करनी चाहिए।

नीलकंठ का दिखना क्यों शुभ है?

जब श्रीराम रावण का वध करने जा रहे थे। उसी दौरान उन्हें नीलकंठ के दर्शन हुए थे। इसके बाद श्रीराम को रावण पर विजय मिली थी। यही वजह है कि नीलकंठ का दिखना शुभ माना गया है।

इस दिन सभी अपने शस्त्रों का पूजन करते है। सबसे पहले शस्त्रों के ऊपर जल छिड़क कर पवित्र किया जाता है फिर महाकाली स्तोत्र का पाठ कर शस्त्रों पर कुंकुम, हल्दी का तिलक लगाकर हार पुष्पों से श्रृंगार कर धूप-दीप कर मीठा भोग लगाया जाता है।

शाम को रावण के पुतले का दहन कर विजया दशमी का पर्व मनाया जाता है। इसी तरह की कई और बातें हैं जो दशहरा के दिन की जाती है। इनमें से एक है, आज के दिन पान का बीड़ा हनुमानजी के चढ़ाना और उसके बाद इसे खाना। पान हनुमाजी को बहुत पसंद है।

हमारे समाज में तमाम बुराइयां हैं जिनका वध बहुत जरूरी

रावण दहन के साथ करे सामाजिक बुराइयों का वध

आज हर तरफ फैले भ्रष्टाचार और अन्याय रूपी अंधकार को देखकर मन में हमेशा उस उजाले की चाह रहती है जो इस अंधकार को मिटाए। कहीं से भी कोई आस ना मिलने के बाद हमें हमारी संस्कृति के ही कुछ पन्नों से आगे बढ़ने की उम्मीद मिलती है। हम सबने रामायण को किसी ना किसी रुप में सुना, देखा और पढ़ा ही होगा। रामायण हमें यह सीख देती है कि चाहे असत्य और बुरी ताकतें कितनी भी ज्यादा हो जाएं पर अच्छाई के सामने उनका वजूद एक ना एक दिन मिट ही जाता है। अंधकार के इस मार से मानव ही नहीं भगवान भी पीड़ित हो चुके हैं लेकिन सच और अच्छाई ने हमेशा सही व्यक्ति का साथ दिया है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है दशहरा। नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित करने के बाद दशमी के दिन बुराई पर जीत के रूप में विजयदशमी मनाई जाती है। इस दिन श्रीराम ने लंका के राजा रावण का वध करके अन्याय पर न्याय की स्थापना की थी। इसके अलावा इस दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का संहार भी किया था इसलिए भी इसे विजयदशमी के रुप में मनाया जाता है। 2 अक्तूबर को दशहरा पर्व मनाया जाएगा। दशहरा के दिन रावण के पुतले का दहन किया जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 01 अक्टूबर को शाम 07:01 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 02 अक्टूबर को शाम 07:10 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा।रावण सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि तमाम बुराइयों का प्रतीक है, जिसका हर दशहरे पर वध किया जाता है। आज के दौर में हमारे समाज में तमाम बुराइयां हैं जिनका वध बहुत जरूरी है।

एक नजर कलयुग के 10 रावणों पर

बलात्कार – देश में हर रोज बलात्कार की घटनाएं होती हैं, जिनमें हर चौथी पीड़िता नाबालिग बालिका होती है। ये डराने वाले आंकड़े बताते हैं कि हम इनसान से शैतान होते जा रहे हैं। कलियुग में इस बुराई रूपी रावण का वध करने के लिए हमें ही पहल करनी होगी।

गंदगी– स्वच्छता को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाने के बावजूद गंदगी से हमारा पीछा नहीं छूट रहा है। इसके लिए जिम्मेदार भी हम ही हैं। देश में हर रोज एक लाख मीट्रिक टन कचरा निकलता है। इसके प्रबंधन की समुचित व्यवस्था नहीं है।

भ्रष्टाचार–भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हम नेताओं को बुरा-भला कहते रहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल 45 फीसदी भारतीयों ने अपना काम निकलवाने के लिए रिश्वत का सहारा लिया।

प्रदूषण–दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 भारत में हैं। प्रदूषक कण पीएम 2.5 का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। इस दशहरे हमें इस रावण को हर हाल में खत्म करना होगा।

अशिक्षा–अगर समाज शिक्षित नहीं होगा तो उसका विकास भी नहीं होगा। वर्तमान में भारत में 25 फीसदी लोग शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं। आने वाली पीढ़ी को शिक्षित करके ही बेहतर समाज की नींव रखी जा सकती है।

गरीबी–गरीबी रूपी अभिशाप से पीछा छुड़ाना आसान नहीं है। भारत की 30 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जिंदगी बसर करने को मजबूर है। हम इस रावण को रोजगार रूपी हथियार से ही खत्म कर पाएंगे।

अंधविश्वास : आज भी जादू-टोने पर विश्वास

हम भले ही 21वीं सदी में पहुंच गए हैं, लेकिन अंधविश्वास रूपी रावण का अंत नहीं हो पाया है। हाल ही में 20 बाबा ब्लैकलिस्ट हो चुके हैं। फिर भी लोगों का जादू-टोने की शरण में जाना बंद नहीं हुआ है।

रावण की जीवन सीख

रामायण के अनुसार जब रावण अपने अंतिम समय में था, तो राम ने लक्ष्मण को अपने पास बुलाया। राम ने लक्ष्मण से कहा कि रावण नीति, राजनीति और शक्ति का महान ज्ञाता है। ऐसे समय में जब वह संसार से विदा ले रहा है, तुम उसके पास जाकर जीवन की कुछ शिक्षा ले। राम की बात मानकर जब लक्ष्मण रावण के पास गए, तो रावण ने उन्हें तीन बातें बताईं

शुभस्य शीघ्रम –रावण ने लक्ष्मण को शिक्षा दी कि शुभ कार्य करने में कभी देरी नहीं करनी चाहिए। जैसे ही किसी शुभ कार्य का चिंतन हो या मन में विचार आए उसे तुरंत कर ड़ालना चाहिए। इसके अलावा अशुभ को जितना टाल सकते हो उसे टाल दो।

शत्रु छोटा नहीं –लक्ष्मण को रावण ने जो दूसरी सीख दी वह यह थी कि कभी भी अपने प्रतिद्वंद्वी या शत्रु को खुद से छोटा या कमतर नहीं समझना चाहिए। रावण ने स्वीकारा कि यह उसकी सबसे बड़ी भूल थी। रावण ने वानर और भालू सेना को कमतर आंका और अपना सब कुछ नष्ट कर बैठा।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

रहस्य न बताओ –महाज्ञानी रावण ने लक्ष्मण को तीसरा ज्ञान यह दिया कि अपने रहस्य कभी किसी को नहीं बताने चाहिए। रावण ने लक्ष्मण से कहा कि मेरे मृत्यु से जुड़ा रहस्य यदि में किसी को नहीं बताता तो आज मेरी मृत्यु नहीं होती। लेकिन मैने यह रहस्य अपने भाई को भरोसा कर बताया जिसके कारण आज में मृत्यु शैया पर पड़ा हूं।सभी लोग ये मानते हैं कि रावण श्रीराम के अलावा कभी किसी से नहीं हारा। ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि लेकिन बहुत कम लोग ये जानते हैं रावण श्रीराम के अलावा भी अन्य 4 शक्तिशाली योद्धाओं से हारा था।

सहस्त्रबाहु अर्जुन से भी हारा रावण

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वाल्मीकि रामायण के अनुसार, जब राक्षसराज रावण ने सभी राजाओं को जीत लिया, तब वह महिष्मती नगर (वर्तमान में महेश्वर) के राजा सहस्त्रबाहु अर्जुन को जीतने की इच्छा से उनके नगर गया। रावण ने सहस्त्रबाहु अर्जुन को युद्ध के लिए ललकारा। नर्मदा के तट पर ही रावण और सहस्त्रबाहु अर्जुन में भयंकर युद्ध हुआ। अंत में सहस्त्रबाहु अर्जुन ने रावण को बंदी बना लिया। जब यह बात रावण के पितामह (दादा) पुलस्त्य मुनि को पता चली तो वे सहस्त्रबाहु अर्जुन के पास आए और रावण को छोडऩे के लिए निवेदन किया। सहस्त्रबाहु अर्जुन ने रावण को छोड़ दिया और उससे मित्रता कर ली।

शिवजी से रावण की हार

रावण बहुत शक्तिशाली था और उसे अपनी शक्ति पर बहुत ही घमंड था। रावण इस घमंड के नशे में शिवजी को हराने के लिए कैलाश पर्वत पर पहुंच गया था। रावण ने शिवजी को युद्ध के लिए ललकारा, लेकिन महादेव तो ध्यान में लीन थे। रावण कैलाश पर्वत को उठाने लगा। तब शिवजी ने पैर के अंगूठे से ही कैलाश का भार बढ़ा दिया, इस भार को रावण उठा नहीं सका और उसका हाथ पर्वत के नीचे दब गया। इस हार के बाद रावण ने शिवजी को अपना गुरु बनाया था।

राजा बलि के महल में रावण की हार

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि धर्म ग्रंथों के अनुसार, पृथ्वी व स्वर्ग की जीतने के बाद रावण पाताल लोक को जीतना चाहता था। उस समय दैत्यराज बलि पाताल लोक के राजा थे। एक बार रावण राजा बलि से युद्ध करने के लिए पाताल लोक में उनके महल तक पहुंच गया था। वहां पहुंचकर रावण ने बलि को युद्ध के लिए ललकारा, उस समय बलि के महल में खेल रहे बच्चों ने ही रावण को पकड़कर घोड़ों के साथ अस्तबल में बांध दिया था। इस प्रकार राजा बलि के महल में रावण की हार हुई।

जब बालि से हारा रावण

रावण परम शक्तिशाली थी।अन्य योद्धाओं को हरा कर वह स्वयं को सर्वशक्तिमान साबित करना चाहता था। जब रावण को पता चला कि वानरों का राजा बालि भी परम शक्तिशाली है तो वह उससे लड़ने किष्किंधा पहुंच गया। बालि उस समय पूजा कर रहा था। रावण ने बालि को युद्ध के लिए ललकारा तो बालि ने गुस्से में उसे अपनी बाजू में दबा लिया और समुद्रों की परिक्रमा करने लगा। रावण ने बालि के बाजू से निकलने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। पूजा के बाद जब बालि ने रावण को छोड़ तो वह निढाल हो चुका था। इसके बाद रावण को बालि को अपना मित्र बना लिया।

दशहरे का महत्व–ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि दशहरा संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है। दश यानी बुराई और हरा यानी खत्म करना। इस तरह दशहरे का अर्थ हुआ बुराई का नाश करके अच्छाई की पुर्नस्थापना करना। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि विजयदशमी वर्ष के श्रेष्ठ मुहूर्त बसंत पंचमी और अक्षय तृतीया की तरह ही शुभ माना गया है। विजयदशमी के दिन कोई भी अनुबंध हस्ताक्षर करना हो गृह प्रवेश करना हो नया व्यापार आरंभ उतरना हो या किसी भी तरह का लेनदेन का कार्य करना हो तो उसके लिए श्रेष्ठ फलदाई माना गया है। दशहरे का पर्व साल के सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक माना गया है। यह तीन मुहूर्त में से एक है, साल का सबसे शुभ मुहूर्त - चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, अश्विन शुक्ल दशमी, वैशाख शुक्ल तृतीया। यह अवधि किसी भी चीज की शुरूआत करने के लिए उत्तम है।

दशहरा बौद्ध धर्म के लिए भी बहुत महत्व रखता है। कहा जाता है इसी दिन से मौर्य शासन की शुरुआत हुई थी और अशोक ने अंहिसा को त्याग बौद्ध धर्म अपना लिया था। आज सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्योहार दशहरा मनाया जा रहा है। विजयदशमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। आज के दिन अस्त्र-शस्त्र का पूजन और रावण दहन के बाद बड़ो के पैर छूकर आशीर्वाद लेने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है। दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है और वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

क्रिकेट में 'ऑपरेशन सिंदूर'

'एशिया कप' में टीम इंडिया ने 9वीं बार ट्रॉफी जीती है। अपराजेय चैंपियन..! 'प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट' अभिषेक शर्मा बने, जिन्होंने अप्रतिम, अभूतपूर्व 314 रन बनाए और कुछ शानदार कैच भी लपके। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबले में तिलक वर्मा ने नाबाद 69 रन ठोंक कर 'प्लेयर ऑफ दि मैच' का सम्मान अर्जित किया। कुलदीप यादव कुल 18 विकेट लेकर 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' आंके गए। मैच में वरुण चक्रवर्ती, बुमराह, अक्षर पटेल की गेंदबाजी ने भी मैच पलटे। ये सभी भारतीय युवा और हुनरमंद क्रिकेटर हैं। आज टीम इंडिया टी-20 की विश्व चैंपियन, नंबर वन और एशिया चैंपियन टीम है। 'एशिया कप' का अंतिम मुकाबला वाकई रोमांचक, धडक़नें बढ़ा देने वाला रहा। टीम इंडिया ने इसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम को लगातार तीन बार रौंदा, नतीजतन पाकिस्तान की अवाम ही मजाक उड़ाने लगी है-'इतना क्यों मारते हो डैडी?....जब पता है कि इंडिया बाप है, तो उसके खिलाफ खेलते क्यों हो?...हार गई, हार गई, फिर टीम हार गई।' टीम इंडिया ने उसे 7 विकेट, 6 विकेट और 5 विकेट से पराजित किया। बेशक फाइनल में एक वक्त टीम पाकिस्तान एक विकेट खोकर 113 रनों की 'पहाड़ी चुनौती' पेश कर चुकी थी। विशेषज्ञ आंक रहे थे कि पाकिस्तान 200 रन तक भी पहुंच सकता है, लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अत्यंत सटीक, धारदार और रहस्यमयी गेंदबाजी कर शेष 9 विकेट मात्र 33 रनों पर ही बिखेर दीं। यह धोना, रौंदना नहीं हुआ, तो क्या है? बेशक भारत ने भी पहली तीन महत्वपूर्ण विकेट बहुत जल्द गंवा दीं। पूरे मैच के दौरान आंखें मूंदनी, फिर खोलनी पड़ीं, सांसें रुकती सी रहीं, निराश भी हुए, लेकिन चौका-छक्का लगता, तो उम्मीद बंधने लगती। रन गति 5-6 के बीच ही रही। अनिवार्य रनों का औसत बढ़ता रहा, लेकिन तिलक वर्मा ने, संजू और शिवम दुबे के साथ, कुछ खूबसूरत पारियां खेलीं। रिंकू सिंह के हिस्से एक ही गेंद आई, जिस पर उन्होंने जीत का चौका जड़ कर टीम इंडिया को 'एशिया का चैंपियन' बना दिया। खेल के मैदान पर इससे भी रोमांचक पल तब सामने आए, जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों 'चैंपियनशिप की ट्रॉफी' लेने से इंकार कर दिया। मोहसिन पाकिस्तान के गृहमंत्री और क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। टीम इंडिया ने स्पष्ट कर दिया कि वह हत्यारों और जंग छेडऩे वालों के हाथों 'चैंपियनशिप का सम्मान' कबूल नहीं करेगी। काफी देर तक मैदान पर 'हाईवोल्टेज ड्रामा' जारी रहा, टीम इंडिया को मनाने की कोशिशें की गईं, लेकिन जो राष्ट्रवादी फैसला हमारे क्रिकेटरों ने आपसी विमर्श में लिया था, उस पर वे अडिग रहे। कप्तान सूर्य ने अपनी कुल फीस 'पहलगाम नरसंहार' के पीड़ितों और सेना को समर्पित करने की घोषणा की। अन्य खिलाडिय़ों के फैसले अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन ऐसा परिदृश्य सामने घूमने लगा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की भावना और शहीदों के प्रति सम्मान क्रिकेट में भी जिंदा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने अकाउंट पर टिप्पणी की-'खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर...भारत इसमें भी जीत गया।' बहरहाल एसीसी प्रमुख मोहसिन ने यह शर्मनाक हरकत की कि वह ट्रॉफी और खिलाडिय़ों के पदक लेकर होटल चले गए। उस पर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने भी कहा कि जंग छेडऩे वालों के हाथों हम ट्रॉफी नहीं ले सकते, लेकिन एसीसी अध्यक्ष ट्रॉफी और पदक लेकर भाग भी नहीं सकते। नवंबर में आईसीसी की बैठक है, जिसमें हम एसीसी अध्यक्ष की इस शर्मनाक हरकत का विरोध करेंगे। उम्मीद है कि ट्रॉफी और पदक हमें जल्दी ही मिल जाएंगे। बहरहाल टीम के खिलाडिय़ों ने ट्रॉफी के बिना ही खूब जश्न मनाया। देश में शहर-दर-शहर रात भर जश्न की आतिशबाजियों की रोशनी और पटाखों की आवाज महसूस कराती रही कि हमने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री के अलावा, राष्ट्रपति मुर्मू, गृहमंत्री अमित शाह और विपक्ष के कई नेताओं ने भी टीम इंडिया को 'चैंपियन' बनने पर बधाई दी है। सचमुच यह खेल के मैदान में भी एक और शानदार सर्जिकल स्ट्राइक है। विजेता भारतीय टीम को बधाइयों का तांता लग गया है, जबकि पाकिस्तानी टीम को उसके प्रशंसकों ने खूब लताड़ लगाई है।

'एशिया कप' का अंतिम मुकाबला वाकई रोमांचक, धडक़नें बढ़ा देने वाला रहा। टीम इंडिया ने इसी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम को लगातार तीन बार रौंदा, नतीजतन पाकिस्तान की अवाम ही मजाक उड़ाने लगी है- 'इतना क्यों मारते हो डैडी?....जब पता है कि इंडिया बाप है, तो उसके खिलाफ खेलते क्यों हो?...हार गई, हार गई, फिर टीम हार गई।' टीम इंडिया ने उसे 7 विकेट, 6 विकेट और 5 विकेट से पराजित किया। बेशक फाइनल में एक वक्त टीम पाकिस्तान एक विकेट खोकर 113 रनों की 'पहाड़ी चुनौती' पेश कर चुकी थी। विशेषज्ञ आंक रहे थे कि पाकिस्तान 200 रन तक भी पहुंच सकता है, लेकिन हमारे गेंदबाजों ने अत्यंत सटीक, धारदार और रहस्यमयी गेंदबाजी कर शेष 9 विकेट मात्र 33 रनों पर ही बिखेर दीं। यह धोना, रौंदना नहीं हुआ, तो क्या है? बेशक भारत ने भी पहली तीन महत्वपूर्ण विकेट बहुत जल्द गंवा दीं। पूरे मैच के दौरान आंखें मूंदनी, फिर खोलनी पड़ीं, सांसें रुकती सी रहीं, निराश भी हुए, लेकिन चौका-छक्का लगता, तो उम्मीद बंधने लगती। रन गति 5-6 के बीच ही रही। अनिवार्य रनों का औसत बढ़ता रहा, लेकिन तिलक वर्मा ने, संजू और शिवम दुबे के साथ, कुछ खूबसूरत पारियां खेलीं।

कुछ अलग

पेचकस हमारा, माल तुम्हारा

झुन्नू जी की वर्कशॉप के बाहर लगे नए होर्डिंग ने मेरा ध्यान खींचा- 'पेचकस हमारा, माल तुम्हारा।' बाईं ओर उनकी टिकट जितनी तस्वीर और दाईं ओर आदमकद 'अवतारी जी' मुस्कराते नजऱ आ रहे थे। मुझे यह नारा पहले-पहल समझ नहीं आया, इसलिए मैं अंदर वर्कशॉप में गया, जहां वे एक कारीगर को डांट रहे थे, 'प्रधानमंत्री स्वदेशी का नारा दे रहे हैं और तुम्हें अभी तक पेचकस पकडऩा नहीं आया। सारा माल चाइनीज़ है तो क्या हुआ, कम से कम उसे जोड़ तो यहीं रहे हैं।' मैंने पूछा, आखिर 'पेचकस हमारा, माल तुम्हारा' का मतलब क्या?' वे हंसकर बोले, 'अरे भोले! गलवान के बाद बायकॉट चाइना का नारा याद नहीं? अब पूरा सामान नहीं मंगाते, पाट्र्स मंगवाते हैं और जोड़ते यहीं हैं। इससे स्वदेशी का भ्रम भी बना रहता है और संतोष भी कि भारत में कुछ तो बन रहा है। जैसे आईफोन यहीं असेंबल होता है और ठप्पा 'मेक इन इंडिया' का। प्यूमा-नाइकी जैसे ब्रांड वियतनाम में बनते हैं, पर हम उन्हें यहीं बेचते हैं, यही स्वदेशी है।' मैंने तीखे स्वर में कहा, 'क्यों न सारा माल यहीं बने और विदेशों में बिके? अपने स्टार्टअप शुरू करें।' अब झुन्नू गंभीर हुए, 'स्टार्टअप की हवा तो नोटबंदी ने निकाल दी। आज भी लाखों कारीगर बेरोजग़ार हैं। असंगठित क्षेत्र जीडीपी में नहीं गिना जाता, जबकि वही रोजग़ार देता था। चीन के साथ व्यापार आठ गुना असंतुलित है। ऐसे में स्वदेशी कैसे फलेगा? कल छननी खरीदी तो 'मेड इन चाइना' निकली। भारतीय छननी की क्वालिटी घटिया थी। हमारे बाज़ारों में आधे से ज़्यादा सामान विदेशी हैं।'

भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

कमलेश पांडेय

21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है। कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं। नि:सन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं।

वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है। कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं। नि:सन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं। इसलिए, वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का मतलब समग्र वैश्विक वातावरण में सूझ-बूझ और सामंजस्यपूर्ण कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने और वैश्विक हितों को संतुलित और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने की क्षमता को कह सकते हैं। यह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत से प्रभावित है। दरअसल, मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह नीति-संहिता, जिसमें भारत अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में पहले से काफी ज्यादा आक्रामक, आत्मनिर्भर और सक्रिय हो गया है। इस सिद्धांत के तहत भारत हर अंतरराष्ट्रीय मसले में 'भारत के हित' को सर्वोपरि रखता है। भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। भारत 'मल्टी-अलाइनमेंट' को प्रोत्साहित करता है ताकि उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहे। लिहाजा, 'मेक इन इंडिया' और आर्थिक-तकनीकी आत्मनिर्भरता का भी इसमें खास महत्व है। मोदी डॉक्ट्रिन के अनुसार, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ डिफेंसिव नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपनाता है। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा के लिए सीमा-पार कार्रवाई करने से नहीं डरता। अब भारत आतंकवादियों के खिलाफ डोजियर भेजने की नीति को छोड़कर, सीधे सैन्य दबाव बनाता है। भारत की संप्रभुता के

खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। भारत की मजबूत स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर परोक्ष रूप से चीनी/अमेरिकी हाथ होने के बावजूद भारत ने उसके छक्के छुड़ा दिया और युद्धोंमत पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने टेकने व गिड़गिड़ाने को मज़बूर कर दिया। भारतीय संस्कृति, सभ्यता और योग जैसे वैश्विक अभियान भी इसी नीति का हिस्सा हैं। मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है – निर्णायक, निर्भीक, आक्रामक, बहुपक्षीय, आत्मनिर्भर और भारत-हित केंद्रित नीति, जिससे भारत वैश्विक मंच पर ज्यादा शक्तिशाली स्थिति में पहुंचा है। मसलन, आधुनिक संकटों में चातुर्य काल की अवधारणा को लागू करने का मतलब है जीवन में अनुशासन, संयम, और सूझ-बूझ के साथ संकटों का सामना करना। चातुर्य काल में आत्मसंयम, भक्ति, सामाजिक नियमों का पालन, और मानसिक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, आधुनिक संकटों में- जैसे आर्थिक संकट, पर्यावरणीय समस्याएं, सामाजिक अस्थिरता या वैश्विक तनाव- इन गुणों का पालन करके स्थिरता और समाधान की दिशा में काम किया जा सकता है। चातुर्य काल की तरह, जब हम सीमित संसाधनों में संयमित और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं, अपने जीवन में नियम और संतुलन बनाए रखते हैं, तो कठिनाइयों का सामना करना आसान हो जाता है। जैसे पारंपरिक चातुर्मास में व्रत और तपस्या से मन की शांति और अनुशासन मिलता है, वैसे ही आधुनिक संकटों में धैर्य, समझदारी, और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि जब बाहरी परिस्थितियाँ अनिश्चित या कठिन हों, तब भी आंतरिक स्थिरता, नैतिकता, और सामाजिक जिम्मेदारी बनाए रखते हुए समाधान खोजने का प्रयास करना। आधुनिक दुनिया में यह वैश्विक कूटनीति, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक नीति, और सामाजिक सौहार्द जैसे क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है, जहां सरल जीवन और विवेकपूर्ण कूटनीति से संकट प्रबंधन संभव होता है। वाकई वैश्विक कूटनीति के 'चातुर्य काल' के बाबत भारत के प्रधानमंत्री मोदी सिद्धांत को इस अद्भुत 'चातुर्य काल' का श्रेय देना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि समकालीन विश्व में चाहे अमेरिका हो, चीन हो, रूस हो, यूरोपीय संघ हो, या अरब देश हों, सभी भारत के युगांतरकारी गुटनिरपेक्ष कूटनीति की मुखापेक्षी बने हुए हैं। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी देश, लगभग सभी भारत की तरह संतुलित राह पर अग्रसर रहना चाह रहे हैं। भारत की बढ़ती प्रगति और मजबूत होते आर्थिक व सैन्य सामर्थ्य से उनकी परिवर्तित निष्ठा भी स्वाभाविक है। चूंकि दुनिया के अधिकांश देश रूढ़िवादी/अनुदार देश हैं, इसलिए वो देश भारत की जनापेक्षी मौलिक नीतियों की नकल भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए इसको नख से सिख तक समझना हरेक भारतीय के लिए बहुत जरूरी है। सच कहूं तो शांतिपूर्ण विकास व सहअस्तित्व का सिद्धांत ही मोदी प्रशासन का एकमात्र ध्येय है लेकिन इससे हथियार व गोली-बारूद निर्माता षड्यंत्रकारी पश्चिमी-पूर्वी देशों की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है। कहना न होगा कि पश्चिमी देश भले ही लोकतंत्र व शांति की माला जपते हैं लेकिन पर्दे के पीछे से अशांति पैदा करने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के गुप्त संरक्षक भी यही हैं ताकि इनके हथियार व गोली बारूद का कारोबार चमकता रहे। इनके नशे और आपराधिक गोरखधंधे का तस्करी नेटवर्क खूब फले-फूले। इससे चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों की बिक्री भी खूब बढ़ती है। क्रिप्टो करेंसी व हवाला की आड़ में ये पूरी दुनिया को अस्थिर व असुरक्षित बनाये हुए हैं। हालांकि, जब दुनिया के विभिन्न देशों की समझदारी बढ़ी व पूंजीवादी कब्जे तथा लाभ के एकसमान बंटवारे की बात उठी तो उनमें परस्पर होड़ मच गई। फिर इन्होंने क्षेत्र व धर्म के नाम पर इनकी पारस्परिक गोलबंदी बढ़ी। जहां एक ओर ईसाई व यहूदी देश एक हुए, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम देश भी परस्पर एक हुए। इससे तीसरी ओर भी जागरूकता बढ़ी और विश्व के हिन्दू-बौद्ध-सिख-जैन धर्म आदि धर्मों से प्रभावित देश भी एकजूट होने के लिए सोचने लगे और भारत-चीन जैसे सामर्थ्यवान देशों ने अपने अंतर्विरोधों को पाटने को सतर्क हो गए। यदि पुरानी प्रतिद्वंद्विता की बात छोड़ भी दें तो मौजूदा दौर में जी-7, जी-20 बनाम ब्रिक्स व ग्लोबल साउथ के देशों में जो स्वहित साधन की होड़ मची हुई है, उसका ध्येय भी लगभग यही है। इसलिए कोई अमेरिकी छतरी तले जा रहा है तो कोई उसे उतारकर फेंक रहा है। कोई चीनी छतरी में जाने को बेताब है तो कोई इससे परहेज कर रहा है। इससे रूस व भारत की वैश्विक साख पुनः चमक उठी है। दुनियावी देश इनकी वस्तुनिष्ठ नीतियों पर फिदा हुए हैं। इससे परेशान अमेरिका-यूरोप के द्वारा जहां रूस के विरोधी यूक्रेन को भड़काकर रूस पर निरंतर हमलावर बना दिया गया है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान/बंगलादेश को अक्सर सहयोग देकर खड़ा कर दिया जाता है।

देश दुनिया से

भारत ने की तथ्यों और तर्कों से धुलाई

अमेरिका में आयोजित हो रही संयुक्त राष्ट्र महासभा- 2025 की वार्षिक आम महासभा में हो रहे कुछ वैश्विक नेताओं के संबोधन स्थायी शांति व विकास की दृष्टि से पूरे विश्व को को निराश करने वाले हैं। अमेरिका, पाकिस्तान, बांग्लादेश के शासनाध्यक्षों के भाषण इंगित करते हैं कि भारत को अपनी सामरिक सीमा सुरक्षा के प्रति और अधिक सचेत रहना होगा। यदि भारतीय सुरक्षा दृष्टिकोण से देखा जाए तो अमेरिका, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने पहलगाम हमले की निंदा नहीं की अपितु पाकिस्तान ने खुद को ही आतंकवाद से पीड़ित बताने का असफल प्रयास किया। इस दौरान उसने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत अपनी करारी पराजय को अपनी विजय बताने का प्रयास करते हुए झूठा राग अलापा कि उसने भारत के सात लड़ाकू फाइटर जेट विमान मार गिराए। अमेरिकी राष्ट्रपति नोबेल पुरस्कार पाने के लिए इतने अधिक उतावले हो रहे हैं कि वह सामाजिक, राजनैतिक और वैश्विक मर्यादा ही भूल गये हैं। अंतर्राष्ट्रीय मंच से उन्होंने यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि दादागिरी करने का अधिकार केवल उन्हीं के पास है। उन्होंने सात युद्ध समाप्त करवाने का दावा किया, भारत और चीन द्वारा रूस से तेल खरीद पर झूठ का पुलिंदा प्रस्तुत किया। ट्रम्प भारत के साथ साथ रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से भी बहुत निराश हैं क्योंकि भारत, रूस और चीन सहित कुछ अन्य देश भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित नहीं कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आत्ममुग्धता के शिकार हो चुके हैं, संभवतः वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं जो अपने लिए नोबेल मांग रहे हैं। उन्होंने अपने कोट पर एफ -35 फाइटर जेंट का लोगो लगाकर एक बड़ा खतरनाक संदेश देने का काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को यह डर भी सता रहा है कि अगर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस -यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने में सफलता प्राप्त कर ली तो कहीं मोदी जी को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित न कर दिया जाए। ट्रम्प बार -बार भारत -पाकिस्तान के मध्य युद्ध रुकवाने का दावा कर रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने केवल पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले किये थे और उन्हें नेस्तनाबूद किया था। जिसके बाद पाकिस्तान की सेना ने भारत पर हमला किया

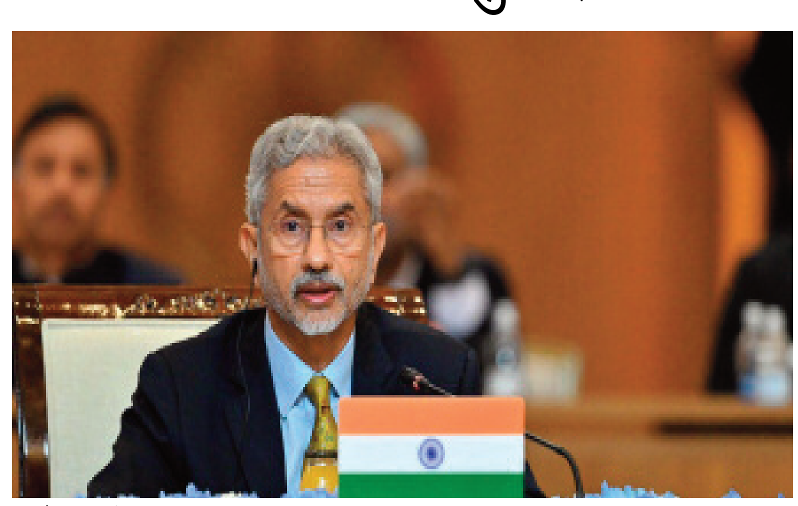

था और भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई थी जिससे पाकिस्तान घुटनों पर आ गया था। भारत तीव्र गति से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब भारत में अब चिप से लेकर शिप तक का निर्माण हो रहा है। कई अन्य नए क्षेत्रों में भी अब भारत का दबदबा बढ रहा है जिसके कारण जिसके कारण भारत विरोधी शक्तियां बुरी तरह से घबरा गई हैं और भारत को रोकने के लिए तरह -तरह के षड्यंत्र कर रही हैं किंतु अब भारत अत्यंत सतर्क है। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने उगला जहर – अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तीन माह में दूसरी बार पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेनाध्यक्ष मुनीर को एक घंटे तक इंतजार करवाकर उनकी सरेआम बेइज्जती करी किंतु दोनों ने मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर चापलूसी को और उन्हें शांतिदूत कहकर संबोधित किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भारत को स्पष्ट रूप से अपना दुश्मन बताया और कहा कि हाल ही में भारत के साथ हुए संघर्ष में पाक की जीत हुई थी और पाकिस्तान ने भारत के सात विमान मार गिराए थे। उन्होंने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच से यह झूठ बोला कि भारत का कट्टरपंथी हिंदुत्व पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा है। महासभा में शाहबाज शरीफ का भाषण उनकी मूल विचारधारा का ही प्रतिबिम्ब है। शरीफ ने सिन्धु समझौते रद्द रहने पर भयावह युद्ध की धमकी भी दी। पाक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का संबोधन केवल भारत और हिन्दुओं के प्रति नफरत का प्रदर्शन था। शाहबाज ने एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाया और कहा कि वह कश्मीरियों के साथ खड़े हैं। ये कहते हुए शायद शाहबाज भूल गए थे कि इसी मंच से भारत की पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज पूरे विश्व को बता गई हैं कि "जम्मू -कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था है और कायनात की अंतिम रात तक रहेगा। जम्मू कश्मीर की स्थापना भारत के महर्षि कश्यप ने की थी। कश्मीर का मूल अस्तित्व भारत ही है और उसकी चाहत में एक दिन पाकिस्तान का अस्तित्व ही पूरी दुनिया से समाप्त हो जाएगा। पाक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से ही अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए उनके लिए नोबेल पुरस्कार मांग लिया। उसे लग रहा है कि ऐसा करने से वह कश्मीर को लेकर भारत पर दबाव बना सकता है और अमेरिका से अपने हक के लिए ईनाम मांग सकता है। बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस ने भी एक सुनियोजित साजिश के तहत जमकर भारत के विरुद्ध जहर उगला और कहा कि उन्हें भारत से बहुत समस्याएं हैं। यूनुस के अनुसार इस समय भारत और बांग्लादेश के मध्य रिश्ते बहुत बिगड़ चुके हैं और अब तक के सबसे निचले पायदान पर हैं। भारत सरकार इन देशों के संयुक्त राष्ट्र महासभा में ऐसे प्रलापों के लिए पहले से चौकन्नी और तैयार थी।

आप का नजरिया

डंपिंग से नई जमीन तक

मलबे को लेकर हिमाचल में राज्य स्तरीय चिंता सामने आई है और जहां प्लानिंग से प्रगति तक यह सुनिश्चित करने की जरूरत बढ़ गई है ताकि आइंदा डंपिंग की एक रूपरेखा बने। पहले ही माननीय हाईकोर्ट ने चंबा के एक मामले में अवैध रूप से फैंके गए मलबे का कड़ा संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को डंपिंग स्थलों की पहचान के निर्देश दिए हैं। यही निर्देश अब आदेश बन कर मुख्य सचिव के मार्फत आ रहे हैं। यानी सरकार डंपिंग को लेकर सतर्क निगाहों से मलबे को देख रही है। फिलहाल यह मलबा विकास और विनाश के बीच एक अवांछित अपराध सरीखा है। मलबा कई सडक़ परियोजनाओं, नव निर्माण की पृष्ठभूमि, बदलती जीवनशैली और आपदाओं की नई फेहरिस्त से निकल रहा है। इसी बरसात की त्रासदी के बाद नुकसान का अगर आकलन पांच-छह हजार करोड़ तक पहुंच रहा है, तो कहीं कचरे और मलबे के पहाड़ भी खड़े हैं। जाहिर है डंपिंग के मैटिरियल में एक तो कूड़ा-कचरा प्रबंधन है जहां गंदगी के कई पहाड़ पैदा होने लगे हैं। दूसरा ऐसा मलबा है जो विकास और विनाश से देखने को मिलता है। प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के कारण जहां भी जमीन कटती है, वहां मलबा उग्र हो जाता है। कोई भी शहर, कस्बा या गांव हो, विभागीय परियोजनाओं का लिबास हो या आपदा का परिमाण हो, मलबा हमारे चौखट पर खड़ा है। इसी बरसात से पैदा हुए मलबे का आकलन करें, तो इसके उपयोग से कई मैदान, पार्किंग स्पेस और बिल्डिंग मैटिरियल के ट्रक निकल आएंगे। दुर्भाग्य बस जहां-जहां सडक़ों पर ल्हासे गिरे वहां-वहां जेसीबी मशीनों के जरिए इन्हें ढलान की तरफ या नदी-नालों में धकेल दिया गया। ऐसे में माननीय अदालत के दिशा-निर्देश मलबे की सही डंपिंग से नई जमीन के कई टुकड़े ईजाद कर सकते हैं। पीडब्ल्यूडी, वन विभाग, स्थानीय निकायों के अलावा निजी बंजर व ढलान बन गई जमीन को डंपिंग योजना के तहत समतल किया जा सकता है। बरसात में जल रिसाव या जल निकासी की गलती के कारण जमीन गंवानी पड़ती है, जबकि यही मलबा बन कर नुकसान पहुंचाती है। मलबा दरअसल जमीन के पुनर्जन्म का प्राकृतिक आदेश है। खास तौर पर विकास के हर चिन्हित उपक्रम के साथ अगर डंपिंग से नई जमीन का उभार करें तो सार्वजनिक उपयोग के लिए ये कसरतें फायदेमंद होंगी। आरंभिक तौर पर ग्रामीण तथा शहरी विकास योजनाओं के साथ डंपिंग ग्राउंड के लिए स्थान सुनिश्चित करने होंगे। जंगलों में गिरते पेड़ों की कतार या अवैध रूप से कटते पौधों के कारण भी इस बार मलबा या तो सडक़ पर आया या शहतीर बन कर नदियों की घाल बन कर देखा गया। जो भी हो जंगल से लुढक़ते मलबे को इसी की मिट्टी के साथ जोड़ते हुए ढलानों को वैज्ञानिक ढंग से समतल बनाना होगा। डंपिंग सिर्फ मलबे को एक स्थान पर गिराना नहीं, इसे उपयोग में लाने की विधियां ईजाद करनी होंगी। शिमला, धर्मशाला, नयनादेवी, कसौली, डलहौजी या ऐसे ही पर्वतीय स्थलों में समानांतर दौड़ रही दो सडक़ों के बीच जल रिसाव के कारण जमीन धंसाव के जोन उभर रहे हैं। ऐसे में दो सडक़ों के बीच पहाड़ को कई स्तरों पर डंपिंग के जरिए मजबूत करने के अलावा भीतर से जल निकासी की योजना भी बनाई जा सकती है। शहरी डंपिंग हो या ग्रामीण, हमें भविष्य की नई जमीन की तरह इसे एक निर्माण की तरह देखना होगा। पहाड़ी जमीन को बचाने और बनाने की दृष्टि से मलबा भी एक मैटिरियल है। आखिर हर साल पैदा हो रहा लाखों टन मलबा हटाने के साथ इस्तेमाल या खपाने का प्रश्न भी तो पैदा कर रहा है। दूसरी ओर कूड़े-कचरे की डंपिंग को भी इस्तेमाल और उपयोगिता की दृष्टि से इस्तेमाल करने की योजनाएं ग्रामीण इलाकों तक सुनिश्चित करनी पड़ेंगी।

सरकार डंपिंग को लेकर सतर्क निगाहों से मलबे को देख रही है। फिलहाल यह मलबा विकास और विनाश के बीच एक अवांछित अपराध सरीखा है। मलबा कई सडक़ परियोजनाओं, नव निर्माण की पृष्ठभूमि, बदलती जीवनशैली और आपदाओं की नई फेहरिस्त से निकल रहा है। इसी बरसात की त्रासदी के बाद नुकसान का अगर आकलन पांच-छह हजार करोड़ तक पहुंच रहा है, तो कहीं कचरे और मलबे के पहाड़ भी खड़े हैं। जाहिर है डंपिंग के मैटिरियल में एक तो कूड़ा-कचरा प्रबंधन है जहां गंदगी के कई पहाड़ पैदा होने लगे हैं। दूसरा ऐसा मलबा है जो विकास और विनाश से देखने को मिलता है। प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के कारण जहां भी जमीन कटती है, वहां मलबा उग्र हो जाता है। कोई भी शहर, कस्बा या गांव हो, विभागीय परियोजनाओं का लिबास हो या आपदा का परिमाण हो, मलबा हमारे चौखट पर खड़ा है। इसी बरसात से पैदा हुए मलबे का आकलन करें, तो इसके उपयोग से कई मैदान, पार्किंग स्पेस और बिल्डिंग मैटिरियल के ट्रक निकल आएंगे। दुर्भाग्य बस जहां-जहां सडक़ों पर ल्हासे गिरे वहां-वहां जेसीबी मशीनों के जरिए इन्हें ढलान की तरफ या नदी-नालों में धकेल दिया गया। ऐसे में माननीय अदालत के दिशा-निर्देश मलबे की सही डंपिंग से नई जमीन के कई टुकड़े ईजाद कर सकते हैं। पीडब्ल्यूडी, वन विभाग, स्थानीय निकायों के अलावा निजी बंजर व ढलान बन गई जमीन को डंपिंग योजना के तहत समतल किया जा सकता है। बरसात में जल रिसाव या जल निकासी की गलती के कारण जमीन गंवानी पड़ती है, जबकि यही मलबा बन कर नुकसान पहुंचाती है। मलबा दरअसल जमीन के पुनर्जन्म का प्राकृतिक आदेश है।

दृष्टि कोण

जीएसटी में अभूतपूर्व सुधार

2017 में प्रारंभ जीएसटी प्रणाली ने पिछले 8 वर्षों में बड़े उतार-चढ़ाव देखे हैं। लगभग एक दशक की चर्चा और डिबेट के बाद जीएसटी प्रणाली देश में लागू हुई थी। प्रारंभ से ही जीएसटी के बारे में चिंताएं, शंकाएं और अपेक्षाएं व्यक्त की जाती रही हैं। जहां प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इसकी आलोचना करती दिखाई देती रही और उनके प्रमुख नेता इसे 'गब्बर सिंह टैक्स' कहते रहे, और प्रारंभ में व्यापारी संगठन इससे जुड़ी कार्यान्वयन की समस्याओं को लेकर इसका विरोध करते दिखाई देते थे, बड़ी संख्या में अर्थशास्त्री और विशेषज्ञ इसे एक बड़ा सुधार मान रहे थे। राज्य सरकारें और केंद्र सरकार भी इस नई कर प्रणाली को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थी। सरकार ने हालांकि जुलाई 2017 में इस प्रणाली को लागू तो कर दिया था, लेकिन प्रारंभ में इससे पर्याप्त राजस्व प्राप्त करने की प्रमुख चुनौती थी। क्या है जीएसटी : जीएसटी यानी 'गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स' एक एकीकृत अप्रत्यक्ष कर प्रणाली है। जीएसटी से पूर्व देश में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न प्रकार के अप्रत्यक्ष कर लगाए जाते थे, जिसमें बिक्री कर, राज्य उत्पाद शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सेवाकर, सीमा शुल्क और कई अन्य कर शामिल थे। इन सभी करों को एकीकृत कर एक ही टैक्स जीएसटी के रूप में लगाया गया। सभी करों को एकीकृत कर एक ही कर लगाने के प्रयास का हेतु यह था कि विभिन्न प्रकार के कर लगाने से करदाताओं और कर एकत्र करते हुए उसे सरकारी राजस्व में जमा करना कठिन होता था और उसको एकत्र करने की लागत भी अधिक आती थी। इसके अलावा विभिन्न करों को लगाने से अनपेक्षित प्रभाव होता था। उदाहरण के लिए अलग-अलग स्तर पर कर लगाने के कारण एक ही वस्तु पर दो और कई बार दो से ज्यादा बार टैक्स देना पड़ता था। इसके कारण सरकार को राजस्व कम प्राप्त होता है, लेकिन वस्तु की कीमत टैक्स प्राप्ति से कहीं ज्यादा बढ़ जाती थी। इस अनपेक्षित प्रभाव को कैसकेंडिंग प्रभाव भी कहते हैं। राजस्व प्राप्ति के स्रोत के रूप में सामान्य

तौर पर अप्रत्यक्ष करों को इसलिए सही नहीं माना जाता, क्योंकि इसे अमीर और गरीब सभी के द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर लगाया जाता है। इसलिए अप्रत्यक्ष करों को प्रगतिशील बनाने के लिए इसे लागू करते हुए विभिन्न वस्तुओं पर अलग-अलग कर लगाना जरूरी माना जाता है। उदाहरण के लिए जीएसटी की 0, 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की पांच दरें लागू की गई। कृषि उत्पादों समेत कुछ आवश्यक वस्तुओं पर शून्य और अलग-अलग वस्तुओं पर अलग-अलग कर लगाए गए, जिसमें आवश्यक वस्तुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया। इसके बाद इसी तर्ज पर 12, 18 और 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया, जिसमें विलासिता की और हानिकारक वस्तुओं पर 28 प्रतिशत कर लगाया जाता रहा। कर दरें ज्यादा हों या कम : सामान्य तौर पर चाहे किसी भी प्रकार का कर हो, अप्रत्यक्ष कर अथवा प्रत्यक्ष कर, सभी में प्रगतिशीलता लाने हेतु अलग-अलग दर पर कर लगाया जाता है। उदाहरण के लिए एक स्तर की आय तक शून्य और उसके बाद आय के परिमाण के आधार पर स्लैब बनाकर उन पर बढ़ती दरों पर आयकर लगाया जाता है। इसी प्रकार अप्रत्यक्ष करों में सामान्य जन अधिकांशतः निम्न आय वर्ग द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर शून्य अथवा बहुत कम कर लगाया जाता है। इसी प्रकार जीएसटी लागू करते समय उसे अधिक प्रगतिशील बनाते हुए उसमें पांच दरें रखी गई थीं। इस समय से इस विषय में अर्थशास्त्रियों के मतभिन्नता देखने को मिलती रही।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म–रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पडेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 अक्टूबर 2025, बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन, शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 07:02 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रात: 08:07 तक
योग : अतिगंड रात्रि 12:34 तक
करण : बालव प्रात: 06:40 तक
चन्द्रराशि : धनु दोपहर 02:28 तक
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:04 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:56 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : महा नवमी पूजन

✲ पाण्डित्य विषय मे सम्पर्क करें ✲
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232, 9866165126
Chidamber011@gmail.com

नवरात्रि में नौ दिनों में शरीर से अधिक मन और आत्मा की शुद्धि होती है : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। शारदीय नवरात्रि में जब पूरा देश देवी मां की भक्ति में लीन है, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर को एक आध्यात्मिक साधना और आत्म–अनुशासन के रूप में अपनाया है। मुख्यमंत्री न केवल व्रत कर रहे हैं, बल्कि उन्होंने पिछले आठ माह से अन्न का पूरी तरह से त्याग कर रखा है। नवरात्रि के दौरान वे सिर्फ नींबू पानी और नारियल पानी के सहारे पूरे दिन रहते हैं।जहां आम लोग व्रत में एक बार फलाहार या मिठाई से भूख शांत करते हैं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का व्रत पूर्णतः संयम और साधना से जुड़ा हुआ है। उनके अनुसार, इन नौ दिनों में शरीर से अधिक मन और आत्मा की शुद्धि होती है।

यह उनके लिए आत्म–अनुशासन का पर्व है, न कि केवल धार्मिक रस्म।मुख्यमंत्री के रोज़मर्रा के भोजन में भी अन्न नहीं है। वे फलाहार, उबली हुई सब्जियाँ, नींबू पानी, नारियल पानी, चाय और गाय का दूध लेते हैं। साथ ही योग, ध्यान और नियमित वॉक उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा हैं। वे मानते हैं कि स्वस्थ शरीर और शांत मन ही किसी भी सेवा कार्य की नींव हैं। नवरात्रि के इन पावन दिनों में भी मुख्यमंत्री ने अपना प्रशासनिक दायित्व नहीं छोड़ा। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अब तक 42 से अधिक कार्यक्रमों में भागीदारी, उद्घाटन, अवलोकन और शिलान्यास किए हैं। इनमें से लगभग 18 बार वे जयपुर से बाहर दौरे पर । यह दर्शाता है कि उनका व्रत, उनकी कार्यक्षमता में बाधा नहीं बल्कि ऊर्जा का स्रोत बन चुका है।मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना है कि व्रत केवल आस्था नहीं, बल्कि आत्म–अनुशासन की तपस्या है। यह केवल भूख सहने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मन और आत्मा की साधना है। उन्होंने अपने जीवन को एक प्रेरक उदाहरण बनाकर दिखाया है कि राजनीति में रहते हुए भी अध्यात्म और सेवा दोनों को संतुलित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री का मानना है कि यह शक्ति उपासना उन्हें मां दुर्गा की प्रेरणा और आशीर्वाद से ही संभव हो रही है। वे कहते हैं कि यह उपवास केवल पूजा–पाठ नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक तपस्या है, जो उन्हें आत्मबल और मन की एकाग्रता प्रदान करती है।

पुलिस हिरासत में युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत

बांसवाड़ा/डूंगरपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले के दोवड़ा कस्बे में पुलिस हिरासत में एक युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले ने तूल पकड़ लिया है और प्रशासन से लेकर जनप्रतिनिधियों तक सक्रिय हो गए हैं। कलेक्ट्रेट में बैठक जारी है, जिसमें कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, एसपी मनीष कुमार, विधायक गणेश घोगरा, विधायक उमेश डामोर, विधायक अनिल मीणा सहित आदिवासी समाज के लोग मौजूद हैं। बैठक स्थल पर बाहरी लोगों का प्रवेश रोका गया है।

जानकारी के अनुसार, दोवड़ा थाना पुलिस ने चोरी के मामले में देव सोमनाथ कलारिया निवासी दिलीप अहारी को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि पूछताछ के दौरान पुलिस ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उसे उदयपुर एमबी अस्पताल रेफर किया गया। सोमवार शाम उसकी मौत की अफवाह फैलने पर दोवड़ा कस्बे में तनाव व्याप्त हो गया और स्थिति बिगड़ने पर पुलिस की गाड़ी पर पथराव तक हुआ।तनाव की स्थिति के बीच सांसद राजकुमार रोत और आसपुर विधायक उमेश डामोर देर रात तक कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे रहे। वहीं, उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने मंगलवार को एमबी अस्पताल पहुंचकर दिलीप अहारी की स्थिति के बारे में चिकित्सकों से जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस घटना की न्यायिक जांच की मांग की है और इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। सांसद मन्नालाल रावत ने कहा कि इस प्रकरण की जांच निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने प्रमुख मांगों में निर्दोष लोगों पर कार्रवाई न होने, दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर कदम उठाने और मृतक के परिवार को अधिकतम मुआवजा व एक परिजन को नौकरी देने की बात कही।

झालावाड़ पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक – हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन गैंग धराशायी 1 महिला सहित 13 गिरफ्तार

झालावाड़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए चली मुहिम में झालावाड़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। महीनों से निगरानी में चल रहे हेमराज सुमन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 1 महिला सहित 13 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह बीमा धोखाधड़ी से लेकर हनीट्रैप, जबरन वसूली और अवैध कारोबार तक में सक्रिय था।गुप्त सूचना से खुला जाल पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 24 सितम्बर को आसुचना अधिकारी कोतवाली ने एक गोपनीय परिवाद पेश किया था। जिसके अनुसार कुछ आपराधिक व्यक्तियों द्वारा गिरोह बना रखा है, जो ट्रेक्टर व अन्य बडे वाहनो को फाईनेंस पर उठाकर कुछ दिनों बाद ही खुर्द बुर्द करते हुए झूठे चोरी के मुकदमे दर्ज करवाकर लाखो में बीमा राशि उठा लेते है। थाना सारोला का हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन अपने कुछ साथियो व कुछ यूपी के बदमाश लडको के साथ मिलकर उक्त अवैध काम कर रहे है। पुलिस ने तुरंत रणनीति बनाकर कार्रवाई का प्लान तैयार किया।एसपी कुमार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन में करीब 20 टीमों ने एक साथ झालावाड़, झालरापाटन, सारोला और कोटा में दबिश दी और मुख्य सरगना हेमराज सुमन और उसके साथियों को रंगे हाथों पकड़ा गया।

खांसी के सिरप से सात बच्चे बीमार

बांसवाड़ा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में खांसी की दवा डेक्स्ट्रोमेथोर्फन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप के दुष्प्रभाव का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। भरतपुर, जयपुर और सीकर के बाद अब बांसवाड़ा में भी इसके असर से बच्चे बीमार होने लगे हैं। जिले के महात्मा गांधी राजकीय चिकित्सालय में बीते पखवाड़े में सात बच्चों को भर्ती करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों पर इस दवा की आपूर्ति रोक दी गई है।जानकारी के अनुसार, सर्दी–खांसी से पीड़ित बच्चों को यह सिरप चिकित्सकों द्वारा लिखी जा रही थी। लेकिन इसके सेवन के बाद कई बच्चों की हालत बिगड़ने लगी। जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए सात बच्चों को उपचार की जरूरत पड़ी।

भरतपुर में डॉ. दिगंबर सिंह जयंती पर कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

भरतपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मंगलवार को लुधावई टोल सेवर स्थल पर आयोजित डॉ. दिगंबर सिंह जयंती समारोह में श्रद्धांजलि सभा और प्रो कबड्डी प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व आमेर विधायक सतीश पूनियां, डीग–कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, जिला अध्यक्ष श्रीमती शिवानी दायमा, पूर्व महापौर शिवसिंह भोंट सहित कई अन्य गणमान्य अतिथियों ने डॉ. दिगंबर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि कबड्डी जैसे स्वदेशी खेल हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं। ये खेल शारीरिक–मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के साथ–साथ युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें शुभकामनाएं दी।पूर्व आमेर विधायक सतीश पूनियां ने कहा कि यह प्रतियोगिता ग्रामीण युवाओं में जोश और उत्साह का संचार करेगी। उन्होंने राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए बनाए जा रहे स्टेडियम, अकादमी और प्रशिक्षण केंद्रों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं, जो पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. दिगंबर सिंह ने चिकित्सक और राजनेता के रूप में समाज सेवा, शिक्षा और राजनीति में अमूल्य योगदान दिया।

चुनाव जीतने के लिए झूठ और वोट चोरी का सहारा लेती है भाजपा : डॉ अजय सिंह चौटाला

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा है कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा झूठा प्रचार और वोट चोरी का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के चुनावों में साफ देखा गया कि कैसे वोट चोरी करके पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को हराया गया। अजय चौटाला ने कहा कि दिल्ली में रातों–रात वोट काटे गए और नई दिल्ली में बीजेपी की जीत भाजपा के वोट चोरी के खेल को साफ दर्शाती है। इतना ही नहीं भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान जात–पात की बातें करके जनता को गुमराह करती है। वे मंगलवार को महेंद्रगढ़ में जेजेपी जिला स्तरीय बैठक के दौरान पत्रकारों से रूबरू थे। बैठक में जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन मजबूती पर फोकस करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को मूलमंत्र दिए।डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि जेजेपी का निरंतर जनसंपर्क अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि सभी 22 जिलों में पार्टी के जिला स्तरीय बैठकों के कार्यक्रम हो रहे है और इसके बाद हलका स्तरीय कार्यक्रम भी किए जाएंगे। अजय चौटाला ने कहा कि युवाओं को जेजेपी से जोड़ने के लिए दिग्विजय चौटाला मैदान में उतरे हुए है। सभी 22 जिलों और 90 हलकों में युवा जोड़ो अभियान के बाद अब युवा योद्धा अभियान के कार्यक्रम शुरू हो गए है। डॉ चौटाला ने यह भी कहा कि आज भाजपा सरकार की खराब नीतियों के चलते प्रदेश में जंगल राज है। उन्होंने प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि सरकार जनता की सुरक्षा व्यवस्था में पूरी तरह विफल साबित हुई है। एक सवाल के जवाब में अजय चौटाला ने कहा कि जब तक पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला थे, तब तक इनेलो–जजपा के एक होने की संभावना थी, लेकिन अब ये संभव नहीं है।

बैठक में जेजेपी के वरिष्ठ नेता डॉ केसी बांगड़, पूर्व चेयरमैन राजेंद्र लितानी व अन्य नेताओं ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान अनेक लोगों ने जेजेपी ज्वाइन की।

स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त भारत की नींव : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आंगनवाड़ी ढांचे को नई मजबूती प्रदान करते हुए आज 15 करोड़ रुपये की लागत से 500 नवीनीकृत आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण तथा 9 करोड़ रुपये की लागत से बने 64 नए आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों और महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य तथा प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने दुर्गा अष्टमी की बधाई देते हुए कि आज दुर्गा अष्टमी के अवसर पर महिलाओं के लिए धर्मक्षेत्र–कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर पोषण माह की 8वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह के आयोजन का अत्यंत महत्व है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए पूरे देश में पोषण माह का आयोजन वर्ष 2018 से किया जा रहा है। परिवार के प्रति समर्पण भाव में महिलाएं इतना व्यस्त हो जाती हैं कि वे अपनी सेहत का ख्याल नहीं रख पाती। इसी समर्पण भाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महसूस किया कि महिलाओं की सेहत और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सरकार की भी है। उन्होंने 8 मार्च, 2018 को राजस्थान के झुंझुनू जिले से देशव्यापी पोषण अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान के 8 साल हो गए हैं। यह पोषण माह महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा और बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाए जाने पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हाई कमान का किया शुक्रिया

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस हाईकमान, खासतौर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि फिर से विधायक दल का नेता चुनकर पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसपर वो खरा उतरने की भरपूर कोशिश करेंगे। जनता जनार्दन के मुद्दों को उठाने, सकारात्मक व संघर्षशील विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार है।भूपेंद्र सिंह हुड्डा पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 11 साल से सत्ता में होने के बावजूद बीजेपी के पास ना गिनवाने के लिए कोई उपलब्धि है और ना ही दिखाने के लिए कोई काम। 2014 से पहले जो हरियाणा प्रति व्यक्ति, आय प्रति व्यक्ति निवेश और विकास में नंबर वन था, आज वह विकास के हर एक पैमाने पर पिछड़ गया है।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को भी हार्दिक बधाई दी है।

बिहार में शुद्ध मतदाता सूची पर किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए : अनिल विज

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस द्वारा विपक्ष का नेता चुनने में लगभग एक वर्ष लगाने व उभरती गुटबाजी पर अपने अंदाज में तंज कसते हुए गुनगुनाया इब्तिदा–ए–इश्क है रोता है क्या, आगे आगे देखिये होता है क्या। टी–20 एशिया कप में विजेता भारतीय टीम द्वारा पाकिस्तान के एसीसी अध्यक्ष मोहसीन से ट्राफी नहीं लेने पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि किसी भी मैच की सबसे बड़ी शील्ड वो होती है जो लोग देते हैं। सारे मैच हराकर और एशिया कप को जीतकर 144 करोड़ भारतीयों ने जो दिल की भावनाओं से शील्ड दी उसके मुकाबले वो शील्ड कुछ नहीं है। नापाक व खून से रंगे हाथों से तीर्थ यात्रियों पर हमला करने वाले हाथों से खिलाड़ी शील्ड कैसे ले सकते हैं। हम खुश हैं कि हम जीतें है और हमारे

खिलाड़ियों ने बिना शील्ड लिए ही जीत का जश्न खेल के मैदान में मनाना शुरू किया।

बिहार में नई मतदाता सूची के प्रश्न पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बिहार में शुद्ध मतदाता सूची जारी की जा रही है जिस पर किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐ–तराज करने के लिए नियमों के तहत प्रा–वधान एक माह पहले दिया गया था, उसके बाद ही मतदाता सूची जारी की गई है और इस पर चुनाव सबको करवा लेना चाहिए।विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किस पार्टी का कौन बनेगा, किसको क्या दायित्व दिया जाएगा इससे हमारा कोई लेना देना नहीं। मगर एक बात है कि निर्णय लेने में इन्होंने लगभग एक साल लगा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी सत्ता में आए ऐसा तो होना नहीं है, मगर यदि यह सत्ता में हो और देश में पाकिस्तान से हमला हो जाए तो इनके फैसला लेते–लेते पाकिस्तान की सेना दिल्ली में घुस जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक साल लगाया है विपक्ष नेता चुनने में। यह देश की जिम्मेवार पार्टी नहीं है, यह देश के दायित्वों का, देश की जिम्मेवारियों का, विपक्ष के नेता का यह दायित्व पूरा नहीं कर सके।

अष्टमी के दिन हुआ 5 लाख बेटियों का कन्या पूजन

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से जुड़ी 1,500 बालिकाएं

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। नवरात्रि के पावन अवसर पर पूरे उत्तर प्रदेश में 30 सितंबर एवं 1 अक्टूबर को अष्टमी-नवमी तिथियों पर आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अष्टमी के दिन पूरे प्रदेश में 5 लाख से अधिक कन्याओं का सम्मानजनक पूजन किया गया। साथ ही इन आयोजनों में 1,500 से अधिक बालिकाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से जोड़ा भी गया है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बालिकाओं का कन्या पूजन धार्मिक परंपरा का निर्वहन भर ही नहीं रह गया है, बल्कि समाज में कन्या जन्म को उत्सव के रूप में स्थापित करने वाली सामाजिक क्रांति का प्रतीक भी बना है। बीते 20 सितंबर को शुरु हुआ मिशन शक्ति अभियान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का व्यापक अभियान बन गया है। कन्या पूजन के माध्यम से योगी सरकार ने समाज को गहरा संदेश भी दिया, जिसके तहत बेटियों को परिवार और समाज की आधारशिला के रूप में बताया गया है।

विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में महिला कल्याण बेबी रानी मोर्या, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, प्रभारी मंत्री, जिलाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में ये कार्यक्रम आयोजित हुए।

अष्टमी के दिन विभिन्न विभागों और संस्थाओं के माध्यम से पूरे प्रदेश में 5 लाख से अधिक कन्याओं का सम्मानजनक पूजन किया गया। इन आयोजनों का मूल उद्देश्य कन्या जन्म को बोझ न मानकर आशीर्वाद के रूप में देखने को प्रेरित किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोकगीतों और संवाद सत्रों के जरिए बालिकाओं को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विशेष काउंटरों पर कन्या सुमंगला योजना के फॉर्म भरवाए गए, जो मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन में बालिकाओं को जन्म से उच्च शिक्षा तक 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करती है। परिवारों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया गया। मिशन शक्ति के तहत बाल विवाह, शिक्षा वंचना और स्वास्थ्य उपेक्षा जैसी कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाया गया, जो नारी सुरक्षा के मूल सिद्धांत को मजबूत करता है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने कहा कि कन्या पूजन केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज को संदेश है कि बेटियां हमारी शक्ति और भविष्य की धरोहर हैं। मिशन शक्ति हर कन्या को सुरक्षित-सशक्त बनाने का संकल्प है। वहीं महिला कल्याण निदेशक संदीप कौर ने कहा कि यह समारोह कन्याओं के प्रति सकारात्मक सोच का विस्तार करेगा।

आज हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हर बेटी अपने साथ परिवार और समाज के लिए उज्ज्वल भविष्य की संभावना लेकर आती है। मिशन शक्ति बेटियों के सशक्तिकरण की यह लौ पूरे प्रदेश में प्रज्वलित कर रहा है।

बालिकाओं ने सरकारी अस्पतालों में सीखी स्वास्थ्य सुरक्षा की बारीकियां

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रदेशभर के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट विद्यालय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बालिकाओं के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अनूठी पहल के तहत 1,21,103 छात्राओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला/सरकारी अस्पतालों का भ्रमण किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से प्रत्यक्ष परिचय कराना और स्वास्थ्य प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों के विभिन्न विभागों जैसे ओपीडी, फार्मेसी, टीकाकरण कक्ष और पैथोलॉजी लैब का भ्रमण कर छात्राओं ने स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली को करीब से देखा।

बालिकाओं को पंजीकरण काउंटर पर जाकर अपना ओपीडी पर्चा बनवाने का अनुभव कराया गया। इस प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने का पहला कदम सीखने को मिला।

इसके साथ ही छात्राओं ने बारी-बारी से संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टरों से मुलाकात की और अपने सामान्य स्वास्थ्य प्रश्नों पर परामर्श लिया। यह अनुभव उनकी स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने वाला तो रहा ही, संवाद कौशल और आत्मविश्वास को भी मजबूत करने वाला रहा।

कार्यक्रम में बालिकाओं को विभिन्न जांच जैसे रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, रक्त शर्करा आदि की प्रक्रिया और महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कई स्थानों पर छात्राओं को इन जांचों के डेमो भी दिखाए गए। इसके अतिरिक्त, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण, एनीमिया से बचाव और महामारी के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाएं न केवल शिक्षित हुईं, बल्कि स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर हुईं। छात्राओं ने सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली में विश्वास बढ़ाया और समझा कि सही जानकारी और प्रत्यक्ष अनुभव से ही स्वास्थ्य सेवाओं का पूर्ण लाभ लिया जा सकता है। इतना ही नहीं, मिशन शक्ति का यह चरण बालिकाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव का आधार बना। स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने कहा, मिशन शक्ति ने बालिकाओं को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराया और उन्हें स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। यह पहल न केवल उनके विश्वास और आत्मसम्मान को बढ़ाती है, बल्कि समाज में सशक्त नारी की नींव भी मजबूत करती है।

हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या की साजिश में चार आतंकी गिरफ्तार

अकमल

सफील

मो तौसीफ

कासिम

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हिंदू धर्मगुरुओं की टारगेट किलिंग का साजिश रचने वाले चार आतंकियों को यूपी एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने गिरफ्तार किया है। चारो आतंकी सुल्तानपुर, सोनभद्र, कानपुर और रामपुर के रहने वाले बताए गए हैं। चारों लोग मुसलमानों पर जुल्म और ज्यादती का प्रोपेगेंडा फैलाकर काफिरों के खिलाफ जंग-ए-जेहाद करने के लिए मुजाहिदीन आर्मी बना रहे थे। साथ ही, देश में शरिया कानून लागू करने के लिए मुस्लिम युवकों को भड़काने का काम कर रहे थे। हिंसक गतिविधियां अंजाम देने के लिए वे सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाकर कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोगों को जोड़ रहे थे।

एटीएस के आईजी पीके गौतम ने बताया कि यह खुफिया सूचना मिली थी कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के रहने वाले कुछ लोग कट्टरपंथी पाकिस्तानी संगठनों से प्रभावित होकर हिंसात्मक जेहाद के माध्यम से चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार को गिराना चाहते हैं।

वह हथियारों के बल पर शरिया कानून लागू करने की योजना बना रहे हैं। इन मंसूबों को पूरा करने के लिए जगह-जगह मीटिंग कर रहे हैं और विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप बनाकर ऑडियो व वीडियो संदेश भेजकर लोगों को उकसा रहे हैं।

आतंकी गतिविधियां अंजाम देने के लिए हथियार और अन्य संसाधनों के लिए धन जुटा रहे हैं। एटीएस ने जांच के बाद इसमें शामिल सुल्तानपुर निवासी अकमल रजा, सोनभद्र निवासी सफील सलमानी, कानपुर निवासी तौसीफ और रामपुर निवासी कासिम अली को पूछताछ के लिए बुलाया था। शुरुआत में उन्होंने खुद को निर्दोष बताया, लेकिन जब अधिकारियों ने उनके सामने तमाम सबूत रखकर सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया। तत्पश्चात, एटीएस ने चारों पर मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5 मोबाइल, आधार कार्ड, पैन कार्ड, डेबिट व क्रेडिट कार्ड, फोन पे-स्कैनर आदि बरामद किया गया है।

एटीएस के मुताबिक चारों हिंदू धर्मगुरुओं की हत्या के लिए मुजाहिदीन आर्मी बना रहे थे। इसके लिए उन्होंने कट्टरपंथी मानसिकता वाले लोगों को जोड़ रहे थे ताकि उनके साथ मिलकर धर्मगुरुओं पर हमले कर सकें। चारों हिंसात्मक जिहादी साहित्यों का संकलन, लेखन और उनके प्रचारित प्रसारित करने का कार्य भी कर रहे थे। एटीएस चारों को अदालत के सामने पेश करने के बाद पुलिस कस्टडी रिमांड पर देने का अनुरोध करेगी ताकि उनके बाकी साथियों, मददगारों और फंडिंग करने वालों का पता लगाया जा सके।

ढाई साल में बिजली की 11 हजार दुर्घटनाएं

3,600 लोग करंट से मरे, 3600 मवेशी भी मरे

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में ढाई साल में 11 हजार से अधिक बिजली दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें करंट लगने से 3,606 से अधिक लोगों की जान चली गई। मरने वालों में 257 बिजली कर्मी शामिल हैं। दुर्घटनाओं के आंकड़े चौंकाने वाले हैं।

पूर्वांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल और केस्को को मिलाकर मार्च 2023 से 15 सितंबर 2025 के बीच विभिन्न स्थानों पर करंट से हुई दुर्घटनाओं को लेकर विद्युत सुरक्षा निदेशालय ने रिपोर्ट तैयार की है। दुर्घटनाओं में मरने वालों में 257 बिजली कर्मी तथा 3,349 आम नागरिक हैं। 3,825 अग्निकांड में करोड़ों की फसल जली है। 3600 मवेशियों की भी मौतें हुई हैं। ज्यादातर मवेशियों की मौत बिजली के पोल में करंट उतरने, जलभराव में करंट प्रवाहित तार टूटकर गिरने से हुई हैं।

विभाग के अधिकारियों के मुताबिक करंट से व्यक्ति की मौत पर पांच लाख मुआवजा दिया जाता है। मवेशी की मौत पर उसकी नस्ल के आधार पर राजस्व विभाग रिपोर्ट तैयार करता है। फिर मुआवजा दिया जाता है। विभागीय रिपोर्ट से स्पष्ट है कि साल दर साल बिजली जनित दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

बरेली बवाल में मौलाना तौकीर का करीबी नफीस गिरफ्तार

अब तक 31 आरोपी गिरफ्तार, जांच के लिए एसआईटी गठित

बरेली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में हुए बवाल मामले के मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस को पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसकी मार्केट को दिन में नगर निगम ने सील किया। इसमें 74 दुकानें हैं। वहीं मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है।

बरेली में इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी और शहर में हुए बवाल के आरोपी डॉ. नफीस की नावल्टी स्थित मार्केट को नगर निगम ने सोमवार को सील कर दिया। इसमें 74 दुकानें हैं। इसी मार्केट में आईएमसी का दफ्तर भी संचालित किया जा रहा था। उस पर भी नगर निगम ने ताला लगा दिया है। आरोप है कि नाले पर कब्जा कर यह मार्केट बनाई गई है।

देर रात नफीस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आईएमसी जिलाध्यक्ष सादिक को भी पकड़ लिया है। आईएमसी के पूर्व जिलाध्यक्ष और तौकीर के सिपहसालार नदीम खान को पुलिस ने रविवार रात को ही गिरफ्तार कर लिया था। उपद्रव की तफ्तीश के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। वहीं, रात 12.45 बजे इंटरनेट सेवा बहाल हो गई।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि पहलवान साहब की मजार के पास की मार्केट की कई दुकानें नाले पर बनी हैं, जो अवैध हैं। शनिवार शाम को ही नगर निगम की टीम ने मार्केट की पैमाइश कर ली थी। सोमवार को टीम मौके पर पहुंची और दुकानदारों को सामान निकालने के लिए कहा। जैसे-जैसे दुकानें खाली होती गईं, एक-एक कर उनको सील किया गया। फिर पूरी मार्केट पर बाहर से भी सील लगा दी।

मार्केट के दूसरे तल पर स्थित आईएमसी कार्यालय में बैठकर नफीस जिले में होने वाले संगठन के सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करता था। इस कार्यालय में मौलाना तौकीर का दो-तीन बार ही आना-जाना हुआ है। डॉ.

नफीस ही संगठन की पूरी रणनीति को अंजाम देता था। नफीस का करीबी पार्षद अनीस सकलैनी मार्केट में पंचायत लगाकर बैठता था। पिछले दिनों नफीस ने आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर उतारने पर किला इंस्पेक्टर को हाथ काटने और वर्दी उतारने की धमकी दी थी।

सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने नदीम के साथ ही मुस्तकीम, जफरुद्दीन, मोहम्मद इमरोज, मुसरोफ शेख, शमशेर रजा, मोहम्मद उवैस, राहिल, मोहम्मद साजिद, समीर, जीशान, फैसल, तौहीद खान व फरमान को भी अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया। बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि कसाई टोला निवासी उमेद, मुस्तकीम, अरबाज, कलीम, मोबीन, नाजिम रजा, मोहसिन, शाकिब, रफीक, जैनुल, तौहीन, फैसल, मोबीन पुत्र छोटेशाह, अरशद व सुब्हान को गिरफ्तार कर लिया गया। देर रात बारादरी पुलिस ने आईएमसी के जिलाध्यक्ष फरीदपुर निवासी सादिक खान को भी गिरफ्तार कर लिया।

आईएमसी का पूर्व जिलाध्यक्ष और मौलाना तौकीर का खास गुर्गा नदीम खां उपद्रव के दौरान पलिस का वायरलेस हैंडसेट भी छीनकर ले गया था। कोतवाली पुलिस ने नदीम की गिरफ्तारी के बाद उसकी निशानदेही पर हैंडसेट बरामद कर लिया। माना जा रहा है कि नदीम व अन्य आरोपियों ने पुलिस की गोपनीय बातें सुनने के लिए इस हैंडसेट का इस्तेमाल किया होगा। साथ ही, वह सेट जिस टीम का रहा होगा, उसका दूसरी टीमों से संपर्क भी टूट गया होगा।

एसएसपी अनुराग आर्य ने सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया कि नदीम खां मौलाना तौकीर का बेहद भरोसेमंद है। शुक्रवार को बवाल के दौरान भीड़ को उकसाकर प्रदर्शन की अगुवाई करने वालों में वह सबसे आगे था। कोतवाली प्रभारी अमित पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार रात कोतवाली क्षेत्र से ही नदीम की गिरफ्तारी की। बवाल की जांच के लिए डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि एसआईटी में एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में तीन सीओ और 14 इंस्पेक्टर शामिल हैं। सीओ प्रथम, द्वितीय और तृतीय को एसपी सिटी के सहयोग के लिए लगाया गया है।

एसएसपी ने बताया कि बवाल को लेकर दर्ज किए गए 10 मुकदमों के विवेचक, एसओजी प्रभारी, सर्विलांस प्रभारी, साइबर सेल प्रभारी और मीडिया सेल प्रभारी को एसआईटी में शामिल किया गया है। एसआईटी घटना की जांच कर एक माह में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। आवश्यकता महसूस होने पर जांच की समय अवधि बढ़ाई जा सकती है। एसएसपी ने कहा कि जिले की शांति और कानून-व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए पुलिस कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। जो भी इसमें बाधक बनने का प्रयास करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई में देरी नहीं होगी।

अब दिनेश कार्तिक डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में शारजाह वॉरियर्ज़ के लिए खेलते नजर आएंगे

शारजाह,30 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में अब शारजाह वॉरियर्ज़ के लिए खेलते नजर आएंगे। कार्तिक को टीम में श्रीलंका के कुसल मेंडिस की जगह शामिल किया गया है। टीम के मुख्य कोच जेपी डुमिनी ने कार्तिक के आने को बड़ा फायदा बताया है।

कार्तिक का क्रिकेट करियर दो दशकों से भी लंबा रहा है। वह आईपीएल 2013 विजेता मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा रहे और भारतीय टीम के साथ 2007 टी20 विश्व कप और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुके हैं। हाल ही में वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच के तौर पर भी जुड़े थे और 2025 में टीम की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत में योगदान दिया।

तमिलनाडु के रहने वाले कार्तिक अपने फिनिशिंग अंदाज़ और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर टी20 मैचों के अंतिम ओवरों में बड़े शॉट लगाने और तेज़ रन बनाने में माहिर माने जाते हैं। अब तक खेले गए 412 टी20 मुकाबलों में उन्होंने 7,437 रन बनाए हैं, जिनमें 35 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 136.66 रहा है। भारत की जर्सी में उन्होंने 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 686 रन बनाए, स्ट्राइक रेट 142.61 के साथ।

शारजाह वॉरियर्ज़ में कार्तिक का साथ उनके पूर्व आरसीबी साथी टिम डेविड, जिम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा, कप्तान टिम साउदी, जॉनसन चार्ल्स, टॉम कोहलर-कैडमोर और सौरभ नेत्रवलकर देंगे।

दिनेश कार्तिक ने कहा, मैं शारजाह वॉरियर्ज़ से जुड़कर बेहद उत्साहित हूं। यह एक युवा टीम है और बड़े लक्ष्य हासिल करना चाहती है। शारजाह स्टेडियम में खेलना हमेशा से एक सपना रहा है और अब यह सपना पूरा हो रहा है।

कोच जेपी डुमिनी ने कहा - दिनेश कार्तिक एक अनुभवी और बेहद इनोवेटिव खिलाड़ी हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और अनुभव हमारी टीम के लिए बड़ी संपत्ति साबित होंगे। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

सीओओ क्षेमल वैनगंकर ने कहा, हम दिनेश कार्तिक जैसे महान खिलाड़ी का स्वागत करके बहुत खुश हैं। उनकी कार्यशैली, सकारात्मक ऊर्जा और तेज़ी से रन बनाने की क्षमता शारजाह वॉरियर्ज़ को और मज़बूत बनाएगी।

न्यूज ब्रीफ

ऐश्वर्या पिस्से ने रचा इतिहास, डब्ल्यू2आरसी पुर्तगाल में जीत दर्ज करने वाली एशिया और भारत की पहली महिला बनीं

पुर्तगाल। बेंगलुरु की ऐश्वर्या पिस्से ने इतिहास रचते हुए एशिया और भारत की पहली महिला बनने का गौरव हासिल किया है, जिन्होंने बीपी अल्टिमेट रैली-रेड पुर्तगाल 2025 (एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप - डब्ल्यू2आरसी) के चौथे राउंड में अपनी श्रेणी में जीत दर्ज की। रैली2 - विमेंस कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हुए ऐश्वर्या ने न केवल अपनी श्रेणी में बाजी मारी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दिग्गज राइडर्स से भरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल 27वां स्थान भी हासिल किया। दुनिया की सबसे कठिन रैली-रेड श्रृंखला में निजी प्रतिभागी (प्राइवेटियर) के तौर पर उतरकर जीत दर्ज करना भारतीय और एशियाई मोटरस्पोर्ट्स के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। टीवीएस रेसिंग और अपने सहयोगी साझेदारों के मजबूत समर्थन के साथ ऐश्वर्या ने धैर्य, आत्मनिर्भरता और उत्कृष्टता का प्रतीक बनकर वैश्विक मंच पर पहचान बनाई है। अपनी ऐतिहासिक जीत पर ऐश्वर्या ने कहा,यह जीत मेरे लिए बेहद खास है। एशिया और भारत की पहली महिला के रूप में इस स्तर पर जीतना सिर्फ मेरा निजी माइलस्टोन नहीं है, बल्कि हर उस लड़की के लिए संदेश है जो सपनों की उड़ान भरना चाहती है। मैं टीवीएस रेसिंग और अपने सभी सहयोगियों की आभारी हूं, जिनकी बदौलत यह पल संभव हो पाया।

बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ के लिए महिला टीम की घोषणा, मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने 14 से 16 नवंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह पहली बार होगा जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के प्ले-ऑफ की मेजबानी करेगा। टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। इसमें सहजा यमालापल्ली, श्रिवल्ली भामिदिपत्य, अंकिता रैना, रिया भाटिया और प्रार्थना थोम्बरे शामिल हैं। वैदेही चौधरी को रिज़र्व खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। टीम की कप्तानी विशाल उप्पल करेंगे जबकि राधिका कानिटकर कोच की भूमिका निभाएंगी। टीम 4 नवंबर से बेंगलुरु में अभ्यास शिविर शुरू करेगी, जिसमें ज़ील देसाई और श्रुति आहलावत भी शामिल होंगी। वहीं, युवा खिलाड़ी माया राजेश्वरन, जो क्वालिफिकेशन राउंड में रिज़र्व टीम का हिस्सा थीं, को इस बार अंतिम टीम में जगह नहीं मिली है।

कनाडा सुपर 60 में खेलेंगे सुरेश रैना टोरंटो सिक्सर्स से जुड़े

वैंकूवर। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना कनाडा सुपर 60 लीग में खेलते हुए नज़र आएंगे। यह

टूर्नामेंट 8 से 13 अक्टूबर तक वैंकूवर के बीसी प्लेस में आयोजित होगा। रैना टोरंटो सिक्सर्स की ओर से मैदान पर उतरेंगे। उनके शामिल होने से इस लीग को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और दर्शकों में रोमांच भी बढ़ेगा। लेफ्ट-हैंड बल्लेबाज रैना अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए मशहूर रहे हैं। इस बार वह एलेक्स हेल्स, जेसन रॉय और आंद्रे फ्लेचर जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलते नजर आएंगे। टोरंटो सिक्सर्स से जुड़ने को लेकर सुरेश रैना ने एक बयान में कहा, मैं कनाडा सुपर 60 का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। यह उद्घाटन संस्करण है और पहले से ही खास महसूस हो रहा है। टोरंटो सिक्सर्स की टीम संतुलित है जिसमें बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और कनाडाई प्रतिभाएं शामिल हैं। मैं उनके साथ खेलकर टीम की सफलता में योगदान देने के लिए तत्पर हूं। कनाडा सुपर 60 के संस्थापक और चेयरमैन अभिषेक शाह ने कहा, हमें खुशी है कि सुरेश रैना इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं। उनका अनुभव और स्टार वैल्यू युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायी होगी। वहीं, टोरंटो सिक्सर्स के सीईओ सामी फरीदी ने कहा, हमारे लिए सुरेश रैना का टीम में होना सम्मान की बात है। वह वर्ल्ड कप विजेता रहे हैं और दुनिया के बड़े टूर्नामेंटों में खेल चुके हैं। छोटे प्रारूप में उनका अनुभव हमारी टीम के लिए बड़ा लाभ होगा। टोरंटो सिक्सर्स का पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को ब्रैम्पटन ब्लिट्ज़ के खिलाफ होगा।

हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट 7 से 9 नवम्बर तक होगा, इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

हांगकांग के कॉनराड होटल में एक समारोह में बहुप्रतीक्षित हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट का औपचारिक रूप से ऐलान किया गया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का 2025 संस्करण 7 से 9 नवम्बर तक टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें विश्व की नंबर एक टीम भारत, नंबर दो टीम ऑस्ट्रेलिया और टीम हांगकांग, चाइना शामिल हैं।

यह टूर्नामेंट पूरी दुनिया में होने वाले किसी भी अन्य क्रिकेट आयोजन से पूरी तरह से अलग है। अपनी अनोखी शैली के लिए प्रसिद्ध इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की शुरुआत 33 वर्ष पहले की गई थी। भविष्य के सितारों से सजा यह टूर्नामेंट इस वर्ष और भी खास होने जा रहा है, जिसमें वीकेंड पर कम्युनिटी फैन पार्क भी शामिल किया गया है।

इसके बारे में बात करते हुए क्रिकेट हांगकांग, चीन के चेयरपर्सन बुरजी श्रॉफ ने कहा, हांगकांग सिक्सेस हमारे लिए केवल क्रिकेट का एक मंच नहीं बल्कि, हमारी सामुदायिक भावना और खेल के प्रति साझा जुनून का प्रतीक है। यह टूर्नामेंट हर वर्ग के लोगों, प्रशंसकों व खिलाड़ियों के बीच आपसी भाईचारे को मजबूत करता है। यह न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा, बल्कि हमारे खूबसूरत शहर की जीवंत संस्कृति और समृद्ध विरासत को भी दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, हम आभारी हैं कि सरकार ने लगातार दूसरे वर्ष हमें 'एम' मार्क स्टेटस और मेजर स्पोर्ट्स इवेंट्स कमेटी से फंडिंग सहयोग प्रदान किया है।

चर्चा को आगे बढ़ते हुए मेजर स्पोर्ट्स इवेंट्स कमेटी के चेयरमैन विलफ्रेड एनजी ने कहा, हम क्रिकेट हांगकांग, चाइना के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल के आयोजन ने भागीदार बनकर काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट स्थानीय खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलने का अवसर देता है और जनता को उच्च स्तरीय प्रतियोगिताएं देखने का मौका प्रदान करता है। इससे खेल संस्कृति और सामुदायिक गौरव को बढ़ावा मिलता है तथा हांगकांग को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के केंद्र के रूप में स्थापित करने के हमारे उद्देश्य को और मजबूत करता है।

क्रिकेट हांगकांग, चाइना के मार्केटिंग और कमर्शियल निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा, 12 अंतरराष्ट्रीय टीमों में क्रिकेट दिग्गजों और युवा सितारों की मौजूदगी से इस बार प्रतिभा का स्तर अभूतपूर्व होगा। हमें उम्मीद है कि खेल की गुणवत्ता और रोमांच अपने चरम पर रहेगा। यह सिर्फ एक बड़ा क्रिकेट आयोजन नहीं, बल्कि हमारे शहर को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर भी है।

अरीवा स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक और वाणिज्यिक साझेदार रजनीश चोपड़ा ने कहा, सिक्सेस ऐसा आयोजन है जिसे हम वर्षों से देखते आ रहे हैं। हम हमेशा से किसी अलग तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजन पर काम करना चाहते थे और सिक्सेस ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें परंपरा भी है और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की क्षमता भी। हम इसका हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं।

इवेंट का आधिकारिक साझेदार हांगकांग जॉकी क्लब है, जिसके साथ मिलकर जॉकी क्लब हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस कम्युनिटी प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा, जो स्थानीय लोगों में क्रिकेट को बढ़ावा देगा। इसमें मास्टरक्लास, अन्य खेल व सांस्कृतिक स्टॉल्स भी शामिल होंगे। पहली बार क्रिकेट हांगकांग, चाइना ने सांस्कृतिक बूथ और मिनी क्रिकेट अनुभव को प्रदर्शनी के रूप में टूर्नामेंट स्थल पर शामिल किया है। यहां चार बूथ लगाए जाएंगे जहां जनता खेल का अनुभव ले सकेगी। इस कार्यक्रम के तहत दिव्यांग और वंचित समुदाय के लिए निःशुल्क टिकट भी दिए जाएंगे ताकि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले एम मार्क इवेंट का आनंद लेने का समान अवसर मिल सके।

प्रतियोगिता का प्रारूप

इस बार 12 अंतरराष्ट्रीय टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें विश्व की नंबर एक टीम भारत, नंबर दो टीम ऑस्ट्रेलिया और टीम हांगकांग, चाइना शामिल हैं।

पूल ए: दक्षिण अफ्रीका (ए1), अफगानिस्तान (ए2), नेपाल (ए3) **पूल बी:** ऑस्ट्रेलिया (बी1), इंग्लैंड (बी2), यूएई (बी3) **पूल सी:** भारत (सी1), पाकिस्तान (सी2), कुवैत (सी3) **पूल डी:** श्रीलंका (डी1), बांग्लादेश (डी2), हांगकांग, चाइना (डी3)

पूल स्टेज के बाद हर ग्रुप की शीर्ष 2 टीमें क्वार्टर फाइनल में जाएंगी। क्वार्टर फाइनल के विजेता कप सेमीफाइनल खेलेंगे और हारने वाली टीमें प्लेट सेमीफाइनल में उतरेंगी। प्रत्येक ग्रुप की सबसे निचली टीम बाउल प्रतियोगिता खेलेगी। तीन दिनों में कुल 29 मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक मैच 6 ओवर का होगा, हर टीम में 6 खिलाड़ी होंगे और हर गेंदबाज एक ओवर डालेगा (विकेटकीपर को छोड़कर), एक गेंदबाज 2 ओवर फेंक सकता है।

आर्चरी प्रीमियर लीग मेरे ओलंपिक सपनों की राह का पुल साबित हो सकती है- दीपिका कुमारी

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत की स्टार तीरंदाज और पूर्व विश्व नंबर-1 दीपिका कुमारी ने आने वाली आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) को भारतीय तीरंदाजी के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। दीपिका का मानना है कि यह पेशेवर फ्रेंचाइज़ी-आधारित प्रतियोगिता उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका देगी, जो लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में पदक जीतने की उनकी तैयारी में अहम भूमिका निभाएगी। दीपिका, जो संभवतः अपने करियर का पाँचवाँ और अंतिम ओलंपिक 2028 में खेलेंगी, ने कहा कि एपीएल जैसी प्रतियोगिता उनके खेल को निखारने और अल्टीमेट टारगेट हासिल करने के लिए बेहद ज़रूरी है। उन्होंने एक बयान में कहा, मेरे लिए लॉस एंजेलिस 2028 सबसे बड़ा लक्ष्य है। मैंने हमेशा ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने का सपना देखा है और मुझे विश्वास है कि आर्चरी प्रीमियर लीग उस सपने तक पहुँचने की ताकत बनेगी। यह लीग हमें वही दबाव और माहौल देगी, जो ओलंपिक में महसूस होता है—भरे स्टेडियम, हर तीर की अहमियत और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला। ऐसे माहौल में खेलना मुझे और मज़बूत बनाएगा। भारत में तीरंदाजी का चेहरा मानी जाने वाली दीपिका पिछले एक दशक से लगातार देश का परचम लहरा रही हैं। जमशेदपुर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक का उनका सफर अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणा रहा है। कई बार विश्व नंबर-1 रैंकिंग हासिल करने वाली दीपिका ने वर्ल्ड कप में कई पदक जीते हैं। वह पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। दीपिका ने कहा कि एपीएल में अमेरिकी दिग्गज और कई बार के ओलंपिक पदक विजेता ब्रैडी एलिसन जैसे सितारों के साथ खेलने से अपार अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा, जब भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज एक ही टीम में होंगे, तो हम प्रशिक्षण पद्धतियाँ, रणनीतियाँ और मानसिकता साझा करेंगे। यही तरीका स्तर को ऊँचा उठाने का है। मैं उत्साहित हूँ कि हम एक-दूसरे को कैसे बेहतर बनाएंगे।, अपने व्यक्तिगत लक्ष्य से आगे बढ़कर दीपिका ने ज़ोर दिया कि एपीएल जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के लिए भी क्रांतिकारी साबित होगी। उन्होंने कहा, तीरंदाजी महंगा खेल है। गाँवों में कई प्रतिभाशाली बच्चे होते हैं, लेकिन वे उपकरण और अकादमी का खर्च नहीं उठा पाते।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में योगेश कथुनिया ने पुरुष डिस्कस F56 इवेंट में जीता रजत

नई दिल्ली। भारतीय पैरा एथलीट योगेश कथुनिया ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मंगलवार को पुरुष डिस्कस थ्रो इवेंट में रजत पदक जीता। योगेश ने अपने दूसरे प्रयास में 42.49 मीटर का थ्रो किया, जो केवल ब्राजील के क्लाउडिनी बस्टिस्टा के 45.67 मीटर के थ्रो से पीछे था, जिन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ग्रीस के कोंस्टेंटिनोस ज़ोनिस ने 39.97 मीटर की दूरी के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। यह योगेश का लगातार तीसरा रजत पदक हैं, उन्होंने इसे 2023 और 2024 में फ्रांस और जापान में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी जीता था। भारत ने इस प्रतियोगिता में अब तक कुल छह पदक जीते हैं, जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य शामिल है ।

हेरिटेज एक्सपेरिएंशल लर्निंग स्कूल ने ड्रीम डैश 2025 नेशनल फिनाले में जीते 10 पदक, उसैन बोल्ट ने बढ़ाया उत्साह

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

गुरुग्राम स्थित हेरिटेज एक्सपेरिएंशल लर्निंग स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने ड्रीम डैश 2025 नेशनल फिनाले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सोमवार को कुल 10 पदक अपने नाम किए। देशभर के बेहतरीन प्रतिभागियों के बीच मुकाबले में स्कूल के खिलाड़ियों ने अनुशासन, जज्बे और उत्कृष्टता का परिचय देते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

ड्रीम डैश, जो भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय स्कूल एथलेटिक्स कार्यक्रम है, में 15 शहरों के 400 से अधिक स्कूलों के 7,000 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कई महीनों तक चले शहर-स्तरीय क्वालिफायर मुकाबलों के बाद दिल्ली-एनसीआर में आयोजित राष्ट्रीय फिनाले में हेरिटेज एक्सपेरिएंशल स्कूल के एथलीट्स ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और सबसे सफल दलों में शामिल रहे। इस प्रतियोगिता की खासियत रही ओलंपिक चैम्पियन और विश्व एथलेटिक्स के दिग्गज उसैन बोल्ट की मौजूदगी, जिनकी उपस्थिति ने खिलाड़ियों का उत्साह दोगुना कर दिया। उनके साथ मुलाकात युवा एथलीट्स के लिए जीवनभर की प्रेरणा बन गई। स्कूल की पदक सूची का नेतृत्व प्रत्युष नायक और शुभ मंत्रि ने किया, जिन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में डबल गोल्ड जीते। नंदिका जैन ने 200 मीटर में स्वर्ण और 100 मीटर में रजत हासिल किया, जबकि रिनायरा दलाल ने 100 मीटर में रजत अपने नाम किया। अवनी अग्रवाल ने 200 मीटर में कांस्य पदक जीता और सेहर अरोड़ा सुवर्णा ने भी अपने वर्ग में कांस्य पदक दिलाया। वहीं, आयान नथानी ने 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर कुल पदकों की संख्या 10 पर पहुंचाई।

दिग्गज ओलंपियन कार्ल लुईस बने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025 के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025, जिसे प्रोकेम इंटरनेशनल प्रमोट कर रहा है, ने इस वर्ष इतिहास के महानतम एथलीटों में से एक कार्ल लुईस को इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर बनाया है। नौ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कार्ल लुईस 12 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से प्रतिष्ठित दौड़ का उद्घाटन करेंगे।

कार्ल लुईस का शानदार करियर आज भी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने चार ओलंपिक खेलों में भाग लिया और कुल नौ स्वर्ण पदक जीते, जो आधुनिक ओलंपिक इतिहास में किसी भी ट्रैक और फील्ड एथलीट द्वारा जीते गए सबसे अधिक स्वर्ण पदक हैं।

1984 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में लुईस ने अपने प्रदर्शन से वैश्विक ख्याति हासिल की। उन्होंने 100 मीटर (9.99 सेकंड), 200 मीटर (19.8 सेकंड), लंबी कूद (8.54 मीटर) और 4म100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीतकर जेस्सी ओवेन्स के 1936 बर्लिन ओलंपिक कारनामे के समान इतिहास रचा। यह उपलब्धि उन्हें ओलंपिक इतिहास के केवल तीसरे एथलीट बनाती है जिन्होंने एक ही खेलों में चार स्वर्ण पदक जीते।

इसके बाद उन्होंने 1988 सियोल ओलंपिक में 100 मीटर फाइनल में विश्व रिकॉर्ड समय और 1992 बार्सिलोना में लंबी कूद में 8.67 मीटर तथा 4×100 मीटर रिले

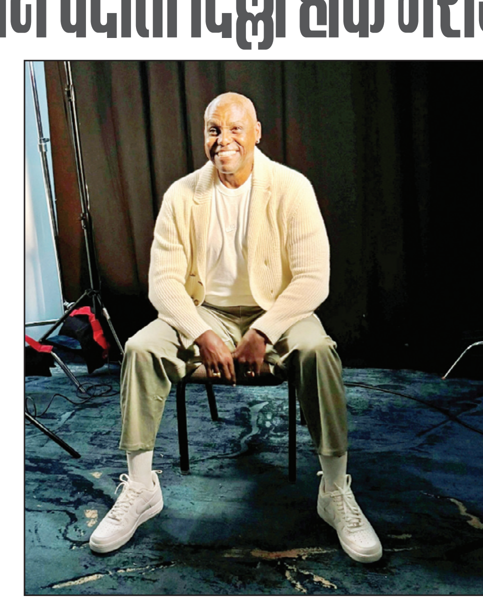

(37.40 सेकंड) में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने अपने करियर का समापन 1996 एटलांटा ओलंपिक में लगातार चौथा लंबी कूद स्वर्ण जीतकर किया। कार्ल लुईस केवल तीन ओलंपियनों में से एक हैं जिन्होंने एक ही व्यक्तिगत इवेंट में चार बार स्वर्ण जीता। उनके रिकॉर्ड मानव क्षमता और उत्कृष्टता का प्रतीक हैं।

कार्ल लुईस ने एक बयान में कहा, दौड़ना संभावना और प्रगति की सार्वभौमिक भाषा है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन जैसी प्रतियोगिताएं साबित करती हैं कि खेल केवल रिकॉर्ड और पदक तक सीमित नहीं हैं; यह जीवन बदलता है, समुदाय बनाता है और सपनों को प्रेरित करता है। मैं इस यात्रा का हिस्सा बनकर खुश हूँ, यह जानते हुए कि हर धावक, चाहे वह पहली बार दौड़ रहा हो या प्रतिष्ठित एथलीट, बाधाओं को तोड़ने, प्रेरित करने और नई सीमाओं को पार करने की शक्ति रखता है। आइए हम सिर्फ गति के लिए नहीं, बल्कि उस आत्मा के लिए दौड़ें जो हमें हर दिन आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा, हमारे इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में दिग्गज कार्ल लुईस का स्वागत करना हमारे लिए गर्व की बात है। उनकी यात्रा असीम मानव क्षमता का उदाहरण है, जो वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन की प्रेरणा से मेल खाती है। हर किलोमीटर हमें एक मजबूत और स्वस्थ भारत के करीब ले जाता है।

प्रोकेम इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक विवेक सिंह ने कहा, कार्ल केवल अपनी उपलब्धियों से ही महान नहीं हैं, बल्कि उनके खेल में विश्वास से भी प्रेरित करते हैं। उनकी भागीदारी भारत के हर धावक के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन दृढ़ संकल्प और प्रगति का प्रतीक है, और कार्ल जैसे आइकन के साथ, हम आशा करते हैं कि हर प्रतिभागी अपने सपनों को पूरा करने और अपनी खुद की विरासत बनाने का साहस पाए।

एडीबी का अनुमान- वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली,30 सितंबर (एजेंसियां)।

एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। एडीबी ने कहा कि भारतीय सामानों पर अमेरिकी टैरिफ का दूसरी तिमाही में असर पड़ेगा, जिससे गति में गिरावट आएगी।

एडीबी ने मंगलवार को जारी अपने ताजा एशियन डेवलपमेंट आउटलुक (एडीओ) में कहा कि पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की मजबूत विकास दर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। एडीबी का कहना है कि भारतीय निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का प्रभाव विशेष रूप से दूसरी छमाही की संभावनाओं को कम करेगा। इससे पहले अप्रैल में एडीबी ने अपने एशियन डेवलपमेंट आउटलुक में भारत की जीडीपी 7 फीसदी की दर से बढ़ोने का अनुमान जताया था। इसे भारत से निर्यात होने वाले माल पर अमेरिका के 50 फीसदी शुल्क लगाए जाने की चिंता के कारण जुलाई की अपनी रिपोर्ट में आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। एशियन डेवलपमेंट बैंक ने अपने एडीओ में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बेहतर खपत और सरकारी व्यय के कारण जीडीपी में 7.8 फीसदी की मजबूत वृद्धि हुई है, लेकिन भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क से विकास दर में कमी आएगी। खासकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 2026-27 मेंज। एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार शुल्क लागू होने के कारण निर्यात में कमी का असर चालू वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 दोनों में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर पड़ेगा। इसके परिणामस्वरूप शुद्ध निर्यात अप्रैल में पहले के अनुमान से अधिक तेजी से घटेगा। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि कर राजस्व वृद्धि में कमी के कारण राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 फीसदी के बजट अनुमान से अधिक रहने की संभावना है।

न्यूज ब्रीफ

त्योहारी सीजन में जीएसटी कटौती से बाजार में उछाल, बिक्री दोगुनी तक पहुंची

नई दिल्ली। देशभर में जीएसटी दरों में कटौती के बाद त्योहारी सीजन में खरीदारी का उछाल देखने को मिला है। नवरात्रि के दौरान कार, दोपहिया वाहन, टीवी, फ्रिज, और प्रीमियम घड़ियों की बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक कई श्रेणियों में बिक्री दोगुनी से अधिक हो गई है। मारुति सुजुकी, ह्युंडई, और टाटा मोटर्स जैसी कंपनियों की कारों की बिक्री नवरात्रि में 100 से 133 प्रतिशत तक बढ़ी है। त्योहारी मांग केवल शहरी इलाकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि ग्रामीण बाजारों में भी प्रीमियम उत्पादों की खरीदारी में तेजी देखी गई है। अच्छे मानसून और त्योहारी ऑफर्स की वजह से ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहक भी महंगे उत्पादों को खरीदने लगे हैं। ट्रैक्टर की बिक्री में भी 30 से 40 प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। वहीं त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स क्षेत्र की बिक्री में 27 प्रतिशत की तेजी की उम्मीद जताई जा रही है। इस दौरान ई-कॉमर्स कंपनियां लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये के उत्पाद बेचेंगी। क्विक कॉमर्स के ऑर्डर में 85 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो तेज डिलीवरी की बढ़ती मांग को दर्शाता है। यह क्विक कॉमर्स को त्योहारी सेल का एक प्रमुख विकास चालक बना रहा है। त्योहारी सीजन के दौरान सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) की कर्ज मांग 35-40 प्रतिशत बढ़कर 3.45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इससे पता चलता है कि कारोबारियों को विस्तार के लिए वित्तीय मदद की जरूरत अधिक हो रही है।

रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की 5 सहायक कंपनियां 12 मिलियन डॉलर में बेचीं

मुंबई। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया में स्थित अपनी 5 सहायक कंपनियों को

12 मिलियन डॉलर में बेचने की घोषणा की है। यह ट्रांजेक्शन सोमवार को हुआ, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। बीएसई में रिलायंस पावर का शेयर 44.94 रुपये के स्तर पर खुला और इंट्रा-डे हाई 46 रुपये तक पहुंच गया। रिलायंस पावर ने इंडोनेशिया की पांच कंपनियों पीटी अवनिश कोल रिसोर्सज, पीटी हेरामबा गोयल, पीटी सुमुखा व अन्य को बेचने का फैसला किया है। यह डील रिलायंस पावर नीदरलैंड्स बीवी और रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) के माध्यम से की गई है। इन पांचों कंपनियों की कुल नेट वर्थ 16909 लाख रुपये है, जो रिलायंस पावर के कुल नेट वर्थ का मात्र 0.53 प्रतिशत है। कंपनी ने बताया कि इन सहायक कंपनियों से वित्त वर्ष 2025 में कोई भी आय नहीं हुई है। खरीदार कंपनी प्रमोटर ग्रुप से संबंधित नहीं है और रिलायंस ग्रुप के साथ इनका कोई संबंध नहीं है। इस डील के पूरा होने की उम्मीद 30 दिसंबर तक है। रिलायंस पावर के शेयरों में डील की खबर के बाद सकारात्मक तेजी आई है। कंपनी के शेयरों ने पिछले एक साल में 3.93 प्रतिशत की गिरावट झेली है, जबकि पांच वर्षों में 1468 प्रतिशत का आकर्षक रिटर्न दिया है।

भारत का केबल और वायर उद्योग: तेजी से बढ़ती मांग और मजबूत भविष्य

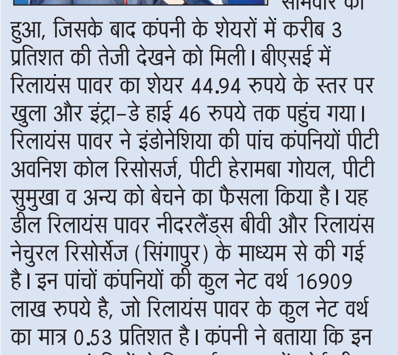

नई दिल्ली। भारत का केबल और वायर (सीएंडडब्ल्यू) उद्योग वर्तमान में जबरदस्त विकास के दौर से गुजर रहा है। तेजी से बढ़ रहे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश, इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में वृद्धि और मजबूत रियल एस्टेट सेक्टर इस उद्योग की मांग को बढ़ावा दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, निवेशकों की चिंताओं के बावजूद, इस सेक्टर के लंबे समय तक बढ़ने के कारण सुरक्षित हैं। हालांकि नए खिलाड़ियों के आने से प्रतिस्पर्धा बढ़ने का डर था, लेकिन अभी तक बाजार में स्थिति संतुलित है। नए प्रोजेक्ट बड़े पैमाने पर शुरू नहीं हुए हैं और मजबूत घरेलू मांग अतिरिक्त सप्लाई को सहन कर रही है। कच्चे माल जैसे कॉपर और एल्यूमिनियम की बढ़ती कीमतों का असर कंपनियां ग्राहकों पर डाल पा रही हैं, जिससे रेवेन्यू ग्रोथ पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। वित्त वर्ष 20 से भारत सीएंडडब्ल्यू का नेट एक्सपोर्टर बन गया है। वित्त वर्ष 17 से वित्त वर्ष 25 के बीच निर्यात लगभग 19 फीसदी सालाना दर से बढ़ा है। अमेरिका और यूएई जैसे बाजारों में निर्यात तेजी से बढ़ा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जस्टिस डिलेड ...

प्रत्येक न्यायाधीश को प्रतिदिन सैकड़ों मामलों का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी तो 1,000 से भी ज्यादा। केवल पांच घंटे काम करने पर, यानि प्रति मामले एक मिनट से भी कम समय। व्यवहारिक तौर पर देखें तो कई मामलों की सुनवाई ही नहीं होती।

वकीलों का कहना है कि जमानत याचिका या बेदखली स्थगन जैसे जरूरी मामलों की सुनवाई पहले की जाती है, जिससे पुराने मामले सूची में नीचे खिसक जाते हैं। वरिष्ठ वकील कहते हैं कि अदालतें अक्सर जरूरी मामलों में अंतरिम या अस्थायी आदेश जारी करती हैं। लेकिन एक बार तत्काल जरूरत पूरी हो जाने के बाद, नए मामलों के ढेर लग जाने से मामला लटक जाता है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमर सरन कहते हैं कि बढ़ते लंबित मामलों ने न्यायाधीशों को सरल दृष्टिकोण अपनाने पर मजबूर कर दिया है।

अभी हाल ही, अदालत को 40 साल से ज्यादा समय से लंबित एक बलात्कार और हत्या के मामले में फैसला सुनाते समय अपनी देरी की गंभीरता का सामना करना पड़ा। फैसला सुनाए जाने तक, पांच दोषियों में से चार की मृत्यु हो चुकी थी। एकमात्र जीवित बचे दोषी को आत्मसमर्पण करने का आदेश देते हुए, अदालत ने स्वीकार किया कि उसे पहले फैसला न सुना पाने का पछतावा है। लंबित मामलों के कारण कानूनी कार्रवाई भी हुई है। इस साल की शुरुआत में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वकीलों के एक समूह ने और अधिक न्यायिक नियुक्तियों की मांग करते हुए कहा था कि न्यायाधीशों की कमी के कारण अदालत पंगु हो गई है, जिसके कारण मामले सालों तक लटके रहते हैं।इस संकट ने भारत की सर्वोच्च अदालत का ध्यान खींचा है। जनवरी में, सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मामलों की सूची के अप्रत्याशित होने को चिंताजनक बताया था और कहा था कि व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। अनिश्चित सुनवाई की तारीखें लोगों को, खासकर विशाल उत्तर प्रदेश में, बहुत प्रभावित करती हैं। कई लोग अपनी सुनवाई के लिए बस कुछ ही दिनों की सूचना पर सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करके प्रयागराज पहुंचते हैं, जहां अदालत स्थित है।बाबू राम राजपूत कानपुर के रहने वाले हैं, जो प्रयागराज से 200 किलोमीटर (125 मील) दूर है। हर बार जब उनका मामला सूचीबद्ध होता है, तो उन्हें लगभग चार घंटे का सफर तय करना पड़ता है। फिर भी उन्हें कभी यकीन नहीं होता कि उनकी सुनवाई होगी भी या नहीं। वे कहते हैं, मेरी उम्र 70 से ज्यादा है। मुझे अक्सर कुछ दिन पहले ही पता चलता है कि मेरा मामला सूचीबद्ध है, जिससे सफर करना मुश्किल हो जाता है। वे कहते हैं कि कई बार उनके मामले की सुनवाई नहीं हो पाती क्योंकि दूसरे मामले पूरा दिन ले लेते हैं।वकील लंबे समय से अदालत से राज्य के पश्चिमी हिस्से में एक और पीठ स्थापित करने का आग्रह कर रहे हैं। पहुंच आसान बनाने और सुनवाई में तेजी लाने के लिए किसी दूसरे शहर खास तौर पर मेरठ या गाजियाबाद में उच्च न्यायालय की एक और शाखा जरूरी है। वर्तमान में, लखनऊ शहर में एक अतिरिक्त पीठ मौजूद है। 1985 में एक सरकारी आयोग ने भी इसी तरह की सिफ़ारिश की थी, लेकिन उसे अभी तक लागू नहीं किया गया है।इस साल की शुरुआत में, राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय से एक और पीठ स्थापित करने का आग्रह किया था, लेकिन बाद में अज्ञात कारणों से पत्र वापस ले लिया गया। अधिक पीठों की मांग केवल उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं है। 2009 की विधि आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सभी राज्यों को अतिरिक्त उच्च न्यायालय शाखाओं से लाभ होगा। हालांकि नई पीठें दीर्घकालिक रूप से मददगार हो सकती हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक न्यायाधीशों की नियुक्ति जैसे त्वरित समाधान की आवश्यकता है।लेकिन यह प्रक्रिया धीमी और जटिल है। उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश पहले उम्मीदवारों की सूची बनाते हैं, फिर राज्य और संघीय सरकारें, और भारत के मुख्य न्यायाधीश, उस सूची की समीक्षा करते हैं। इसके बाद, सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश नियुक्ति के लिए अंतिम सूची संघीय सरकार को भेजते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सही उम्मीदवारों का चयन अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर का कहना है कि अक्सर राज्य के बाहर से नियुक्त मुख्य न्यायाधीश स्थानीय वकीलों या न्यायाधीशों को नहीं जानते होंगे, जिससे सिफारिशें जटिल हो जाती हैं। नामों को किसी भी स्तर पर अस्वीकार किया जा सकता है और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उन्हें सरकार को भेजे जाने तक गोपनीय रखा जा सकता है।

पिछले साल, सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के लिए केवल एक नियुक्ति की सिफारिश की थी, जबकि लगभग आधी सीटें खाली थीं। इस साल 40 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के बाद कुछ प्रगति हुई, जिनमें से 24 की नियुक्ति पिछले हफ़्ते हुई। लेकिन लंबित मामलों की संख्या अभी भी बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबित मामलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि पूरी क्षमता होने पर भी, प्रत्येक न्यायाधीश 7,000 से ज्यादा लंबित मामलों को संभालेगा।

अप्रैल से दिसंबर 2023 के बीच राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को बच्चों से जुड़े अपराधों की करीब एक लाख शिकायतें मिलीं। इनमें सबसे अधिक 39,500 शिकायतें उपेक्षित, दिव्यांग और हाशिए पर पड़े बच्चों की देखभाल से जुड़ी थीं। बाल श्रम और संकटग्रस्त बच्चों से जुड़े लगभग 20 हजार मामलों में से 19,645 अब भी लंबित हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीस-ीआर) को पिछले साल अप्रैल से दिसंबर के बीच बाल अपराधों से जुड़ीं लगभग एक लाख शिकायतें मिलीं। इसमें सर्वाधिक 39,500 मामले किशोर न्याय और उपेक्षित, हाशिए पर पड़े या दिव्यांग बच्चों की देखभाल से संबंधित थीं। वहीं, बाल श्रम और संकटग्रस्त बच्चों से संबंधित शिकायतों की कुल संख्या लगभग 20 हजार थी। इसमें से 2024 के अंत तक 19,645 मामले लंबित थे।

महिला और बाल विकास मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीपीसीआर ने अपर्याप्त पुनर्वास सेवाएं, बाल देखभाल संस्थानों की खराब स्थिति और दिव्यांग बच्चों के लिए सीमित सहायता जैसे मुद्दे सबसे अधिक रिपोर्ट किए। शिकायतों की सबसे बड़ी श्रेणी किशोर न्याय और उपेक्षित, दिव्यांग बच्चों की देखभाल से संबंधित थी। इसमें 39,500 से अधिक केस दर्ज किए गए। इनमें से 18,954 का 2024 के अंत तक समाधान कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, बाल स्वास्थ्य, देखभाल और विकास की श्रेणी में 18,500 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। शिक्षा संबंधी शिकायतों के 8,200 से अधिक मामले थे। वहीं पॉक्सो अधिनियम के तहत 6,800 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें यौन शोषण, शोषण और बाल संरक्षण कानूनों के उल्लंघन के मामले शामिल थे। इसके अलावा, बाल तस्करी की 46 शिकायतें मिलीं।

संशोधन के बाद...

मुजफ्फरपुर से 282845, गोपालगंज से 310363, सीवान से 221711, सारण से 273223, वैशाली से 225953, समस्तीपुर से 283955, बेगू-सराय से 167756, खगड़िया से 79551, भागलपुर से 244612, बांका से 117346, मुंगेर से 74916, लखीसराय से 48824, शेखपुरा से 26256, नालंदा से 138505, पटना से 395500, भोजपुर से 190832, बक्सर से 87645, कैमूर (भभुआ) से 73940, रोहतास से 156148, अरवल से 30180, जहानाबाद से 53089, औरंगाबाद से 159980, गया से 245663, नवादा से 126450 और जमुई से 91882 मतदाताओं का नाम हटा दिया गया है। सूची प्रारूप में इनके नाम नहीं हैं।

वांगचुक की ...

करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने भी केंद्र से बातचीत न करने की घोषणा की। केडीए नेता सज्जाद करगिली ने गिरफ्तार लोगों की रिहाई की मांग की है।लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और क्षेत्र की पहचान को कायम रखने के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपाय करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। इसका नेतृत्व कर रहे लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच शुरू होने और सोनम वांगचुक सहित सभी कार्यकर्ताओं को बिना शर्त रिहा किए जाने तक बातचीत में शामिल नहीं होने की घोषणा की। एलएबी ने कहा कि अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश देने और सभी कैदियों को रिहा करने की मांगें मान लेती है तो वह बैठक में शामिल नहीं होने के अपने फैसले पर विचार करेगी और 6 अक्टूबर को वार्ता में शामिल होगी। दोनों नेताओं ने कहा, हम गृह मंत्रालय और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से आग्रह करेंगे कि वे वहां व्याप्त भय, गम और आक्रोश के माहौल को दूर करने के लिए कदम उठाएं।फबातचीत का बहिष्कार करने की घोषणा प्रदर्शन में हुई हिंसा के दौरान मारे गए चौथे मृतक का कर्फ्यूग्रस्त लद्दाख की राजधानी में भारी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किए जाने के कुछ घंटों बाद की गई। मृतक पूर्व सैनिक था।गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि सरकार लद्दाख मामलों पर एलएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। इसमें कहा गया, हम लद्दाख पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति या ऐसे किसी भी मंच के माध्यम से लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ चर्चा का स्वागत करते रहेंगे। बयान में क्षेत्र में विकास और रोजगार लाने वाले पिछले नतीजों की ओर इशारा किया गया। इसके मुताबिक, लद्दाख को लेकर संवाद करने के लिए गठित तंत्र से अब तक अच्छे परिणाम मिले हैं, जैसे लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में वृद्धि, एलएएचडीसी में महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करना और स्थानीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान करना। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 1800 सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। हमें विश्वास है कि निरंतर बातचीत से निकट भविष्य में सही नतीजे हासिल होंगे।एबीएल ने लद्दाखियों पर लगे राष्ट्र-विरोधी ठप्पे और सोनम वांगचुक समेत सभी गिरफ्तार लोगों को जेल से रिहा करने की मांग की है। एबीएल का आरोप है कि सोनम वागंचुक को एबीएल में शामिल होने के बाद निशाना बनाया गया। एबीएल राजनीतिक और धार्मिक समूहों का प्रतिनिधित्व करता है। यह संगठन लद्दाख के लिए छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों और राज्य के दर्जे की मांग कर रहा है। एबीएल के सह-अध्यक्ष चेरिंग दोरजे लाक्रुक ने कहा कि हमें राष्ट्र-विरोधी बताना हमारी देशभक्ति पर एक धब्बा है। उन्होंने आगे कहा कि हम बंदूक की नोक पर बातचीत नहीं कर सकते।लद्दाख के प्रतिनिधियों ने मांग की है कि प्रदर्शनकारियों के मौत की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज करें। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने सरकार से सोनम वांगचुक और सभी गिरफ्तार लोगों को रिहा करने की भी मांग की है। इन्हीं मांग को लेकर प्रतिनिधियों ने सरकार से 6 अक्टूबर को होने वाली बातचीत से इनकार कर दिया है।

95% क्षेत्र नियंत्रण...

अभियान चलाया जा रहा है। बलोच लड़ाके युद्ध में अनुभवी हैं और उन्हें बलोच लोगों का पूरा समर्थन प्राप्त है। इसके विपरीत पाकिस्तानी सैनिकों को बलोच धरती पर विदेशी कब्जाधारी के तौर पर देखा जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पाकिस्तान ने क्षेत्रों में टैंक, बख्तरबंद काफिले, एसएसजी कमांडो और नियमित सेना की दो पूर्ण पैदल सेना इकाइयां भेजी हैं। दोनों पक्षों के बीच विभिन्न हिस्सों में भीषण झड़पें जारी हैं।

बलूच नेता ने मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बलूचिस्तान गणराज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सीमा सुरक्षा बलों और रक्षा बलों ने बलूचिस्तान के संप्रभु क्षेत्र में तैनात अवैध और विदेशी पाकिस्तानी आतंकवादी मिलिशिया इकाइयों को निशाना बनाकर सफलतापूर्वक अभियान चलाया है। इस मुठभेड़ के दौरान, पाकिस्तानी आतंकी घुसपैठियों के वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वे बलूच राष्ट्रीय सेना द्वारा किए गए सटीक हमले से बाल-बाल बच गए। यह अभियान रक्षा के अधिकार का उपयोग करके अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा और अपनी धरती पर विदेशी सैन्य उपस्थिति को समाप्त करने के लिए गणराज्य की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।मीर यार बलूच ने कहा कि बलूचिस्तान गणराज्य के खुजदार जिले के जहरी और आसपास के इलाके में, पाकिस्तानी आतंकवादी मिलिशिया बलों ने बलूच नागरिकों के खिलाफ बिना किसी उकसावे के हिंसक हमला किया। लगातार बमबारी ने इस क्षेत्र को तबाह कर दिया है। फसलों को बुलडोजर से नष्ट कर दिया गया है। बिजली आपूर्ति प्रणाली को नष्ट कर दिया गया है, ट्रांसफार्मर और सौर पैनलों को जानबूझकर गोली मारकर नष्ट कर दिया गया है। मोरेन्की के निवासियों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है, जबकि दश्त कोलपुर के 50 से ज्यादा बलूच नागरिकों को जबरन गायब कर दिया गया है।उन्होने कहा कि पाकिस्तानी हमलावर बलों की ये हरकतें सैन्य आक्रमण से कहीं आगे जाती हैं। आम लोगों को उनकी सम्पत्ति और आजीविका से वंचित करने के लिए बल प्रयोग करके, और बंदूक की नोक पर नागरिकों को आतंकित करके, वे अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन कर रहे हैं। नागरिक बुनियादी ढांचे को नष्ट करना, आबादी को जबरन विस्थापित करना और अपहरण करना ऐसे अपराध हैं जो बलूचिस्तान के लोगों पर किए जा रहे व्यवस्थित उत्पीड़न को उजागर करते हैं।बलूच राष्ट्रवादी नेता हिर्बयार मरी का एक साक्षात्कार भी वायरल हुआ है। उन्हें बलूचिस्तान मुक्ति आंदोलन का अग्रदूत माना जाता है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान की आजादी स्थायी शांति लाएगी और दुनिया के इस हिस्से में पाकिस्तान के दशकों पुराने आतंकवाद का अंत करेगी। बलूचिस्तान देश राष्ट्रों और आस्थाओं के बीच की खाई को पाटने में भूमिका निभाएगा। पाकिस्तानी आक्रमण से पहले स्वतंत्र बलूचिस्तान के पहले वित्त मंत्री एक हिंदू थे। यह सिद्ध है कि बलूचिस्तान और भारत महान सभ्यताएं थीं।उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली को एक दीर्घकालिक नीति बनानी चाहिए और पश्तूनों, बलूचों, सिंधी, गिलगित और मुहाजिर जातियों के नेतृत्व के साथ गठबंधन करना चाहिए और उन्हें पाकिस्तान और चीन की नापाक योजनाओं का मुकाबला करने के लिए भारत आमंत्रित करना चाहिए। 1948 में पंजाबी मुस्लिम सेना ने बलूचिस्तान पर कब्जा कर लिया था। आक्रमण के बाद, कलात के बलूच राजा खान को दशकों तक पंजाब की जेल में रखा गया था। मोहम्मद अली जिन्ना ने एक वकील और बलूचिस्तान के मित्र के वेश में बलूच शासक खान कलात को धोखा दिया।

थिएटर कमांड पर...

तीनों सेनाओं की जरूरतों और क्षमताओं को शामिल किया जाएगा।

सेना से जुड़ी रिक्तियों और पाठ्यक्रमों में भी फेरबदल किया जा रहा है ताकि तीनों सेनाओं के कर्मी एक साथ प्रशिक्षण ले सकें, योगदान दे सकें और एक-दूसरे से सीख सकें। तीनों सेनाओं के संचार नेटवर्क को भी निर्बाध संचार और डेटा-शेयरिंग के लिए विस्तारित करने की योजना है। सभी स्तरों पर इंटर-सर्विस नियुक्तियों में वृद्धि की जानी है। इसके साथ ही, उपकरणों और प्लेटफार्मों के मानकीकरण के प्रयास भी चल रहे हैं ताकि अंतर-संचालन सुनिश्चित हो सके, आपूर्ति श्रृंखलाओं और पुर्जों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, वार्षिक गोपनीय रिपोर्टों के प्रारूप में भी बदलाव पर विचार किया जा रहा है ताकि वे सेवा-विशिष्ट और तीनों सेनाओं की आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित कर सकें।भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना को एक छतरी के नीचे लाने की कोशिशें अब जोर पकड़ रही हैं। थिएटराइजेशन, यानि थिएटर कमांड्स की स्थापना से पहले, ये तीनों सेनाएं आपस में घुलमिल रही हैं ताकि जंग के मैदान में सब एक साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ सकें। पहले हर सेना अपने-अपने तरीके से काम करती थी, लेकिन अब संसाधनों का सही इस्तेमाल और तेज कार्रवाई के लिए सब कुछ साझा हो रहा है। कोलकाता में हाल ही में हुई संयुक्त कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री ने खुद हिस्सा लिया, जहां बड़े फैसले हुए। जैसे, एक एकीकृत त्रि-सेवा शिक्षा कोर बनाना और पहले चरण में तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम व गांधीनगर में तीन संयुक्त सैन्य स्टेशन खोलना। ये कदम सेनाओं को मजबूत बनाने के लिए हैं, जहां उपकरणों को एक जैसा करना, खरीदारी का साझा चेन बनाना, ज्वाइंट ट्रेनिंग बढ़ाना और अफसरों की आपसी पोस्टिंग ज्यादा करना शामिल है। सोशल मेलजोल बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है ताकि सब एक-दूसरे की कार्य संस्कृति समझें।थिएटर कमांड आने से पहले, तीनों सेनाओं को एक-दूसरे की ताकत और कमजोरियां अच्छे से समझनी पड़ रही हैं। किसी भी ऑपरेशन की प्लानिंग से ही त्रि-सेवा जरूरतों को शामिल किया जा रहा है। लेकिन अभी भी थिएटर कमांड्स की स्ट्रक्चर पर तीनों सेनाओं में सहमति नहीं बनी है। ये समझ बढ़ाने से भविष्य में गलतियां कम होंगी और सब मिलकर बेहतर रणनीति बना सकेंगे। पड़ोसी देशों जैसे चीन और पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य हलचल ने इसकी जरूरत और ज्यादा महसूस कराई है। अमेरिकी मॉडल से प्रेरित ये कॉन्सेप्ट लंबे समय से चर्चा में है, लेकिन अब एक्शन मोड में आ गया है।अब जोर संयुक्त ट्रेनिंग पर है, ताकि हर अफसर और जवान एक-दूसरे के हथियारों और मशीनों से वाकिफ हो जाएं। जैसे आर्मी का अफसर नेवी के जहाज चलाने की ट्रिक सीखे, या एयर फोर्स वाला ग्राउंड ऑपरेशन समझे। इसके लिए कुछ कोर्सेज में सीटें बढ़ाई जा रही हैं और सिलेबस में बदलाव हो रहा है, जहां तीनों सेनाओं के लोग साथ-साथ पढ़ेंगे। ये बदलाव सेनाओं को इंटर ऑपरेबल बनाएंगे, यानि सबका सामान एक-दूसरे के साथ आसानी से जुड़ेगा। कहा जाता है कि जिस स्तर पर तीनों सेनाओं के बीच कम्युनिकेशन होना चाहिए, वो अभी भी सीमित है। लेकिन इसे बड़ा करने की योजना है ताकि डेटा शेयरिंग बिना रुकावट हो। कुछ पुरानी परंपराओं को धीरे-धीरे खत्म या स्टैंडर्डाइज किया जा रहा है। सोशल इंटरैक्शन बढ़ाने से अफसर एक-दूसरे की कामकाजी स्टाइल समझ रहे हैं। सभी लेवल पर क्रॉस-पोस्टिंग बढ़ेगी, उपकरण स्टैंडर्ड होंगे, सप्लाई चेन सरल बनेगी और स्पेयर पार्ट्स का मैनेजमेंट आसान होगा। कोलकाता कॉन्फ्रेंस में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, एक राष्ट्र, एक सेना का कॉन्सेप्ट साकार करने के लिए एकता जरूरी है। अफसरों की सालाना गोपनीय रिपोर्ट्स का फॉर्मेट बदलने पर विचार हो रहा है। अब इसमें सिर्फ अपनी सेना के काम नहीं, बल्कि त्रि-सेवा अनुभव और जरूरतें भी शामिल होंगी। पिछले कुछ सालों में क्रॉस-पोस्टिंग, जॉइंट लॉजिस्टिक्स नोड्स बनाना, ट्रेनिंग और रिक्रूटमेंट में कोऑर्डिनेशन बढ़ा है। ये सब एक कॉमन माइंडसेट, शेयर्ड स्ट्रैटेजी और इंटीग्रेटेड सिस्टम बनाने के लिए हैं।

भारी तादाद में...

लिए किया जा रहा था। दुबई और दुनिया भर के विभिन्न स्थानों पर यूएसडीटी हस्तांतरण की सुविधा के लिए क्रिप्टो वॉलेट के माध्यम से आंगडिया सेवाओं के उपयोग का पता चला है। इसके अलावा, कई खच्चर खातों की पहचान, जुए की जीत को जमा करने और निकालने के लिए किए जाने के रूप में की गई थी, जिन्हें बाद में विदेशों में विभिन्न व्यक्तियों को हस्तांतरित कर दिया गया था।इसके अलावा, कार्रवाई के दौरान 90 लाख रुपए से अधिक मूल्य की यूएसडीटी सहित विभिन्न क्रिप्टोकरेंसी बरामद की गईं। ईडी ने उन्हें फ्रीज कर दिया है। आपराधिक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं, जिनसे फेमा प्रावधानों के उल्लंघन के साथ-साथ सीमा पार हवाला/क्रिप्टो लेनदेन से संबंध स्थापित होते हैं। केस में आगे की जांच जारी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor, APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19), Near Bus Stand, Ranigunj, Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र में हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढाने के उद्देश्य से एनएमडीसी लिमिटेड, मुख्यालय ने दि. 29 सितम्बर 2025 को अनुसंधान एवं विकास केंद्र के कार्मिकों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के आरम्भ में मुख्यालय के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) रुद्रनाथ मिश्र ने बताया कि प्रत्येक वर्ष एक कार्यशाला का आयोजन विशेष रूप से अनुसंधान एवं विकास कार्मिकों के लिए आयोजित किया जाता है ताकि उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर सत्रों का संचालन किया जा सके। तत्पश्चात श्री राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यशाला में सभी का स्वागत किया एवं कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि एस.के.चौरसिया, महाप्रबंधक, अनुसंधान एवं विकास ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी से हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने एवं भाषा का सरल स्वरूप अपनाने पर बल दिया। उन्होंने इस विशेष कार्यशाला के आयोजन के लिए मुख्यालय, राजभाषा विभाग को साधुवाद दिया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्री जयशंकर तिवारी, सहायक निदेशक (सेवानिवृत्त), हिंदी शिक्षण योजना ने ई-टूल्स एवं उनके माध्यम से हिंदी में टिप्पणी एवं पत्राचार पर सत्र लिया एवं अभ्यास करवाया। उन्होंने हिंदी की मानक शब्दावली एवं अनुवाद पर सविस्तार चर्चा की।

कार्यशाला के अन्य सत्रों में राजभाषा नीति एवं वार्षिक कार्यक्रम, दैनिक कार्यालयीन कामकाज में आने वाले वाक्यांश एवं सामूंहिक विचार विमर्श के सत्र शामिल रहे। कार्यशाला में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। आयोजन में श्री मनीष टोपनो, उप महाप्रबंधक (कार्मिक) ने विशेष सहयोग किया। श्री राजेश कुमार गोंड के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

श्री संकट मोचन हनुमान गौ सेवा ट्रस्ट का गौमाता नाम एवं मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम 5 को

हैदराबाद 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आगामी 5 अक्टूबर को मुसापेट स्थित श्री संकट मोचन हनुमान गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा गौमाता के नाम एवं मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, फिल्म प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल, तेलंगाना गुजराती समाज अध्यक्ष परिमल पारीक सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।इस आयोजन के लिए ट्रस्ट के सदस्य जसमत पटेल एवं अन्य सदस्यों ने सभी को सादर निमंत्रित किया। कार्यक्रम में गौ सेवा एवं धार्मिक आस्था के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला जाएगा और गौ माता की सेवा को लेकर

सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का प्रयास होगा।गौ सेवा ट्रस्ट का उद्देश्य गौ माता की पूजा और संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव और धार्मिक संस्कारों को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम से मुसापेट में धार्मिक एवं सामाजिक जीवन को एक नई ऊर्जा मिलेगी और स्थानिक स्तर पर गौ माता की महत्ता को उजागर किया जाएगा।

बीडीएल में हिंदी माह के अंतर्गत पक्षोत्सव के दूसरे भाग का समापन

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत डायनामिक्स लिमिटेड में इस वर्ष 'प्रतियोगिताएँ, प्रोत्साहन और प्रचार-प्रसार' संकल्पना के अंतर्गत पूरे एक महीने दो भागों में पक्षोत्सव मनाया गया। दि. 01 से 14 सितंबर तक आयोजित पक्षोत्सव भाग -1 के अंतर्गत उद्घाटन और दैनिक कामकाज में लाभदायी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनके विजेताओं को दिनांक 19 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान उद्यम के सी एम डी कमोडोर ए माधवाराव (से.नि.) ने निदेशकगण और उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में नक़द पुरस्कार प्रदान कर विजेताओं को सम्मानित किया और राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त होने पर सभी को बधाई दी। दि. 15 से 30 सितंबर के बीच पक्षोत्सव भाग-2 के दौरान 'प्रोत्साहन और प्रचार-प्रसार' के अंतर्गत बीडीएल पर बनी हिन्दी फिल्म का प्रदर्शन क्रमागत रूप से कर्मचारियों के लिए किया गया। इसी क्रम में तकनीकी क्षेत्रों में

कार्यरत हिन्दी और अन्य भाषा-भाषी अधिकारियों को तकनीकी विषयों पर व्याख्यान देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए तकनीकी विषयक व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई। इसके अंतर्गत तीन व्याख्यान हुए।

सागर हरनौल, वरिष्ठ प्रबंधक (अभिकल्पन एवं इंजीनियरी) ने 'लेसर तकनीक का सामरिक दृष्टि से रक्षा क्षेत्र में अनुप्रयोग, चुनौतियाँ और लाभ' विषय पर व्याख्यान दिया और रक्षा क्षेत्र में वर्तमान में लेज़र टेक्नॉलॉजी के प्रयोग और इसकी विशेषताओं से सभी को अवगत कराया। इसी प्रकार दिवाकर दास, सहायक प्रबंधक (सिविल) ने 'भू-राजनीति के बदलते आयाम' जैसे समसामयिक व महत्वपूर्ण विषय पर रोचक व्याख्यान दिया जबकि मोहम्मद ताबिश ने रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता' और इससे हाल ही में सैन्य ऑपरेशन में हुए लाभ पर व्याख्यान देते हुए ट्रान्सफर ऑफ टेक्नॉलॉजी से बनने वाली मिसाइलों की तकनीक के स्वदेशीकरण तथा स्वदेश में निर्मित विभिन्न मिसाइल प्रणालियों व इनसे जुड़े उपकरणों की विस्तार से जानकारी दी। इन कार्यक्रमों के अलावा सितंबर 2024 से अगस्त 2025 की अवधि के बीच मौलिक कामकाज में हिन्दी का प्रयोग कर राजभाषा कार्यान्वयन व उद्यम के कारोबारी प्रगति में योगदान देने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के कामकाज का मूल्यांकन किया गया और उन्हें नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

दि. 29 सितंबर को आयोजित समापन कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक (राजभाषा) होमनिधि शर्मा ने राजभाषा कार्यान्वयन का उद्यम की कारोबारी प्रगति में योगदान और इसकी भावी कार्य योजना विषय पर विस्तृत रूप से प्रस्तुतीपरक व्याख्यान दिया और सभी अर्ह्य अधिकारी और कर्मचारियों को नक़द पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

सफलतापूर्वक आयोजित पक्षोत्सव के इस दूसरे भाग के समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ नरसिंहम शिवकोटी, उप प्रबंधक (राजभाषा) ने किया जबकि राजभाषा विभाग के राजभाषा अधिकारी अंकित सिंह और मनोहर नाईक, मुख्य कार्यालय अधीक्षक का सक्रिय योगदान रहा।

नवरात्रि पर 'आई लव गौमाता' अभियान की शुरुआत

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नवरात्रि के पावन अवसर पर गोमाता को राष्ट्र माता घोषित करने के संकल्प के साथ गौ संरक्षण और सेवा को समर्पित 'आई लव गौमाता' अभियान की शुरुआत की गई। लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ट्रस्टी रंजना शाह और विरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि हाल ही में तेलंगाना में आई भीषण बारिश से कई गौशालाएं प्रभावित हुई हैं, हजारों एकड़ में घास की खेती नष्ट हुई है और कई स्थानों पर गौमाताओं के डूबने व बीमार होने की खबरें भी आई हैं।

इस संकट से उबारने के लिए नवरात्रि के आयोजनों में विशेष स्टाल लगाकर आर्थिक सहयोग जुटाया जा रहा है। अत्तापुर में आयोजित लेजेन्ड नवरात्रि उत्सव के संचालक प्रतापभाई जाडेजा ने प्रत्येक कॉम्प्लिमेंट्री पास पर 200 रुपये सहयोग राशि लेने की घोषणा की और नौ दिनों में नौ गाड़ी चारा देने का आश्वासन भी दिया।

मुसापेट में शिव महापुराण कथा के दौरान भी अभियान का प्रचार हुआ, जिसमें पंडित ललित नागर और महंत मदनमोहनदास महाराज ने श्रद्धालुओं से गौसेवा का आह्वान किया। महंत मदनमोहनदास ने कहा, गावो विश्वस्य मातरः केवल उद्घोष

गोसेवा को जन आंदोलन बनाने की पहल

नहीं, बल्कि सृष्टि की रक्षा का मूल मंत्र है। कथाकार ललित नागर ने गौमाता को पर्यावरण, संस्कार और मानवता की आधारशिला बताया।

सिकंदराबाद स्थित श्री गुजराती सेवा मंडल संचालित स्कूल में अभियान की प्रचार सामग्री का विमोचन हुआ। इस अवसर पर कई सामाजिक संस्थाओं और प्रमुख व्यक्तियों ने सहयोग की घोषणा की, जिनमें आर.के. जैन, मुकेश चौहान, अशोक रामपुरिया, जसभाई पटेल, जनक ब्रह्मभट्ट, तरुण महेता, मयंकभाई प्रिंट पाइप आदि शामिल रहे।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल ने कहा कि गोमाता का संरक्षण केवल आस्था नहीं, बल्कि पारिस्थितिक और आर्थिक आवश्यकता है।

उन्होंने अपील की कि हर परिवार गाय का दूध अपनाए, जिससे मांग बढ़े और गोपालन को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा, अगर हम सच में गौभक्त हैं, तो आज ही संकल्प लें कि केवल गाय के दूध से बनी चाय ही पिएंगे।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से गौशालाओं को आर्थिक सहायता देने की अपील की गई है। रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि गोसेवा से जुड़े सभी लोगों को एक मंच पर लाकर सहयोग को संगठित करना ही इस अभियान का उद्देश्य है।

इस अभियान को गोवत्स फाउंडेशन, युग तुलसी फाउंडेशन, ग्लोबल हिंदू फाउंडेशन, श्री कामधेनु गौशाला ट्रस्ट, श्री जैन संस्कार वाटिका सहित कई संस्थाओं का समर्थन प्राप्त हुआ है।

श्री पहाड़ी हनुमान मंदिर, मोहिंद्रा हिल में माता रानी का डांडिया कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

28 सितंबर को श्री पहाड़ी हनुमान मंदिर, मोहिंद्रा हिल में माता रानी का भव्य डांडिया कार्यक्रम शाम 7 बजे से 9:30 बजे तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में भक्तगण उपस्थित हुए और डांडिया नृत्य का आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान बारिश भी हुई, लेकिन इससे श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ और लगभग 600 श्रद्धालु बिना रुके डांडिया में भाग लेते रहे। यह समारोह सुनीता गांधी, कपेश और राकी गोयल द्वारा भव्य रूप से सजाया गया था। सबसे अच्छी प्रस्तुति, भव्य वस्त्र और नृत्य हेतु पुरस्कार भी वितरित किये गए।

बड़े लोगों द्वारा इस आयोजन की बहुत प्रशंसा की गई और आग्रह किया कि यह कार्यक्रम हर साल निरंतर आयोजित किया जाए ताकि नवरात्रि के त्यौहार की खुशियां हर साल इसी प्रकार मनाई जा सकें।

जय मातादी युवा मित्रों द्वारा इमामपुरा में अन्नदान का आयोजन

हैदराबाद, 29 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जय मातादी युवा मित्रों के तत्वावधान में सोमवार रात 29 सितंबर को इमामपुरा के नव भारत संगम सामुदायिक भवन में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण और जल कार्य सीवरेज बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष जी. लक्ष्मीनारायण थे, जिन्होंने पहुंचकर देवी की विशेष पूजा की और अन्नदान कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में आयोजकों के. श्रीकांत और एस. सागर ने नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण और वाटर वर्क्स सीवरेज बोर्ड यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष जी. लक्ष्मीनारायण का शॉल और मालाओं से सम्मान किया। अतिथियों ने सभी पर देवी की कृपा बनी रहने की कामना की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अच्छी बारिश देवी की कृपा का ही परिणाम है।

इस अन्नदान कार्यक्रम में नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, जय मातादी युवा मित्रों एवं नव भारत संगम के प्रतिनिधि के. श्रीकांत, एस. सागर, डी. संतोष कुमार, डी. लक्ष्मीनारायण, ए. गौतम, सी. वरुण सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दशहरा नवरात्रि के पावन अवसर पर एन.आर. लक्ष्मण राव, अध्यक्ष बजरंग सेना तेलंगाना, श्री मरुथी यूथ एसोसिएशन, पूसल बस्ती, जंबाग द्वारा आयोजित होमन् में शामिल हुए। संघ के सदस्यों ने उन्हें पर्व की रौनक से भरे पंडाल मेंस्वागत किया और शॉल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रोहित, राजू, संतोष यादव, लड्डू, श्रीकांत, सिद्धू विवेक और कन्हैया सहित कई अन्य गणमान्य मौजूद रहे, जिन्होंने इस धार्मिक एवं उत्सवी माहौल को और भी भव्य बना दिया। इस आयोजन से दशहरा नवरात्रि के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को मजबूती मिली।

गुजराती गली इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में मां वैष्णो देवी युथ एसोसिएशन द्वारा स्थापित मां दुगा पंडाल में पूजा-अर्चना करते हुए जगदीश प्रसाद गुप्ता, सुमन, धर्मेंद्र, आयुष, अर्जुन एवं अन्य।

जीएसएम शताब्दी नवरात्रि उत्सव एवं अष्टमी हवन भव्यता से सम्पन्न

हैदराबादा, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद जीरा स्थित गुजराती स्कूल प्रांगण में श्री गुजराती सेवा मंडल द्वारा जी.एस.एम. शताब्दी नवरात्रि महोत्सव 2025 भव्यता एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री गुजराती सेवा मंडल के अध्यक्ष घनश्यामभाई पटेल व

मानद सचिव जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने बताया कि जी.एस.एम. शताब्दी नवरात्रि महोत्सव 2025 अंतर्गत मंगलवार दिनांक 30 सितम्बर 2025 को अष्टमी के अवसर पर विशेष हवन का आयोजन सम्पन्न हुआ। अष्टमी के मुख्य यजमान अनुपभाई पटेल एवं प्रदीपभाई उपाध्याय परिवार थे। अवसर पर तेलंगाना राज्य के उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क की धर्मपत्नी श्रीमती नंदिनी मल्लु, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, समाजसेवी निखिल पोपट विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जनक ब्रह्मभट्ट ने नवरात्रि उत्सव के सभी सहयोगियों, दानदाताओं, पुलिस विभाग और प्रशासन सहित तन, मन, धन से सहयोग करने वालों का इस अवसर पर आभार प्रकट किया।

बुधवार दिनांक 1 अक्टूबर को दोपहर 11.30 बजे से ब्रह्म भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर हैदराबाद-सिकंदराबाद में रहने वाले समस्त गुजराती ब्रह्म समाज, गुजराती साधु-संत समाज तथा नवरात्रि उत्सव के सहयोगी दाताओं को सपरिवार ब्रह्मभोजन में पधारने का निवेदन किया गया है।नवरात्रि उत्सव में विशेष अतिथि के रूप में ट्रस्ट बोर्ड सचिव जसभाई पटेल, अध्यक्ष घनश्याम पटेल, मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र कोटक, सहमंत्री विष्णु पटेल, दिनेश पटेल (लालगुरू), दिनेश पटेल (निलकंठ), तरुण मेहता, हरीश दवे, अजय ओझा, कौशिक पटेल, जितेश जानी, हरेश गढिया, रमेश नेगांधी, भूपेन्द्र पटेल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं. 90 से 98_ DRM_W_HYB_25 दि. 26/09/2025

PUB/1215

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत मंडल रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए **ई-प्रोक्योरमेंट** के माध्यम से 22/10/2025 को 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या: 90_DRM_W_HYB_25
कार्य का नाम: ए) हैदराबाद मंडल: गडवाल में लॉक-अप रूम, शौचालय आदि के साथ आरपीएफ आउट पोस्ट भवन का निर्माण और फर्नीचर के साथ 06 बिस्तरों वाले आरपीएफ बैरक का निर्माण बी) हैदराबाद मंडल: कुरनूल टाउन में रसोई सहित फर्नीचर के साथ 10 बिस्तरों वाले महिला आरपीएफ बैरक का निर्माण।**अनुमानित मूल्य** (₹): 2,14,38,325 **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 2,57,200

निविदा संख्या: 91_DRM_W_HYB_25
कार्य का नाम: एमजेएफ-एमएलवाई खंड: वर्कशॉप/एलजीडी (1). टीएसएमडी (ईएमयू कार शेड), कैरिज वर्कशॉप और डीजल लोको शेड में सीटीआर(एस)- 3.10 किमी (2). एससी-एमयूई खंड में मुख्य लाइनों के एसएसई/पी.डब्ल्यू/एमईडी खंड के तहत जारी पीएससी स्लीपरों के साथ ट्रॉली रिफ्यूज और सीमा स्तंभों को लगाना। **अनुमानित मूल्य** (₹): 2,13,01,738 **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 2,56,500

निविदा संख्या: 92_DRM_W_HYB_25
कार्य का नाम:एबीबीएसएस के तहत बासर, उमरी और धर्माबाद रेलवे स्टेशनों के मुखौटे में सुधार।अनुमानित मूल्य (₹): 5,00,89,117 **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 4,00,500

निविदा संख्या: 93_DRM_W_HYB_25
कार्य का नाम:हैदराबाद मंडल: सिकंदराबाद - धोने खंड: (1) पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण - सीटीआर(पी) 38.10 किमी की लंबाई के लिए (किमी 197.40 से 235.50 तक) (2) पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण - सीटीआर(पी) 21 किमी की लंबाई के लिए (किमी 236.20-240.80, 242.80-257.40, 257.70-259.50 तक) और टीआरआर-1.70 किमी (किमी 259.50 261.20 से) (3) पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण सीटीआर(पी) 34.60 किमी की लंबाई के लिए (किमी 261.20 से 295.80 तक)। **अनुमानित मूल्य** (₹):7,91,19,958 **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 5,45,600

निविदा संख्या: 94_DRM_W_HYB_25
कार्य का नाम: एससी-डीएचएनई, डीकेसी-केएसएन और जीडीडब्ल्यू-आरसी खंडों पर विभिन्न स्थानों पर रेल जोड़ों की इन-सीटू वेल्डिंग (स्वीकृत कार्यों का हिस्सा (1) टीटीआर -27 सेट और टीटीआर-10 सेट (2) टीएफआर- 182.80 किमी)। **अनुमानित मूल्य** (₹):38,72,692 **पूर्व धरोहर राशि** (₹):77,500

निविदा संख्या: 95_DRM_W_HYB_25
कार्य का नाम: हैदराबाद मंडल: पीसीओएम कार्यालय के फर्श (दूसरी मंजिल, रेल निलयम) के नवीनीकरण का प्रस्ताव। **अनुमानित मूल्य** (₹): 3,75,36,742 **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 3,37,700

निविदा संख्या: 96_DRM_W_HYB_25 **कार्य का नाम:**वर्ष 2025-26 के लिए एडीईएन/ईआईआई/एचवाईबी के नियंत्रण में और एसएसई/डब्ल्यू/ एमएलवाई के अधिकार क्षेत्र के तहत आईआरआईएफएम/ एमएलवाई/ एससी परिसर में वार्षिक मरम्मत/ रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य** (₹): 1,15,61,997 **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 2,07,800

निविदा संख्या: 97_DRM_W_HYB_25
कार्य का नाम:पीसीएमएम कॉन्फ्रेंस हॉल और पीसीएमएम चैंबर, छठी मंजिल, रेल निलयम का नवीनीकरण/मरम्मत।**अनुमानित मूल्य** (₹): 1,10,84,813 **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 2,05,400

निविदा संख्या: 98_DRM_W_HYB_25
कार्य का नाम: सीडब्ल्यूएस/एलजीडी के डेमू शेड, पानी टंकी अनुभाग और अन्य स्थानों में पानी के गटर, शेड की छत के पानी के रिसाव की मरम्मत।**अनुमानित मूल्य (₹):** 52,41,610 **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 1,04,800

वरिष्ठ डीईएन/समन्वय/हैदराबाद

निविदा सूचना सं.: 5-CWMLGD RBK-ET-2025-26 शुद्धिपत्र संख्या 1

PUB/1216

मुख्य कारखाना प्रबंधक/एलजीडीएस, भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए ई-निविदा सं. **5-CWMLGDRBK-ET-2025-26** आमंत्रित करते हैं। बोलीदाताओं को केवल अंतिम तिथि और समय तक ही अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा करने की अनुमति होगी। इस निविदा के खिलाफ मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त किसी भी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए बयाना राशि का भुगतान केवल खठएझड पोर्टल में उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

कार्य का विवरण: रेल बोगी कारखाना, द.म. रेलवे, यादगीर जिला, कर्नाटक राज्य - 585 221 में वेल्डिंग टॉर्च उपभोग्य सामग्रियों सहित एलएचबी फिएट बोगी फ्रेम का फैब्रिकेशन और पेंटिंग।
निविदा मूल्य जीएसटी सहित (₹): 2,85,00,950/- (दो करोड़ पचासी लाख नौ सौ पचास रुपये मात्र) **पूधरा** (₹): 2,92,500/- (दो लाख बानवे हजार पांच सौ रुपये मात्र) **मात्रा** (संख्या): 1000
अवधि: 12 महीने

निविदा बंद होने की तिथि/समय: **मौजूदा:** 06.10.2025 11:00 बजे **संशोधित: 21.10.2025 11:00 बजे**
नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है: मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा, सिकंदराबाद 500017
आगे की निविदा शर्तों/विवरण के लिए (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) और निविदा दस्तावेजों, शुद्धिपत्र को डाउनलोड करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता-II सीडब्ल्यूएस, लालागुडा, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.: GNT/E.18/ TrD/2025-26

PUB/1217

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ठेकेदारों से 24.10.2025 को 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्र.सं.: 01 निविदा शीर्षक: गुंटूर मंडल: 1) एसजेएल-टीईएल के बीच किमी 2/36-38 पर मध्य खंड के एलसी गेट संख्या 228 की प्रस्तावित इंटरलॉकिंग। 2) एनडीएल-पीएनएम के बीच किमी 260/12-13 पर मध्य खंड के एलसी गेट संख्या 180 की प्रस्तावित इंटरलॉकिंग, 3) एनआरडीपी-वीएलजी के बीच किमी 27/3-4 पर एलसी गेट संख्या 13 पर मध्य खंड के एलसी गेट की प्रस्तावित इंटरलॉकिंग और 4) एमएजी-केसीसी स्टेशनों के बीच किमी 24/25-27 पर लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 17बी पर एमओएलबी को ईओएलबी से बदलना - ओएचई संशोधन।**निविदा संदर्भ सं.:** GNT/E. 18/TrD/2025-26 दि. 26.09.2025 **अनुमानित मूल्य** (₹): 42,43,370/- **पूर्व धरोहर राशि** (₹): 84,900/- **निविदा प्रपत्र की लागत (गैर-वापसी योग्य)** (₹): शून्य

ई-बोलियों की ऑनलाइन प्रस्तुति के लिए अंतिम तिथि और समय: **24.10.2025** को 15.30 बजे तक।
किसी भी विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर **26.09.2025 से 24.10.2025** को 15.30 बजे तक लॉग ऑन करें। कोई भी आगे का संचार/शुद्धिपत्र केवल ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता, टीआरडी, गुंटूर

ई-निविदा सूचना

PUB/1218

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए दिण : 24.10.2025 को 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्र.सं.: 01 कार्य का नाम: निविदा सूचना संख्या और दि. : SCR-BZ--SNT- E13-OT-25-26, दि.: 29.09.2025 विजयवाड़ा मंडल: सिग्नल और दूरसंचार विभाग: विजयवाड़ा मंडल में ऑटो फ्यूज चेंज ओवर सिस्टम के प्रावधान और डिजिटल ईएलडी के प्रावधान द्वारा विश्वसनीयता सुधार कार्यों के संबंध में एसएंडटी कार्य। **निविदा मूल्य** (₹): 1,24,49,450.00 **पूधरा** (₹): 2,12,300.00 केवल ऑनलाइन या बोली सुरक्षा के माध्यम से **सीटीबी** (₹): शून्य **कार्य पूर्ण होने की अवधि:** 180 दिन

क्रम.सं : 01.विवरण: बंद होने की तिथि और समय **समय:** 15.30 बजे। **दि.** : 24.10.2025
1) निविदा की शर्तें / अन्य विवरण जैसे कि कार्य का पूरा नाम, उपरोक्त कार्यों की समान प्रकृति, पात्रता मानदंड आदि वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध हैं।
2) संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तारीख से पहले किसी भी निविदा के लिए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र को नोट करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.inपर जाएं।
3) निविदा सूचना मंडल रेल प्रबंधक (सिग्नल और दूरसंचार), द.म. रेलवे विजयवाड़ा के कार्यालय में स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की गई है।
4) रेलवे बिना कोई कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

मंडल रेल प्रबंधक (एसएंडटी), विजयवाड़ा

A1534

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा 41वां दुर्गा पूजा महोत्सव

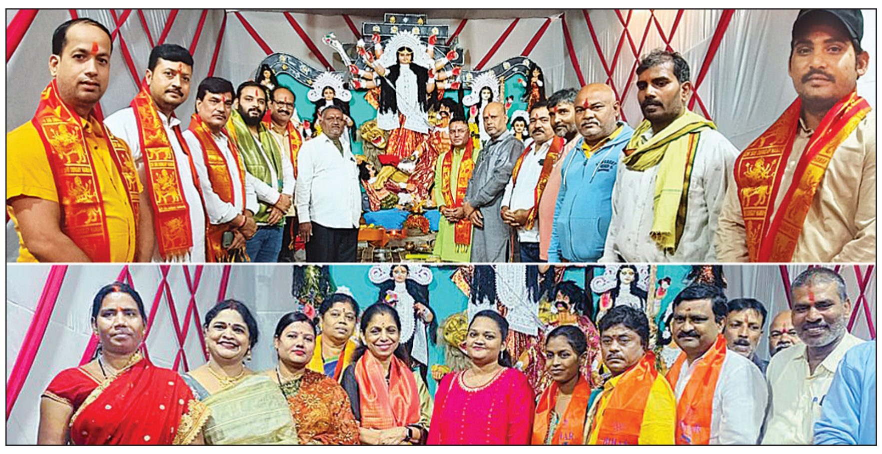

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ ली ब्यूरो)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा इंदिरा नेहरू नगर, मल्काजगिरी में आयोजित 41वें दुर्गा पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव के नेतृत्व में नवरात्रि के दौरान कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। अष्टमी के पावन अवसर पर मल्काजगिरी के विधायक एम राजशेखर रेड्डी, बीआरएस राष्ट्रीय महासचिव हिमांशु तिवारी, गौतम नगर कॉरपोरेटर रामु यादव, विनायक नगर की कॉरपोरेटर राजलक्ष्मी मैडम, मल्काजगिरी कॉरपोरेटर सरवन कुमार, भाजपा नेता व अन्य गण्यमान्य उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ देवी की पूजा-अर्चना से हुआ, जिसमें पंडित सुशील ओझा ने सभी श्रद्धालुओं को माता का आशीर्वाद दिया। बिहार महिला एसोसिएशन ने बच्चों और बच्चियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जो उत्सव को चार चाँद लगाने वाली थीं।इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे और सभी अतिथियों का स्वागत महासचिव सागर भगत, प्रोग्राम इंचार्ज मनोज यादव, हरिश यादव, अनिल ठाकुर, पंकज यादव, आंनद गुप्ता, बिकाश, लल्लन मिश्रा, बिनोद और अन्य अधिकारियों द्वारा मालाओं व शॉल के साथ किया गया।महोत्सव का यह आयोजन समुदायों में भाईचारे और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए एक खास पहल माना जा रहा है, जिसमें धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का सुन्दर संगम देखने को मिला।

तीन दिवसीय हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी 10 अक्टूबर से

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ ने शादी-ब्याह के मौसम को ध्यान में रखते हुए तीन दिवसीय ब्राइड्स प्रदर्शनी का आयोजन आगामी 10 अक्तूबर से हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी नोवोटेल में किया जाएगा। हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी में देश भर के डिज़ाइनर अपने नए कलेक्शन के साथ भाग लेंगे।

मंगलवार को यहाँ आयोजित एक कर्टन-रेज़र कार्यक्रम में अभिनेत्री चंदिनी भगवानी और प्रियंका चौधरी तथा अन्य फैशन प्रेमियों ने प्रचार सामग्री का विमोचन किया।

अभिनेत्री चाँदनी ने कहा कि हाईलाइफ की ब्राइड्स प्रदर्शनी का लोगों को हमेशा इंतज़ार रहता है, क्योंकि यहाँ एक ही स्थान पर विवाह से जुड़ी सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध होती है। विशेषकर नए एवं समकालीन फैशन को प्रतिबिंबित करने वाले परिधान एवं आभूषणों के लिए कई विकल्प खुले रहते हैं।प्रदर्शनी में विवाह उत्सवों से जुड़े परिधानों एवं आभूषणों के अलावा वर-वधु के लिए विभिन्न प्रकार की उपयोगी सामग्री के स्टॉल स्थापित किए जाएँगे।

आयोजकों ने बताया कि विशेषकर आभूषणों के लिए देश भर के प्रमुख फैशन डिज़ाइनरों को आमंत्रित किया गया है।

हाईलाइफ प्रदर्शनी का आयोजन 10 से 12 अक्तूबर तक होगा। यह अपनी तरह की सबसे बड़ी ब्राइडल फैशन प्रदर्शनी होगी, जिसमें दुल्हनों के परिधान, आभूषण, विशेष अवसरों पर उपयोगी डिज़ाइनर वस्त्र, साड़ियाँ एवं अन्य सामग्री का व्यापक कलेक्शन उपलब्ध होगा।

सुमित्रा देवी राठी की पुण्य स्मृति में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता के मंदिर के पास स्थित गौशाला के पास मंगलवार को स्वर्गीय श्रीमती सुमित्रा देवी राठी की पुण्य स्मृति में अन्नदान किया गया। राधे राधे ग्रुप की आज की सेवा श्री दुर्गाप्रसाद जी सत्यनारायण जी राठी (मैसर्स धन्वंतरि फार्मा सर्जिकल, अत्तापुर) परिवार की और से की गई। इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, राजेश सर योगा, गोविंद राम पचेरीया, मीना अग्रवाल, लता गोयल, अरुण विजयवर्गीय, पवन राठी, शुभम तोशनीवाल,अंकित तोशनीवाल, मनोज शर्मा, आशीष, एवं किशन पाल उपस्थित थे।

सीरवी समाज कोरेमुला बड़ेर द्वारा नवरात्रि महोत्सव का भव्य समापन

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज कोरेमुला बड़ेर के तत्वावधान में आयोजित नवरात्रि महोत्सव का समापन हवन यज्ञ एवं पूर्णाहुति के साथ भव्य तरीके से हुआ। इस शुभ अवसर पर समाज के संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालूराम काग, सचिव डायाराम लवेटा, सह सचिव राजाराम गेहलोत, अमराराम राठौड़, पंडित बाबूलाल शर्मा सहित अन्य गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही।महोत्सव के दौरान भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता का परिचय देते हुए सभी ने मां दुर्गा की आराधना की। इस नवरात्रि महोत्सव के समापन में सामूहिक रूप से हवन यज्ञ किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने पूर्णाहुति देकर मां दुर्गा की विशेष कृपा और आशीर्वाद की कामना की।

यह महोत्सव सीरवी समाज के लिए धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने का माध्यम बना, जिसने समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ जोड़ा और उनकी एकजुटता को सुदृढ़ किया।

श्री कनका दुर्गा माता मंदिर, ऑटोनगर में विशाल जागरण आयोजित

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ ली ब्यूरो)। श्री कनका दुर्गा माता मंदिर, ऑटोनगर में माता के विशाल जागरण के पावन अवसर पर कांग्रेस नेता एन. के. सिंह, संदीप चौधरी, राजपाल और पंडित रामनिवास ने माता से आशीर्वाद ग्रहण किया। जागरण में भक्तों की भारी भीड़ ने माताजी के दर्शन के साथ उनके आशीर्वाद से आत्मिक ऊर्जा प्राप्त की।

इस आयोजन में जनता की उपस्थिति ने माहौल को धार्मिक एवं उत्सवपूर्ण बना दिया, जिसमें सभी भक्तों ने माता की महिमा का गुणगान किया। माता के प्रति अटूट श्रद्धा और भक्ति के साथ जागरण का आयोजन मंदिर परिसर की शोभा बढ़ाता है और आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है।

गंडीमैसम्मा दोमरा पोचमपल्ली स्थित हनुमान मंदिर में नवरात्रि पर चांदी का मुकुट भेंट

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ ली ब्यूरो)। नवरात्रि के पावन अवसर पर गंडीम्मैसमा दोमरा पोचमपल्ली स्थित श्री हनुमान जी मंदिर में हनुमान जी को चांदी का मुकुट भेंट किया गया। इस शुभ अवसर पर राजशेखर रेड्डी, महेन्द्र रेड्डी, दिनेश सीरवी, मुरली मनोहर (पप्पू भाई), जगदीश सीरवी, पंडित जी किरण आचार्य सहित अन्य गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।यह कार्यक्रम मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए विशिष्ट धार्मिक उत्सव का हिस्सा था, जिसमें हनुमान जी की पूजा-अर्चना के साथ चांदी के मुकुट की भेंट के माध्यम से उनकी महिमा का सम्मान किया गया। उपस्थित लोगों ने हनुमान जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए मंदिर परिसर को भक्ति भाव से अलौकिक बना दिया।

हनुमान जी मंदिर धार्मिक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां नवरात्रि जैसे पावन पर्वों पर विशेष आयोजन और अनुष्ठान सम्पन्न होते हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक अनुभव का स्रोत होते हैं।

राधे राधे ग्रुप ने नामपल्ली पर किया अन्नदान

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास जरूरतमंद लोगो को अल्पाहार (नाश्ता) करवाया गया। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता, भगतराम गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनोज शर्मा, गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, गोपाल गोयल, ई-जगन चम्पापेट, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, राजेश नथानी, अनिता नथानी, संजय गोयल, किरण गोयल एवं नंदकिशोर अग्रवाल उपस्थित थे।

आसिफाबाद जिले में 30 पुलिस अधिनियम लागू होंगे : कांतिलाल पाटिल

बिना पूर्व अनुमति के सार्वजनिक कार्यक्रम, सभाएँ और रैलियाँ प्रतिबंधित

कोमुरम भीम आसिफाबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के उद्देश्य से कोमुरम भीम आसिफाबाद जिले में 30 सितंबर से 31 अक्टूबर तक 30 पुलिस अधिनियम-1861 के प्रावधान लागू किए जा रहे हैं। जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, आईपीएस ने सोमवार को जारी बयान में स्पष्ट किया कि इस अवधि के दौरान उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 30 पुलिस अधिनियम के तहत जिले में डीएसपी/एएसपी या उच्च पुलिस अधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का धरना, जनसभा, रैली या सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा, प्रतिबंधित हथियारों को ले जाना या दुर्भावनापूर्ण इरादे से अपराध भड़काने वाले हथियारों का उपयोग निषिद्ध है। जनता को परेशानी और झुंझलाहट पहुँचाने वाली जनसभाएँ और अनियंत्रित भीड़ जुटाना भी पूरी तरह वर्जित घोषित किया गया है।

यह कदम जिले में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए आवश्यक है। सभी नागरिकों से अपील है कि वे कानूनी आदेशों का पालन करें और किसी भी कार्यक्रम के लिए पूर्व अनुमति प्राप्त करें, कांतिलाल पाटिल ने कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना अनुमति के रैलियाँ या सभाएँ आयोजित करने वालों के विरुद्ध 30 पुलिस अधिनियम 1861 के तहत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार, अधिनियम के उल्लंघन पर दंडनीय कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जुर्माना और कानूनी सजा शामिल हो सकती है। जिला प्रशासन ने सभी को प्रतिबंधों में निहित नियमों का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी है। किसी भी प्रकार के सार्वजनिक आयोजन के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को पहले से आवेदन प्रस्तुत करने और लिखित अनुमति प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है।जिला पुलिस ने इस संबंध में जागरूकता अभियान भी चलाने का ऐलान किया है, ताकि आम जनता को प्रतिबंधों की पूरी जानकारी हो सके। स्थानीय पंचायतों, सामाजिक संगठनों और मीडिया के माध्यम से संदेश प्रसारित किया जाएगा।

कोमुरम भीम आसिफाबाद जिला, जो आदिवासी बहुल क्षेत्र होने के कारण कभी-कभी सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन जाता है, में हाल के वर्षों में कानून-व्यवस्था की चुनौतियाँ बढ़ी हैं। विशेष रूप से, त्योहारों और मौसमी अवसरों पर भीड़भाड़ और अनधिकृत सभाओं के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह अधिनियम लागू किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे प्रतिबंध न केवल अपराध दर को नियंत्रित करेंगे, बल्कि सामुदायिक सद्भाव को भी मजबूत करेंगे।पुलिस विभाग ने नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा जताई है और आश्वासन दिया है कि आपातकालीन स्थितियों में तत्काल सहायता उपलब्ध रहेगी। जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल ने कहा, हमारा उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अनुमति प्रक्रिया सरल रखी गई है, इसलिए सभी इसका लाभ उठाएँ।

मदनूर में सीसी रोड गुणवत्ता जांच, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

मदनूर, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र में माननीय जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मीकांत राव के सहयोग से 55 लाख रुपए निधि से सीसी रोड निर्माण के लिए कुछ महीने पहले मंजूरी दी गई थी। मंजूरी के बाद ठेकेदार ने गांधी चौक से लेकर आर्य समाज तक सीसी रोड का निर्माण किया।

इसके बाद संयुक्त निज़ामाबाद जिले से आई एक विशेष गुणवत्ता टीम के अधिकारियों ने मदनूर गांधी चौक से येल्लम्मा गली तक बिछाई गई सीसी रोड की गुणवत्ता की जांच की। बताया गया कि सड़क की खुदाई करके पहले भी एक बार नमूने लिए गए थे। इस इलाके में दूसरी बार गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

इस बीच, ग्रामीणों ने ठेकेदार पर आरोप लगाते हुए गुणवत्ता टीम के अधिकारियों से कहा कि सीसी रोड निर्माण के मात्र एक सप्ताह में ही सड़क खराब हो गई है। ग्रामीणों ने शिकायत की कि इस विषय में कई बार समाचार पत्रों में ख़बरें प्रकाशित होने के बावजूद अधिकारियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

ग्रामीणों ने गुणवत्ता टीम से मांग की कि सीसी रोड का गंभीरता से निरीक्षण किया जाए और दूसरी बार सही तरीके से सीसी रोड का निर्माण कराया जाए।ग्रामीणों का आरोप है कि शासन की निधि से हो रहे कार्यों में लापरवाही और घटिया सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि जिले के मुख्य स्थान पर होने वाले विकास कार्यों की इस प्रकार की स्थिति शासन व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने दोहराया कि अगर सही जांच और कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। विशेष गुणवत्ता टीम का निरीक्षण पूरा होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि ठेकेदार की ओर से वास्तव में लापरवाही हुई है या नहीं। फिलहाल पूरे गांव की नजर इस जांच रिपोर्ट और आगामी प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है।

मंचेरियाल में अशांत गोदावरी

मंचेरियाल, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल में गोदावरी का जलस्तर कम नहीं हो रहा है। ऊपरी इलाकों से येल्लमपल्ली परियोजना में भारी बाढ़ आ रही है और गोदावरी में सात लाख क्यूसेक से ज़्यादा पानी छोड़ा जा रहा है। सोमवार आधी रात को 1 बजे तक श्रीरामसागर से येल्लमपल्ली परियोजना में 4,50,000 क्यूसेक, कडेम परियोजना से 4,000 क्यूसेक और जलग्रहण क्षेत्र से 2,62,209 क्यूसेक पानी पहुँच चुका था। इसके साथ ही परियोजना के 62 गेटों में से 43 गेट उठा दिए गए और 6,97,202 क्यूसेक पानी गोदावरी नदी में छोड़ा गया।सुबह 3 बजे 7,51,964 क्यूसेक का प्रवाह था, 7,27,159 क्यूसेक सुबह 6 बजे, 7,44,482 क्यूसेक का प्रवाह था, 7,31,670 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। सुबह 9 बजे 7,47,531 क्यूसेक पानी का प्रवाह था, 43 गेट उठाए गए और 7,34,746 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। दोपहर 12 बजे 6,58,791 क्यूसेक का प्रवाह था, 7,01,932 क्यूसेक और दोपहर 3 बजे 6,48,084 क्यूसेक का प्रवाह था, 6,91,225 क्यूसेक पानी गोदावरी में छोड़ा गया।गोदावरी के तट पर स्थित गौतमेश्वर मंदिर के सामने तक पानी पहुँच गया। सम्मक्का और सारलम्मा गड्डे, पुष्कर घाट, स्नान घाट और प्रतीक्षालय जलमग्न हो गए। रल्ला वागु नदी गोदावरी नदी से मिलने के स्थान पर उफान पर आ गई, जिससे आस-पास के एनटीआर नगर और रामनगर इलाकों की सड़कों पर बाढ़ आ गई। एनटीआर नगर में कुछ घरों के बीच पानी पहुँच गया।गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़ने से आस-पास की फसलें पानी में डूब गईं। कोझूर, बोरमपल्ली, रावुलापल्ली, रामपुर और देवुलावाड़ा गाँवों के पास उगाई गई कपास, चावल और मिर्च की फसलें पानी में डूबी रहीं।

कोरुटला रेलवे स्टेशन के विकास के लिए सर्वदलीय जन संगठनों का संयुक्त प्रदर्शन

जगतियाल, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले के कोरुटला रेलवे स्टेशन के विकास और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए सभी राजनीतिक जन संगठनों के संयुक्त मंच ने एकजुट होकर आवाज उठाई। मंगलवार को सर्वदलीय राजनीतिक जन संगठनों के नेतृत्व में कोरुटला रेलवे स्टेशन पर विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए एक धरना आयोजित किया गया। इसके बाद, स्थानीय नेताओं ने सरकारी अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें रेलवे स्टेशन की बदहाल स्थिति और विकास से जुड़े अनसुलझे मुद्दों को तत्काल हल करने की मांग की गई।

नेताओं ने रेलवे अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कोरुटला रेलवे स्टेशन की असुविधाजनक स्थिति को सुधारने और विकास कार्यों को गति देने का अनुरोध किया। विशेष रूप से, कल्लूर रोड से रेलवे स्टेशन तक जाने वाली सड़क, जो 9 साल पहले खुली थी, अब बंद होने के कारण यात्रियों, वाहन चालकों, बच्चों और बुजुर्गों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क को फिर से खोलने और रेलवे स्टेशन के सामने तत्काल एक पार्किंग स्थल बनाने की मांग की गई। इसके अलावा, रेलवे स्टेशन के सामने जमा बजरी के ढेरों को स्टेशन के पीछे स्थानांतरित करने और पीछे की ओर गिट्टी लोडिंग ट्रैक का निर्माण शुरू करने का अनुरोध किया गया।

हाल के दिनों में, कोरुटला रेलवे स्टेशन पर बॉम्बे, हैदराबाद, तिरुपति, वारंगल, विजयवाड़ा और अन्य शहरों को जाने वाली ट्रेनों के ठहराव की मांग भी जोर पकड़ रही है। इस संबंध में, केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित सांसद धर्मपुरी अरविंद और कोरुटला के स्थानीय विधायक डॉ. के. संजय कुमार ने इन समस्याओं को तुरंत हल करने की मांग की है। उन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे और भारतीय रेलवे के अधिकारियों को स्पीड पोस्ट के माध्यम से एक याचिका सौंपी है।

कोरुटला के लोगों की ओर से सर्वदलीय जन संगठनों के तत्वावधान में स्थानीय स्टेशन मास्टर को भी एक याचिका सौंपी गई, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस धरने में कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चेन्ना विश्वनाथ, सुतारी रामुलु, एमडी मुकरम, चिंता भूमेश्वर, बेकला शंकर, टीआरएस नेता सैयद अनवर, एमडी रहीम पाशा, भू पेली नागेश, भाजपा नेता बिंगी वेंकटेश सहित कई अन्य नेता उपस्थित थे।

कोरुटला रेलवे स्टेशन लंबे समय से उपेक्षित रहा है, जिसके कारण स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की यात्रा में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से, स्टेशन के आसपास बुनियादी सुविधाओं जैसे पार्किंग, सड़क और ट्रेनों के ठहराव की कमी ने इस क्षेत्र के विकास को प्रभावित किया है। सर्वदलीय जन संगठनों का यह संयुक्त प्रयास स्थानीय समुदाय की मांगों को रेलवे और सरकारी अधिकारियों तक पहुंचाने का एक सशक्त कदम है।

जैसिंह जोत ने जिला उप-कलेक्टर का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत जिला कलेक्टरेट भवन परिसर में जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे से मुलाकात की और उन्हें एक पौधा भेंट किया, जो पर्यावरण संरक्षण और सकारात्मक संदेश का प्रतीक रहा। समारोह में जिले के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे, जहाँ जैसिंह जोत ने जिले के नागरिकों के कल्याण और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

कोवलस यल्लामा माता मंदिर में नवरात्रि उत्सव का आयोजन

मदनूर, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर, हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जुक्कल मंडल के कोवलस यल्लामा माता स्थानीय पुरातन मंदिर कोलास किल्ला में नवरात्र के पावन अवसर पर हर रोज सामूहिक आरती का आयोजन किया जा रहा है। स्थानिक लोगों का कहना है कि वर्ष के बारहों महीने माता के भक्त अपनी मन्नत पूरी करने तेलंगाना के साथ-साथ महाराष्ट्र व कर्नाटक से बड़ी संख्या में आते हैं।स्थानिक पुजारी का कहना है कि माता हर एक भक्त की मुरादें पूरी करती हैं। स्थानिक भक्तों का कहना है कि

चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन किया जाए : कलेक्टर

जिले में 15 जेडपीटीसी, 127 एमपीटीसी और 2,874 वार्डों पर होगा मतदान

सरपंच चुनाव तीन चरणों में, मतगणना उसी दिन होगी

राजनीतिक दलों को सभाओं-बैठकों के लिए पूर्व अनुमति लेनी होगी

आसिफाबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के अंतर्गत आचार संहिता का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। मंगलवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टरेट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में एमपीटीसी, जेडपीटीसी चुनाव, सरपंच और वार्ड सदस्य चुनावों के संचालन पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला अपर कलेक्टर दीपक तिवारी और एम. डेविड भी उपस्थित थे।निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चूंकि जेडपीटीसी, एमपीटीसी, सरपंच और वार्ड सदस्य चुनावों के लिए अधिसूचना जारी हो चुकी है, इसलिए सभी राजनीतिक दलों को चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन करना होगा। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग ने जिले में 15 जेडपीटीसी, 127 एमपीटीसी सीटों, 335 ग्राम पंचायत और 2,874 वार्ड सदस्य सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम जारी किया है। उन्होंने कहा कि जिले में एमपीटीसी और जेडपीटीसी के चुनाव 2 चरणों में होंगे। पहले चरण में 8 मंडलों और दूसरे चरण में 7 मंडलों में मतदान होगा। सरपंच और वार्ड सदस्यों के चुनाव 3 चरणों में संपन्न होंगे। सरपंच चुनाव के लिए मतदान सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा, मतगणना दोपहर 2 बजे से शुरू होगी और उपसरपंच का चुनाव उसी दिन होगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एमपीटीसी और जेडपीटीसी चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के बाद मतपेटियों को स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा और दोनों तरफ पुलिस सुरक्षा दी जाएगी।

राज्य चुनाव आयोग ने जारी किया चुनाव कार्यक्रम

मंचेरियाल, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) तेलंगाना में स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का सरकारी आदेश जारी होने के अगले ही दिन सभी जिलों के राजनीतिक दलों के साथ बैठकें हुईं और आरक्षण प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

इसी बीच कुछ लोग आरक्षण को लेकर अदालत पहुँच गए। अदालत ने सवाल खड़ा किया कि जब विधानसभा में पारित प्रस्ताव राज्यपाल के पास लंबित है तो राज्य सरकार ने सरकारी आदेश क्यों जारी किया।

अदालत ने दस दिन तक अधिसूचना जारी न करने का आदेश दिया था। इसके बावजूद राज्य सरकार ने कानूनी राय लेकर स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्णय लिया।राज्य चुनाव आयोग की आयुक्त रानी कुमुदिनी ने चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है, जिसके साथ ही पंचायत चुनावों का बिगुल बज गया है।चुनाव आयोग की अधिसूचना 9 अक्टूबर को जारी होगी और उसी दिन से नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।एमपीटीसी और जेडपीटीसी चुनाव दो चरणों में होंगे। पहला चरण: मतदान 23 अक्टूबर को।दूसरा चरण: मतदान 27 अक्टूबर को। सरपंच व वार्ड सदस्य चुनाव तीन चरणों में होंगे।पहले चरण की अधिसूचना: 17 अक्टूबर, मतदान 31 अक्टूबर को।दूसरे चरण के नामांकन: 21 अक्टूबर से, मतदान 4 नवंबर को।

बाबा साहेब की आकांक्षा को और अधिक जीवंत किया जाना चाहिए : यशवंत महाराज

आसिफाबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचियाल कस्बे के बौद्ध गुरु बंते भारद्वाज और यशवंत महाराज ने मंडल के कमाना गाँव में आयोजित बौद्ध धम्म यात्रा अभियान सभा में कहा कि भारत में बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित करने वाले डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की आकांक्षा को और अधिक जीवंत किया जाना चाहिए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें निरंतर बौद्ध धर्म की ओर बढ़ते रहकर बाबा साहेब की आकांक्षा की प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि सभी को ज्ञान समाज पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह नहीं भूलना चाहिए कि बाबा साहेब, जो एक विश्व ऋषि थे, उन्होंने अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए हमें जीवन में चरणबद्ध दिशा दिखाई। यशवंत महाराज ने चेतावनी दी कि आज झूठ को सच बताकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है और उन्हें ज्ञान की ओर बढ़ने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें इस दुष्प्रचार को अस्वीकार कर बाबा साहेब द्वारा दिखाए गए सच्चे ज्ञान की ओर बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम में भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष अशोक माहूलकर, बौद्ध उपासक पांडुजी जेडे, बुद्ध फुले अंबेडकर ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष गेदा हिरिशन, बौद्ध समाज के अध्यक्ष शेखर उपासक, किशन खोबरागांव, शंकर और रमाबाई महिला मंडली के सदस्य भी उपस्थित थे।डॉ. भीमराव आंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म अंगीकार किया था। उन्होंने बौद्ध धर्म को इसलिए चुना क्योंकि यह प्रज्ञा, करुणा, और समता का संदेश देता है और जाति प्रथा के भेदभाव को समाप्त करता है। बाबा साहेब की यह पक्षपात रहित और समतामूलक सोच भारतीय समाज के लिए मार्गदर्शक है, जिसे जीवंत करना आवश्यक है।

तेलंगाना श्रमिक महिला समन्वय समिति के राज्य अधिवेशन के पोस्टर का विमोचन

आसिफाबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना श्रमिक महिला समन्वय समिति के राज्य अधिवेशन के पोस्टर का विमोचन आसिफाबाद जिला केंद्र में किया गया। पोस्टरों को अनावरण सीटू जिला समिति के तत्वावधान में हुआ। इस अवसर पर सीटू जिला सचिव मुंजम श्रीनिवास ने बताया कि यह अधिवेशन पहली बार कोमुरंभीम आसिफाबाद जिले में आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 5 और 6 अक्टूबर को कागजनगर शहर के विनय गार्डन में होगा। राज्य भर से सैकड़ों महिला आंदोलन नेता और प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे। वे कामकाजी महिलाओं की आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, रोजगार सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर चर्चा कर भविष्य की आंदोलन गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करेंगी। अधिवेशन के पहले दिन, यानी 5 अक्टूबर को सुबह 11 बजे एसपीएम क्रिकेट ग्राउंड से एसबीआई बैंक राजीव गांधी चौक तक एक विशाल प्रदर्शन होगा, जिसके बाद 11:30 बजे एक जनसभा आयोजित की जाएगी।मुंजम श्रीनिवास ने कहा कि अखिल भारतीय राज्य श्रमिक नेता भी इस प्रदर्शन और जनसभा में भाग लेंगे और संबोधित करेंगे। उन्होंने सभी स्कीम वर्कर्स, मजदूर वर्ग और अन्य क्षेत्रों की कामकाजी महिलाओं से अपील की कि वे बड़े पैमाने पर मजदूर प्रदर्शन और जनसभा में भाग लें और विजय हासिल करें। इस कार्यक्रम में सीटू जिला उपाध्यक्ष आर त्रिवेणी, जिला उपाध्यक्ष श्रीकांत कृष्णमाचारी, मोरेश नागेश प्रभाकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवाएं देने का प्रयास

आसिफाबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। किसानों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से विद्युत अधिकारी फील्ड वॉक कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें किसान अपनी समस्याएँ अधिकारियों के सामने सीधे रखते हैं और वहीं समाधान भी पाया जाता है। केबी आसिफाबाद सर्कल के अधीक्षण अभियंता राठौड़ शेष राव ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक 338 ढीली लाइनों, 192 मुड़े हुए खंभों और 86 मध्यवर्ती खंभों की मरम्मत की जा चुकी है। 1912 टोल-फ्री नंबर 24 घंटे आपकी सेवा में उपलब्ध है, जहां किसी भी विद्युत समस्या के लिए किसान संपर्क कर सकते हैं।

अधिकारी ट्रांसफार्मरों पर अधिक भार की समस्या का समाधान कर रहे हैं। कृषि कनेक्शन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है, जिससे किसान किसी भी लंबित आवेदन की स्थिति कृषि पोर्टल पर देख सकते हैं और शीघ्रता से सेवा प्राप्त कर सकते हैं। मोटरों की सुरक्षा और आयु बढ़ाने के लिए कैपेसिटर लगाने पर बल दिया जा रहा है। जहां भी ट्रांसफार्मर जल जाते हैं, उनकी मरम्मत और परिवहन की पूरी जिम्मेदारी कंपनी की है।किसानों के लिए 24 घंटे बिजली सहायता टोल-फ्री (1912) नंबर है, जिससे वे कभी भी अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं।कृषि क्षेत्र में अधिकतम उत्कृष्टता के लिए ट्रांसफार्मर क्षमता बढ़ाई जा रही है और घटिया ढांचागत मुद्दे युद्धस्तर पर सुधार किए जा रहे हैं।मोटरों में कैपेसिटर लगाकर उनकी कार्यक्षमता और जीवनकाल बढ़ाने पर जोर दिया गया है, जिससे किसानों को विश्वसनीय सेवा मिले।आधिकारिक सुधारों और तकनीकी समाधानों से किसानों को अब त्वरित, पारदर्शी और गुण-वत्तापूर्ण बिजली सेवा प्राप्य बन पा रही है।

सरकारी कर्मचारी के जीवन में सेवानिवृत्ति अनिवार्य है : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि प्रत्येक सरकारी कर्मचारी के जीवन में सेवानिवृत्ति अनिवार्य है। जिला समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक एवं पिछड़ा वर्ग विकास विभाग के अधिकारी के पद पर कार्यरत सजीवन की सेवानिवृत्ति के अवसर पर सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल सुभाष ने जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में आयोजित सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ शिरकत की और सजीवन एवं उनकी पत्नी को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य के विकास एवं जन कल्याण के लिए सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी एवं विकास कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने तथा पात्र लाभार्थियों तक कल्याण का लाभ पहुँचाने में एक सरकारी कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कामना की कि प्रत्येक सरकारी कर्मचारी के जीवन में सेवानिवृत्ति अनिवार्य हो और वह सेवानिवृत्ति के बाद अपने परिवार के साथ सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करे।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने क्रिकेटर तिलक वर्मा को किया सम्मानित

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में मंगलवार को युवा क्रिकेटर तिलक वर्मा, जिन्होंने एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की पाकिस्तान पर जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने तिलक को टूर्नामेंट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया और बधाई दी। इस अवसर पर तिलक ने मुख्यमंत्री को सम्मान के प्रतीक के रूप में एक क्रिकेट बैट भेंट किया।कार्यक्रम में मंत्री श्रीहरि, के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, के एमडी सोनिबाला देवी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू, खैरताबाद ऊ्रउ अध्यक्ष रोहिन रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कांग्रेस सरकार ने एक दशक बाद भरी ग्रुप-1 नौकरियां : मंत्री पोंगुलेति

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेति श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में बेरोजगारों के सपने अब साकार हो रहे हैं, जो तेलंगाना के गठन के बाद से अधूरे रह गए थे। यह बयान उन्होंने तब दिया जब तेलंगाना लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित ग्रुप-1 भर्ती में चयनित और स्टाम्प्स एंड रजिस्ट्रेशन विभाग में जिला रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त उम्मीदवारों ने सचिवालय में उनसे मुलाकात की।

मंत्री ने उन्हें उनकी सफलता पर बधाई दी और सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि पहले संयुक्त आंध्र प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने 2011 में ग्रुप-1 अधिसूचनाएं जारी की थीं और 2018 में भर्ती पूरी की थी। यदि नियमित रूप से ऐसी अधिसूचनाएं जारी की गई होतीं, तो और अधिक बेरोजगार युवाओं को लाभ मिलता, उन्होंने कहा।

तेलंगाना के गठन के बाद पिछले एक दशक में ग्रुप-1 भर्तियां नहीं हुईं, जिससे युवाओं की उम्मीदें अधूरी रह गईं। वर्तमान सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, पोंगुलेति ने कहा कि ढ्ढञ्जझ्डउ को पुनर्गठित और मजबूत किया गया है। डेढ़ साल के भीतर लगभग 60,000 नौकरियां भरी गई हैं। ग्रुप-1 और ग्रुप-2 के साथ-साथ अन्य पदों के लिए भी अधिसूचनाएं जारी की गई हैं, उन्होंने कहा।

स्टाम्प्स एंड रजिस्ट्रेशन विभाग में सुधारों पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने इसे केवल राजस्व स्रोत के रूप में देखा, लेकिन रेवंत रेड्डी सरकार ने जन सेवाओं को बेहतर करने पर ध्यान दिया है। हमने समय बचाने के लिए स्लॉट बुकिंग शुरू की, आधुनिक सुविधाओं के साथ नए उप-रजिस्ट्रार कार्यालय बनाए जा रहे हैं, और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है, उन्होंने बताया।

मंत्री ने नए जिला रजिस्ट्रारों को सलाह दी कि वे अपनी ड्यूटी ईमानदारी से निभाएं और जनता की सेवा करके सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ाएं।

हैदराबाद के नए पुलिस आयुक्त सज्जनार ने नशीले पदार्थों और साइबर अपराधों पर सख्त कार्रवाई का वादा किया

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के नव नियुक्त पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने मंगलवार को कार्यभार संभालने के बाद नशीले पदार्थों, साइबर धोखाधड़ी और ट्रैफिक समस्याओं से सख्ती से निपटने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।मीडिया से बात करते हुए, सज्जनार ने कहा कि देश में सबसे तेजी से बढ़ता शहर हैदराबाद अब नशीले पदार्थों के खतरे का सामना कर रहा है। हम नशीले पदार्थों के आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे, अन्य राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय करेंगे, और यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त कर्मियों को तैनात करेंगे। नशीले पदार्थों से संबंधित मामलों में आरोपियों का एक विशेष डेटाबेस तैयार किया जाएगा, और ईगल टीम को और मजबूत किया जाएगा, उन्होंने कहा।

आयुक्त ने साइबर अपराधों की बढ़ती समस्या पर भी ध्यान दिया, विशेष रूप से बुजुर्गों को निशाना बनाने वाले। धोखेबाज लोग शेयर बाजार निवेश, डिजिटल गिरफ्तारी और दुर्लभ बीमारी की दवाओं के नाम पर लोगों को ठग रहे हैं। नागरिकों को सतर्क रहना चाहिए, उन्होंने चेतावनी दी।सज्जनार ने कहा कि ऑनलाइन धोखेबाजों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और वीआईपी को ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स का समर्थन न करने की चेतावनी दी, जो युवाओं पर बुरा प्रभाव डाल रहे हैं।ट्रैफिक प्रबंधन पर, आयुक्त ने बताया कि हर साल लाखों नए वाहन शहर में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे भीड़भाड़ बढ़ रही है। उन्होंने नशे में गाड़ी चलाने वालों को रोड आतंकवादी करार देते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया। साथ ही, महिलाओं के उत्पीड़न और बच्चों के खिलाफ अत्याचारों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।नकली खाद्य पदार्थों से निपटने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स और मार्केट इंटेलिजेंस सिस्टम स्थापित किया जाएगा। फोन टैपिंग मामले पर सवालों के जवाब में, सज्जनार ने कहा कि वह मामले की समीक्षा के बाद कार्रवाई पर निर्णय लेंगे।उन्होंने लोगों की भलाई के लिए पुलिसिंग पर ध्यान देने का वादा किया और हैदराबाद आयुक्तालय की टीमवर्क और दक्षता की प्रतिष्ठा को मजबूत करने के लिए सुधारों की बात कही। उन्होंने तेलंगाना पुलिस को लोगों के लिए अनुकूल बताया और नागरिकों से सहयोग की अपील की, यह कहते हुए कि हर नागरिक एक पुलिस अधिकारी है। सज्जनार ने राज्य सरकार को इस जिम्मेदारी के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वह अपने अनुभव का उपयोग शहर की सुरक्षा के लिए करेंगे।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में किया आयुध पूजा और वाहन पूजा

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल जिश्नु देव वर्मा ने मंगलवार को दशहरा उत्सव के हिस्से के रूप में राजभवन में आयुध पूजा और वाहन पूजा की। राज्यपाल ने सुरक्षा कर्मियों के हथियारों की आयुध पूजा और राजभवन परिसर में मौजूद सभी वाहनों की वाहन पूजा की। यह अनुष्ठान राजभवन के अंदर मंदिर के पास आयोजित किया गया।वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी इस विशेष पूजा समारोह में राज्यपाल के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर, राज्यपाल ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्सव की शुभकामनाएं दीं और व्यक्तिगत रूप से बधाई दी, जैसा कि राजभवन के एक संदेश में बताया गया।

हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने युवा क्रिकेटर तिलक वर्मा को दी बधाई

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवा भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा को बधाई दी है। श्री दत्तात्रेय ने 30 सितंबर, 2025 को तिलक वर्मा से फोन पर संवाद किया और उनकी उपलब्धि की सराहना की।

उन्होंने तिलक की लगन, प्रतिभा और लड़ाकू भावना की प्रशंसा की, कहा कि इस सफलता ने न केवल देश को गौरवान्वित किया है बल्कि तेलंगाना के लिए भी गर्व की बात है। ह्यदराबाद के रहने वाले तिलक वर्मा ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जब उन्होंने शानदार अर्धशतक बनाकर टीम को सफलता की ओर अग्रसर किया।

तेरापंथ भवन में साध्वी गवेषणाश्री के सान्निध्य में नवाह्निक आध्यात्मिक महाअनुष्ठान का भव्य आयोजन

हुबली, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ भवन, डी वी कॉलोनी में आचार्य श्री महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री के सान्निध्य में नवाह्निक आध्यात्मिक महाअनुष्ठान शानदार और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो रहा है। यह अनुष्ठान नवरात्र के पावन अवसर पर आत्मिक शक्ति के जागरण और साधना के लिए आयोजित किया जा रहा है।साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि नवरात्र शक्ति जागरण का विशेष समय है। उन्होंने बताया कि जैसे बाहरी सौरमंडल में सूर्य, चंद्रमा, बुध, बृहस्पति, शनि और मंगल जैसे ग्रह हैं, वैसे ही हमारे भीतर भी एक सौरमंडल विद्यमान है। बाहरी सौरमंडल हमारे भीतरी सौरमंडल को प्रभावित करता है, और यह प्रभाव तभी तक रहता है जब तक हमारी आंतरिक साधना कमजोर है। साध्वीश्री ने जोर देकर कहा कि यदि व्यक्ति तेजस केंद्र पर ध्यान की गहन साधना करता है, तो भीतरी सूर्य ग्रह शक्तिशाली बन जाता है, जिससे जन्म-कुंडली का सूर्य ग्रह प्रभावहीन हो जाता है।

उन्होंने अनुष्ठान का उद्देश्य बताते हुए कहा कि इसका मुख्य लक्ष्य आत्मा की चार अनंत शक्तियों-ज्ञान, दर्शन, आनंद और वीर्य-का जागरण है। ज्ञानावरण कर्म के क्षयोपशम से ज्ञान-चेतना, दर्शनावरण कर्म के क्षयोपशम से दर्शन-चेतना, मोहनीय कर्म के क्षयोपशम से राग-द्वेष मुक्त चेतना और अंत में अंतराय कर्म के क्षयोपशम से आनंद की अनुभूति प्राप्त होती है। साध्वीश्री ने सुझाव दिया कि इन नौ दिनों में विशेष साधना, खान-पान में संयम और तप के प्रयोग से आध्यात्मिक शक्ति का जागरण किया जा सकता है।

साध्वी मेरुप्रभा ने अपने संबोधन में कहा कि यह अनुष्ठान सभी दृष्टियों से पवित्र समय है। उन्होंने श्रद्धालुओं को मन, वचन और काया को शुद्ध करने के लिए भावविशुद्धि के अनुष्ठान पर ध्यान देने की सलाह दी। साध्वी मयंकप्रभा ने सिद्धि के लिए साधना और एकाग्रता के विकास पर बल देते हुए कहा कि चंचलता को कम करने के लिए नियमित साधना आवश्यक है।साध्वी दक्षप्रभा ने अनुष्ठान की महिमा को रेखांकित करते हुए एक भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया, जिसने सभी श्रोताओं को आध्यात्मिक रस में सराबोर कर दिया।हुबली से पधारे मीत बागरेचा ने एक प्रेरक कविता प्रस्तुत की, जबकि बाल कवि लवीश संकलेचा ने अपनी कविताओं के माध्यम से तलाक और मां की महिमा जैसे गंभीर विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। उनकी कविताओं ने आधुनिक युग की चुनौतियों को उजागर कर सभी को गहन चिंतन के लिए प्रेरित किया। महासभा सदस्य लक्ष्मीपत जी बैद ने अपने विचार साझा किए और आयोजन की भव्यता की प्रशंसा की। सभाध्यक्ष सुशील जी संचेती और किशोर मंडल के साथियों ने बाल कलाकार लवीश संकलेचा का उत्साहवर्धन करते हुए उनका स्वागत किया।

आगामी दीपावली मेले के लिए भाजपा नेता सपना गुप्ता ने 5 अक्टूबर के कार्यक्रम के लिए व्यापक निमंत्रण दिया है। इस अवसर पर जामबाग कॉरपोरेटर राकेश जयसवाल, काव्य किशन रेड्डी, गनफाउंडरी पार्षद सुरेखा समेत को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर रचना गुप्ता भी उपस्थित थीं।

श्री राधाकृष्णजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हेतु आमंत्रण

चेन्नई धन्यधरा में 2 अक्टूबर को भव्य आयोजन

चेन्नई, (तमिलनाडु) 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नई स्थित श्री राधाकृष्णजी मंदिर में आगामी 2 अक्टूबर को भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर चेन्नई से श्री कुमावत समाज ट्रस्ट साहूकारपेट के प्रतिष्ठित सदस्य रमेश अलोदिया एवं चम्पलाल धमाणिया विशेष रूप से पधार रहे हैं।

इस आयोजन हेतु निमंत्रण आप और हम संस्था के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, कुमावत समाज तेलंगाना के अध्यक्ष सोन-राम तिलायचा, ज्ञानबाग कॉलोनी अध्यक्ष रूपाराम भोपा, कुकटपल्ली अध्यक्ष हीरालाल हिंदड़, मैलारदेवपल्ली काटेदान ट्रस्ट के संरक्षक प्रकाश अलोदिया सहित समाज के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों को ससम्मान प्रदान किया गया।निमंत्रित गणों में जोगाराम बाकरेचा, सुखराज घोड़ावड़, हनुमानलाल बाकरेचा (काटेदान), कानाराम हांगर, बाबूलाल अडाणिया, सोहनलाल मानणिया (चाचा), बुद्धराम होतवाल, ओमप्रकाश मावर, कालुराम ईटाड़ा, राकेश मावर जैसे समाजसेवी शामिल हैं। =8 यह आयोजन कुमावत समाज की एकता, श्रद्धा और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित है।इस शुभ अवसर पर समाज के सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि वे सपरिवार उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सफल बनाएं और श्री राधाकृष्णजी के दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करें।

नवरात्रि महोत्सव में श्री बालम्मा माता मंदिर में भव्य अन्नदान व धार्मिक कार्यक्रम

हैदराबाद, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ की ज्योति से नूर मिलता है, सबके दिलों को सुरूर मिलता है, जो भी जाता है माँ के द्वार, कुछ न कुछ ज़रूर मिलता है। इसी भावना के साथ श्री बालम्मा माता मंदिर, काछी बस्ती, राम सिंह पुरा, कारवान, हैदराबाद में 28 सितंबर, 2025 को नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर एक भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम श्री एच. संग्राम सिंह, श्री एच. मुन्ना सिंह, श्री एच. जीत सिंह, श्री एच. राकेश सिंह एवं उनके परिवार द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माता दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के साथ हुआ। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण व्याप्त था और माता जी के जयकारों से पूरा माहौल गूंज उठा। पूजा के उपरांत अन्नदान का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। इस अन्नदान से न केवल काछी समाज के लोग बल्कि आसपास के क्षेत्र के भक्तों ने भी लाभ प्राप्त किया।इस अवसर पर काछी बिरादरी के राम सिंह पुरा, काछी गुड़ा, सिकंदराबाद से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की शोभा को काछी संघ राम सिंह पुरा सोसायटी के अध्यक्ष एवं लोकप्रिय नेता श्री ए. सुरेंदर सिंह की उपस्थिति ने और बढ़ाया। साथ ही भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री गोविंद अक्षय (टी. गोविंद सिंह काछी) ने गरिमामयी उपस्थिति दी।अन्य प्रमुख श्रद्धालु एवं समाजसेवी जैसे श्री एम. सिनोद सिंह, एम. लड्डू सिंह, श्री एम. नरेंद्र सिंह, श्री एच. विकास सिंह, श्री टी. शिवा सिंह, श्री एच. विनेश सिंह, श्री एच. शिव सिंह, श्री एच. गणेश सिंह, श्री एच. निखिल सिंह, श्री एच. अकुल सिंह, श्री एच. अजितेश सिंह, सरदार दीप सिंह, श्याम सुंदर चारी, के. नर्सिंग राव (टीडीपी लीडर), एच. किशन सिंह, जी. धनराज सिंह समेत अनेक श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई।सभी श्रद्धालुओं ने एकमत होकर कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ-साथ सेवा, भक्ति और संस्कारों की भावना को भी प्रबल करते हैं। माता रानी की कृपा से आयोजित अन्नदान और पूजा-अर्चना सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। अंत में सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम समापन हुआ।

शेयर मार्केट

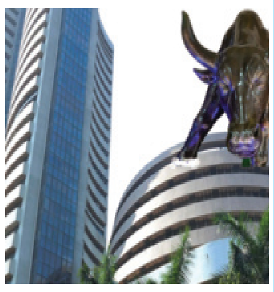

बीएसई : 80,267.62
-97.32 -0.12% ↓
एनएसई :24,611.10
-23.80 (-0.10%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,20,000/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,47,120/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 23^0

कार्टून कॉर्नर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.